फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 148 प्रभात जयपुर, मंगलवार 30 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

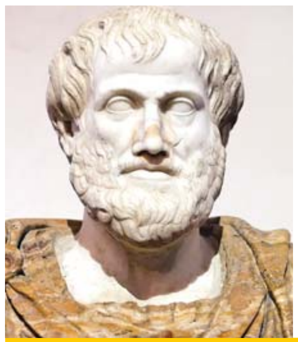

Ruling Is Fated To Be Flawed!

"He who greatly excels in beauty, strength, birth, or wealth, or on the other hand, who is very poor, or very weak, or very much disgraced, finds it difficult to follow rational principle. Of these two, the one sort grow into violent and great criminals, the others into rogues and petty rascals."

The Swastika Lived And Lives — Threads of Time: The Symbol and Shared Heritage Between India, Iran, and Ukraine

शनिवार को दिग्विजय सिंह ने सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक को हिला दिया था अपने भाषण से

रविवार को दिन भर मनन चिंतन व बैठकें हुईं वरिष्ठतम नेताओं की

- रेणु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पार्टी नेतृत्व पर उसी जगह चोट की है, जहाँ सबसे ज़्यादा दर्द होता है।

शनिवार को हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में दिग्विजय सिंह ने संगठन का मुद्दा उठाया था और इसके बाद अगले दिन, यानी रविवार को कांग्रेस नेतृत्व ने पूरा दिन गहन विचार-विमर्श में बिताया, जिसका मुख्य फोकस संगठन ही रहा।

माना जा रहा है कि संगठन में हो रही गिरावट को लेकर गहरी चिंता करने वाली सोनिया गांधी ने फाउंडेशन डे समारोह के समाप्त होने के बाद इंदिरा भवन में मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक की। पार्टी दफ़्तर के लॉन में दोनों ने अकेले में बातचीत की।

इसके बाद खड़गे के कार्यालय में राहुल गांधी, सचिन पायलट और मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की और फिर राहुल गांधी व सचिन पायलट ने उनके कार्यालय में काफ़ी देर तक चर्चा की। इस बैठक के बाद, राहुल गांधी ने अजय माकन और के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की, लेकिन थोड़ी देर बाद उन्हें बाहर जाने को कहा गया और फिर राहुल गांधी ने मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ लंबी और विस्तृत बैठक की।

- सोनिया गांधी की लंबी बातचीत हुई खड़गे के साथ, पार्टी ऑफिस के लॉन पर।
- इसके बाद खड़गे, राहुल गांधी व सचिन पायलट की बातचीत हुई खड़गे के ऑफिस में।
- फिर राहुल गांधी व सचिन पायलट की लंबी वार्ता हुई राहुल गांधी के दफ्तर में।
- इस मीटिंग के बाद के.सी. वेणुगोपाल व अजय माकन मिले राहुल गांधी से और जल्दी ही रूख़सत हो गए और राहुल गांधी व खड़गे की लंबी, गंभीर मीटिंग हुई।
- इन बैठकों में एक बात पर बार-बार चर्चा हुई कि प्रियंका गांधी को महत्वपूर्ण, गंभीर व निर्णायक भूमिका देनी चाहिए पार्टी में। फिलहाल वे ए.आई.सी.सी. में महासचिव पद पर हैं, उन्हें कोई विशेष जिम्मेवारी नहीं सौंपी गई है।
- चर्चाओं का दूसरा केन्द्र थे वेणुगोपाल, जिनका संगठन पर पूरा नियंत्रण है तथा अन्य महासचिव इससे काफी क्षुब्ध हैं, क्योंकि सभी निर्णय वेणुगोपाल लेते हैं तथा किसी अन्य महासचिव का कोई खास महत्व नहीं है और न ही उनके पास कोई काम है।
- वेणुगोपाल ने ही राहुल गांधी को समझा रखा है कि अगर प्रियंका गांधी को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी गई तो वे वैकल्पिक "पावर सैन्टर" बन जाएंगी।
- पर, उल्लेखनीय बात यह भी है कि अभी तक कोई नेता दिग्विजय सिंह के खिलाफ नहीं बोला है पार्टी में।
- माना जा रहा है कि इतने मंथन व विचार-विमर्श के बाद पार्टी में काफी कुछ तब्दील होगा, पर, राहुल छोटी छुट्टी पर तीन दिन के लिए यूरोप जा रहे हैं। अतः ये परिवर्तन अब संभवतया मलमास के बाद, 14 जनवरी के बाद ही होंगे।

सूत्रों का कहना है कि दिग्विजय सिंह के हस्तक्षेप के बाद पूरी प्रक्रिया तेज़ हो गई है। यह भी पता चला है कि प्रियंका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोहरे से दिल्ली में 130 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 29 दिसंबर। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह घने कोहरे के कारण 130 उड़ानें रद्द रहीं और आठ उड़ानों को डायवर्ट किया गया।

एयरपोर्ट पर रविवार-सोमवार की रात दो बजे से ही दृश्यता एकदम कम हो गयी थी और उपकरण समर्थित लैंडिंग सुविधा के तहत परिचालन के लिए कैट-3 की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी। सुबह 10 बजे तक यही स्थिति रही। बाद में धीरे-धीरे कोहरा कम हुआ। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि आज दिल्ली से जाने वाली 65 और दिल्ली आने वाली इतनी ही उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा, दिल्ली आने वाली आठ उड़ानों को दूसरे शहरों में डायवर्ट करना पड़ा।

- रविवार रात दो बजे से सोमवार सुबह 10 बजे तक दृश्यता बहुत कम थी।

उल्लेखनीय है कि कैट-3 की प्रक्रिया के दौरान सिर्फ कैट-3 से लैस विमान और इसके लिए प्रशिक्षित चालक दल के सदस्य ही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के असहाय होने से कानून व्यवस्था चौपट है

वी.आई.पी. हत्याकांड में भी जाँच-पड़ताल नहीं हो पा रही तथा पुलिस, इंटैलिजैंस एजेंसियां आदि केवल एक दूसरे पर जिम्मेवारी थोपने की कोशिश में व्यस्त हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। बांग्लादेश ने शिकायत की है कि एक युवा इस्लामी नेता की हत्या करने वाले लोग भारत के मेघालय राज्य में छिपे हुए हैं। भारत ने बांग्लादेश के इस आरोप को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

शरीफ उस्मान हादी को ढाका में एक बैठक को संबोधित करते समय हमलावरों ने नज़दीक से गोली मारी थी और उनकी हत्या कर दी थी। हादी अवामी लीग के बड़े आलोचक थे और शेख़ हसीना के प्रधानमंत्री रहने के दौरान बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के लिए हुए आंदोलन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस का दावा है कि हादी के हत्यारे सीमा पार कर भारत में घुसे और फिर मेघालय चले गए। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आरोपी इस समय मेघालय के तुरा शहर में रह रहे हैं।

दूसरी ओर, मेघालय पुलिस ने ऐसे किसी भी घटनाक्रम से इनकार किया है और कहा है कि ढाका पुलिस के दावों के विपरीत मेघालय में सीमा पार से आए किसी भी घुसपैठिए को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

- उदाहरण के लिए, शेख हसीना का तख्ता पलटने में अहम् भूमिका निभाने वाले शरीफ उस्मान हादी की सरेआम, गोली मारकर हत्या की गई। पर, पुलिस व इंटैलिजैंस एजेंसियां अजीबोगरीब आरोप लगा रही हैं कि हत्यारा मेघालय (भारत) में भाग कर छुप गया है।
- मेघालय सरकार व बी.एस.एफ. इसे असंभव मानते हैं। उनका कहना है, जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, पुलिस अपने सीसीटीवी कवरेज को क्यों नहीं खंगालती। मेघालय का बॉर्डर 300 किलोमीटर दूर है, ढाका से, किसी भी सीसीटीवी कवरेज में हत्यारा बॉर्डर पार करने से पहले दिख ही जाता।
- कानून व्यवस्था में सुधार तभी होगा, जब चुनाव हो जाएंगे तथा नई सरकार पदभार संभालेगी। पर, अभी तो क्षमता नहीं है, अंतरिम सरकार में, निष्पक्ष चुनाव कराने की।
- पर, अगर चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए तो नई सरकार की विश्वसनीयता संदिग्ध रहेगी तथा वह कानून व्यवस्था स्थापित नहीं कर पाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र का एक और राजनैतिक परिवार एकता की राह पर

चाचा-भतीजा (शरद पवार और अजित पवार) के बीच पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम चुनावों के लिए समझौता हुआ

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। महाराष्ट्र में, चचेरे भाई राज और उद्धव ठाकरे के एकजुट होने के बाद, नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) की चाचा-भतीजा जोड़ी, शरद और अजीत पवार, ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगरपालिका चुनावों में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। ये घटनाक्रम इस पश्चिमी राज्य में राजनीतिक शक्तियों के पुनः संयोजन की ओर इशारा करते हैं, हालांकि इस एकता के साथ एक शर्त भी जुड़ी हुई है। दोनों एनसीपी गुटों ने न तो आपसी विलय का निर्णय लिया है, और न ही एक चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उम्मीदवार अलग-अलग चुनाव चिन्हों पर चुनाव लड़ेंगे, अजीत पवार गुट के लिए "घड़ी" और शरद पवार गुट के लिए "तुतारी" (ट्रम्पैट), तथा सीटें दोनों गुटों में आपसी समझौते के अनुसार आवंटित होंगी।

- इस तालमेल को भावी एकजुटता का पथ प्रदर्शक माना जा रहा है।
- वर्ष 2023 में एन.सी.पी. का विभाजन हो गया था, उसके बाद से पार्टी लगातार कमज़ोर हुई है और पश्चिम महाराष्ट्र में भाजपा का प्रभाव बढ़ा है। शरद पवार व अजित पवार दोनों यह बात जानते हैं और अब हालात बदलना चाहते हैं।
- बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव व राज ठाकरे एक हो गए हैं और इससे प्रेरित होकर शरद पवार व अजित पवार ने भी स्थानीय स्तर पर सीटों का तालमेल किया है। देखना यह है कि क्या यह तालमेल दूर तक जाएगा या चुनाव के साथ खत्म हो जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन राहुल के पड़ोसी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन को इस सप्ताह सीआरपीएफ की ज़ेड प्लस सुरक्षा दी जाएगी।

यह राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष की सुरक्षा को मज़बूत करने की एक नियमित प्रक्रिया है। इस बीच, नितिन नवीन अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पड़ोसी होंगे, क्योंकि सोमवार को उन्हें राहुल गांधी के बंगले के बगल में एक सरकारी बंगला आवंटित किया गया है।

- भाजपा के नए कार्यकारी अध्यक्ष को राहुल गांधी के बगल वाला बंगला आंवटित किया गया, साथ ही उन्हें ज़ैड प्लस सुरक्षा देने की घोषणा भी की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर अपना ही फैसला स्थगित किया, नया एक्सपर्ट पैनल गठित

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस ने मंत्री का इस्तीफा मांगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। खनन से खतरे में पड़े अरावली के इकोसिस्टम को बचाने के लिए जारी संघर्ष के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केन्द्र द्वारा प्रस्तुत अरावली श्रृंखला की नई परिभाषा को स्वीकार करने वाले अपने पहले के आदेश पर स्थगन आदेश दिया। उक्त आदेश में पर्वत श्रृंखला को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक सीमित किया गया था।

वहीं, केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, जो पहले 100 मीटर की परिभाषा के पक्ष में थे, ने इस निर्णय का स्वागत किया, जबकि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर उनका इस्तीफा मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए, अपने पहले के आदेश को रोक दिया तथा अरावली श्रृंखला की परिभाषा की व्यापक समीक्षा के लिए एक नई समिति गठित करने का निर्देश दिया।

एक्टिविस्टों और राजनीतिक नेताओं ने इसका स्वागत किया, लेकिन विपक्ष ने चेतावनी दी कि प्राचीन पर्वत श्रृंखला को बचाने की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक विशेषज्ञ समिति को पहले उस पैनल की सिफारिशों के पर्यावरणीय प्रभाव की जांच करनी चाहिए, जिसने अरावली श्रृंखला को फिर से परिभाषित करने का प्रस्ताव दिया था।

उस समिति ने केवल उन भौगोलिक संरचनाओं को अरावली का हिस्सा मानने का सुझाव दिया था, जो आसपास की भूमि से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची हों, लेकिन आलोचकों का कहना है कि इससे 700 किलोमीटर लंबी पर्वत श्रृंखला के बड़े हिस्से में खनन और अन्य गतिविधियों से पर्यावरणीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने यह आदेश पारित किया, जिसमें न्यायमूर्ति जे.के. महेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसिह भी शामिल थे। यह आदेश अरावली की परिभाषा से संबंधित मुद्दों पर एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान किया गया।

यह मामला व्यापक विरोध और

- चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन मसीह ने अरावली विवाद पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और आदेश दिया।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक्सपर्ट पैनल, पूर्व पैनल द्वारा प्रस्तावित परिभाषा और सुझावों के असर की सूक्ष्म समीक्षा करेगा। ज्ञातव्य है कि पूर्व कमेटी का सुझाव था कि अरावली क्षेत्र में स्थानीय स्तर से 100 मीटर ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली का भाग माना जाए।
- कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, यह सिर्फ अंतरिम जीत है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

घृणा और प्रेम दोनों अंधे होते हैं। –कहावत

न्यायपालिका में डगमगाता विश्वास

गत कुछ समय से भारत की न्यायपालिका बहुत चर्चा में है, किंतु यह चर्चा सही कारणों से नहीं अपितु गलत कारणों से है। देश में जब भी कोई विवाद नहीं सुलझता है तो लोगों को यह कहते हुए देखा जाता है कि–'अदालत में देख लूंगा'। लोगों को यह विश्वास रहता है कि जब और कहीं से न्याय नहीं मिल रहा है तो न्यायालय से मिल ही जाएगा। यह भी कहा जाता है कि न्यायालय के लिए सभी समान हैं, कोई छोटा हो या बड़ा, अमीर हो या गरीब, शक्तिशाली हो या कमजोर।

गत दिनों में जिस प्रकार के निर्णय विभिन्न स्तर के न्यायालयों से आए हैं, उसने इस विश्वास को हिला कर रख दिया है। यह बात भी अब गलत लगती है कि कानून सबके लिए एक समान लागू होता है। जो ताकतवर, अमीर या प्रभावशाली हैं, वे येन-केन-प्रकारेण न्यायालय की सहायता से अपने पक्ष में निर्णय करवाने में सफल हो ही जाते हैं। कार्यपालिका और विधायिका तो वैसे भी सामान्यत: समर्थ और सक्षम लोगों के पक्ष में खड़ी दिखाई देती है। एक न्यायपालिका ही थी, जिससे न्याय की अपेक्षा सामान्य नागरिक को रहती थी, किंतु अब वह भी कम होती दिखाई दे रही है। कानून का लाभ वे ही ले पाते हैं जो पैरवी के लिए महंगे वकील कर सकते हैं। साधारण नागरिक के लिए न्यायालयों में महंगे वकीलों का खर्चा वहन करना संभव ही नहीं है।

हम इस लेख में ऐसे ही कुछ फैसलों का जिक्र करेंगे जिनसे न्यायालय की प्रतिष्ठा पर आघात लगा है।

सर्वाधिक चर्चित मामला उत्तर प्रदेश के उन्नाव के तत्कालीन भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर का है। सेंगर को न्यायालय द्वारा नाबालिग लड़की के बलात्कार का दोषी मानकर आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपील में इस सजा को निलंबित कर दिया है । अधीनस्थ न्यायालय द्वारा कुलदीप सिंह सेंगर को 2019 में आजीवन कारावास की सजा दी गई थी । यह सजा पोक्सो कानून के अंतर्गत दोषी सिद्ध होने के बाद दी गई थी। कुलदीप सिंह सेंगर ने एक 17 वर्षीय नाबालिग़ बालिका को नौकरी देने का लालच देकर न केवल उसका बलात्कार किया अपितु उसका विरोध करने पर अपने साथियों से उसका गैंगरेप भी करवाया। यूपी पुलिस ने एफ आई आर में कुलदीप सिंह सेंगर का नाम लिखने से इनकार किया तो इस बालिका ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आवास के समक्ष आत्मदाह का प्रयास तक किया।

इसके पिता को थाने में बंद कर उसकी इतनी पिटाई की गई कि उसकी मौत ही हो गई। तब पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा कि उसके प्रकरण को उत्तर प्रदेश के बाहर किसी दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाय और जांच सीबीआई को सौंप दी जाए। सीबीआई ने जांच करने के बाद सेंगर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की और जांच के बाद सेंगर को बलात्कार का दोषी माना। जब पीड़िता सड़क मार्ग द्वारा दिल्ली जा रही थी तो उसकी दुर्घटना कर दी गई जिसमें उसकी दो मौसियो की मृत्यु हो गई और वह स्वयं भी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका इलाज एम्स में चला। यह तो पीड़िता की हिम्मत ही थी कि वह अपने बयान पर अड़ी रही और लगातार संघर्ष करती रही। मीडिया के समर्थन और उसके संघर्ष का ही परिणाम था कि 2019 में कुलदीप सिंह सेंगर को बलात्कार के आरोप में आजीवन कारावास की सजा हुई। इसकी अपील दिल्ली उच्च न्यायालय में की गई। पीड़िता के पति को अभी भी कई प्रकार से प्रताड़ित किया जा रहा है। आश्चर्यजनक रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर की सजा इस आधार पर निलंबित कर दी कि वह 7 वर्ष से अधिक जेल में रह चुका है और वह लोक सेवक नहीं था, इसलिए उसे 'एग्रेवेटेड ऑफेंस' के लिए निर्धारित 20 वर्ष की सजा नहीं दी जा सकती। यह उल्लेखनीय है कि पोक्सो कानून के अंतर्गत लोक सेवक अथवा किसी "पर्सन ऑफ ट्रस्ट एंड ऑथोरिटी" द्वारा अपराध किए जाने पर सजा 7 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष की होती है। सेंगर को दिल्ली उच्च न्यायालय ने न प्रभावशाली व्यक्ति माना और न लोक सेवक। यह कितना विचित्र है कि विधायक पर दया करते हुए उसकी सजा दिल्ली उच्च न्यायालय ने निलंबित कर दी। स्पष्ट है, न्यायालय को सेंगर जैसे बलात्कारी और हत्यारे व्यक्ति को राहत देना अधिक उचित लगा बजाय पीड़िता को न्याय देने के।

दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले की सर्वत्र आलोचना हो रही है और इसे न्याय के विरुद्ध माना जा रहा है। पहले तो सीबीआई ने इसके विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की बात नहीं कही, किंतु जैसे ही पीड़िता एवं उसकी मां से राहुल गांधी मिले एवं जन आक्रोश बढ़ता गया तो फिर सीबीआई ने रातों-रात इसकी अपील उच्चतम न्यायालय में दाखिल कर दी। अब यह देखना है कि सुप्रीम कोर्ट दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को बदलता है अथवा नहीं। पीड़िता ने तो यहां तक कहा है कि यदि सेंगर को जेल से बाहर रखा जाता है तो उसे सुरक्षा की दृष्टि से जेल भेज दिया जाए। लगभग सभी पूर्व न्यायाधीशों और न्यायविदों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के इस फैसले को कानून का मखौल बताया है । उनके अनुसार पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत जिस कड़ी सजा का प्रावधान किसी "पर्सन ऑफ अथॉरिटी एंड ट्रस्ट" के लिए किया गया था, वह सेंगर पर पूरी तरह लागू होता है, अत: उसे "एग्रेवेटेड ऑफेंस" की सजा ही मिलनी चाहिए।

जब पीड़िता, उसकी मां एवं उनकी महिला वकील उच्च न्यायालय के इस फैसले के विरुद्ध दिल्ली के इंडिया गेट पर ठंड में प्रदर्शन करने हेतु बैठे, तो उन्हें वहां से पुलिस द्वारा जबरन घसीट कर हटा दिया गया। प्रधानमंत्री के नारे "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" का क्या हश्र कार्यपालिका और न्यायपालिका मिलकर कर रहे हैं, यह इस उदाहरण से स्पष्ट होता है। कहा तो यह जा रहा है कि कि प्रधानमंत्री के 'बेटी बचाओ' नारे का मतलब ही यह है कि बेटियों को नेताओं से बचा कर रखा जाए।

गत कुछ निर्णयों से तो ऐसा संदेश न्यायपालिका से जा रहा है कि यदि अपराधी प्रभावशाली और ताकतवर है तो कानून उसे बच निकलने के कई रास्ते प्रदान करता है और ऐसा करने में न्यायपालिका भी सहायता करती है। इससे पहले कि यह डगमगाता विश्वास बिल्कुल समाप्त हो जाए, न्यायपालिका को स्वयं आत्मावलोकन कर सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए ताकि वह संविधान सम्मत जनाकांक्षा के अनुरूप काम कर सके।

एक ओर, जहां सेंगर जैसे बलात्कारी को जमानत देने का आदेश हुआ है वहीं दूसरी ओर सोनम वांगचुक जैसे पर्यावरण विद् और सामाजिक कार्यकर्ता को महीनों के बाद भी बिना किसी ट्रायल के और बिना किसी सजा के जमानत नहीं मिली है । इसी प्रकार जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उमर खालिद को 5 वर्ष से अधिक जेल में हो चुके हैं किंतु अभी तक ट्रायल भी प्रारंभ नहीं हुई । पहली बार उसको बहन की शादी में भाग लेने हेतु 15 दिन की जमानत मिली है। इसके विपरीत, राम रहीम, जो हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है उसे अब तक 14 बार पैरोल मिल चुकी है। यह केवल संयोग नहीं है कि जब-जब भी हरियाणा में कोई चुनाव होते हैं इसे पैरोल मिल जाती है । इसी प्रकार बलात्कारी आसाराम भी आजकल 6 महीने के लिए जेल से बाहर है। यह विडंबना ही है कि सत्ताधारी दल, अपने राजनीतिक लाभ के लिए राम रहीम जैसे बलात्कारी और हत्यारे का उपयोग करने से भी नहीं चूकता। जब दोष सिद्ध बलात्कारियों और हत्यारों को न्यायालय द्वारा जमानत दी जा रही है तो फिर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक एवं शोध छात्र खालिद की बिना ट्रायल के जमानत न होना, न्यायालयों के एक पक्षीय व्यवहार का प्रमाण प्रस्तुत करता है।

रिश्वत के मामले में किसी भी कर्मचारी को पकडे जाने पर उसे गिरफ्तार किया जाता है और उसके विरुद्ध कार्रवाई भी की जाती है, किंतु दिल्ली उच्च न्यायालय के ही न्यायाधीश वर्मा के घर से जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बावजूद अब तक उनके विरुद्ध कुछ कार्रवाई नहीं हुई है । प्रयास यही है कि जैसे-तैसे उन्हें बचाया जाए। ऐसा करके न्यायपालिका ने अपनी प्रतिष्ठा में कोई वृद्धि नहीं की है।

19 मई, 2024 को पुणे में एक 17 वर्षीय रईस जादे ने शराब के नशे में बिना लाइसेंस के तेज गति से महंगी पोर्श गाडी चलाकर आईटी क्षेत्र में कार्यरत दो युवाओं को मार डाला था। वे मोटर साइकिल पर थे। न्यायालय ने उसे नाबालिग मानकर सुधार गृह भेज दिया और उसे सड़क सुरक्षा पर एक लेख लिखने के लिए कहा। जिस अमीर परिवार के व्यक्ति ने तेज गति से गाड़ी चलाकर दो युवाओं को मौत के घाट उतार दिया, उसके प्रति इस प्रकार की उदारता न्यायालय की मंशा पर संदेह उत्पन्न करता है ।

दिनांक 23 नवंबर, 2025 को भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की खंडपीठ ने अरावली पर्वत श्रृंखला के संबंध में जो निर्णय दिया, उसने पूरी अरावली पर्वतमाला को ही संकट में डाल दिया है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली का भाग मानने से ही इनकार कर दिया । यह फैसला तब दिया गया जबकि इसी प्रकरण में माननीय उच्चतम न्यायालय के 'एमिकस क्यूरी' का स्पष्ट मत इसके विरुद्ध था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से अरावली पर्वत श्रृंखला को सुरक्षा का जो कवच उपलब्ध था, वह हटा लिया गया है । इस फैसले के विरुद्ध तीव्र जन आंदोलन प्रारंभ हो गया है और संभवतया इसी को देखते हुए ही सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर से समीक्षा हेतु स्वप्रेरित संज्ञान अपने स्तर पर ले लिया है। यह उल्लेखनीय है की न्यायमूर्ति गवई ने यह आदेश अपनी सेवानिवृत्ति से केवल 3 दिन पूर्व ही दिया था। यदि 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही सुरक्षा दी जाएगी तो क्या पहाड़ियों के बीच वाली जो 100 मीटर से कम की पहाड़ियां हैं, उनको नष्ट करने की अनुमति सरकार द्वारा दे दी जाएगी? ऐसा करके न्यायालय ने रियल एस्टेट बिल्डर और खनन माफिया को हजारों करोड़ कमाने की छूट प्रदान कर दी है। स्पष्ट है, इस प्रकार का निर्णय न्याय के आधार पर तो नहीं ही दिया गया है। उच्चतम न्यायालय के इस फैसले से पूरे देश में बवाल हो गया है और सभी पर्यावरण विद् इसके विरोध में आंदोलन तेज कर रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अरावली पर्वत श्रृंखला का 90 प्रतिशत भाग राजस्थान के 11 जिलों में स्थित है एवं शेष में से कुछ गुजरात में और कुछ हरियाणा में है। कहा जाता है कि हरियाणा के एक जिले में ही इस प्रकार की छूट से बिल्डरों को लगभग 40000 करोड़ का लाभ होना अनुमानित है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि निर्णय देते समय क्या माननीय न्यायाधीशों के मन में यह विचार नहीं आया कि उनके निर्णय से पर्यावरण का कितना नुकसान हो जाएगा? लाखों-करोड़ों वर्ष में पर्वत श्रृंखलाओं का निर्माण होता है और अरावली जैसी पर्वत श्रृंखला राजस्थान में मरुस्थलीकरण को रोकने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है । उनको नष्ट करने का रास्ता साफ करना लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ ही कहा जाएगा। न्यायपालिका का उत्तरदायित्व केवल और केवल संविधान के प्रति है, किंतु शायद वह भी सरकार को नाराज नहीं करना चाहती है। इसलिए वे कई बार कार्यपालिका के पक्ष में निर्णय देते हुए दिखाई देते हैं । न्याय, न केवल होना चाहिए अपितु दिखाई भी देना चाहिए, ऐसा कई बार कहा जाता है, किंतु आजकल न्याय हो ही कम रहा है, इसलिए दिखाई देने का तो प्रश्न ही नहीं है। जब कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों आम जन के हित के विरुद्ध काम करना प्रारंभ कर दें तो लोकतंत्र में सर्वोच्च सत्ता प्राप्त आम जन, अपने संविधान सम्मत अधिकारों की रक्षा के लिए कहां जाएगा? समय आ गया है जब न्यायपालिका को अपने स्वयं के भीतर झांक कर देखना होगा कि उसकी छवि नागरिकों में किस प्रकार से गिरती जा रही है? समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो फिर इस गिरती साख को बचाना बहुत कठिन हो जाएगा । न्यायपालिका में सुधार का कार्य जितने प्रभावी तरीके से न्यायपालिका स्वयं कर सकती है उतना शायद दूसरे अंग नहीं कर पाएंगे। यदि न्यायपालिका खुद अपना सुधार नहीं करेगी तो फिर वह एक प्रकार से कार्यपालिका और विधायिका को अपने क्षेत्राधिकार में दखल देने के लिए आमंत्रण देने जैसा होगा।

जब जनता का विश्वास न्यायपालिका में कम होगा तो जनता भी फिर उनके साथ खड़ी होने से कतराएगी। ऐसी स्थिति न न्यायपालिका के लिए अच्छी होगी और न देश में लोकतंत्र के भविष्य के लिए।

गत कुछ निर्णयों से तो ऐसा संदेश न्यायपालिका से जा रहा है कि यदि अपराधी प्रभावशाली और ताकतवर है तो कानून उसे बच निकलने के कई रास्ते प्रदान करता है और ऐसा करने में न्यायपालिका भी सहायता करती है।

इससे पहले कि यह डगमगाता विश्वास बिल्कुल समाप्त हो जाए, न्यायपालिका को स्वयं आत्मावलोकन कर सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए ताकि वह संविधान सम्मत जनाकांक्षा के अनुरूप काम कर सके।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

अरावली दीर्घकालिक पारिस्थितिक संरक्षण की ओर बढ़ते कदम

राजस्थान में अरावली संरक्षण पर सख़्ती और हरियाली के संकल्प पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है

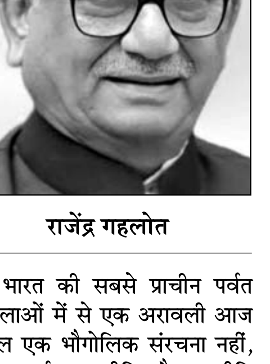

राजेंद्र गहलोत

भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक अरावली आज केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं, बल्कि पर्यावरण, नीति और राजनीति के संगम पर खड़ी है। विगत दिनों अरावली को लेकर जिस तरह के आरोप, आशंकाएं और बयान सामने आए हैं, उन्होंने इस अत्यंत संवेदनशील विषय को तथ्यों से अधिक राजनीतिक विमर्श का केंद्र बना दिया है। जबकि वास्तविकता यह है कि अरावली से जुड़े सभी नीतिगत निर्णय सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट, लिखित और बाध्यकारी आदेशों के अंतर्गत लिए गए हैं और उनका मूल उद्देश्य दीर्घकालिक पारिस्थितिक संरक्षण है।

लगभग दो अरब वर्ष पुरानी अरावली पर्वतमाला दिल्ली से गुजरात तक करीब 650 किलोमीटर में फैली हुई है। यह इंडो-गंगा के मैदानों को मरुस्थलीकरण से बचाने वाली प्राकृतिक ढाल है और थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर बढ़ते प्रभाव को रोकती है। जलवायु संतुलन, जैव विविधता, भूजल पुनर्भरण और चंबल, साबरमती व लूनी जैसी नदियों के स्रोत के रूप में इसकी भूमिका निर्विवाद है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने अरावली को केवल खनन या विकास का विषय न मानकर राष्ट्रीय पारिस्थितिक संपदा के रूप में देखा है।

खनन की विरासत और नियंत्रण की आवश्यकता

अरावली क्षेत्र खनिज संसाधनों से समृद्ध रहा है और दशकों तक यहां खनन गतिविधियां चलीं। लेकिन बीते चार दशकों में अत्यधिक और अवैध खनन ने वायु प्रदूषण बढ़ाया, भूजल स्तर गिराया और पारिस्थितिक संतुलन को गहरी चोट पहुंचाई। इसी पृष्ठभूमि में 1990 के दशक से पर्यावरण मंत्रालय ने खनन को सीमित करने के प्रयास शुरू किए। 2009 में हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ण प्रतिबंध लगाया और मई 2024 में नए खनन पट्टों व नवीनीकरण पर रोक लगाई गई। यह स्पष्ट करता है कि न्यायिक और नीतिगत रुख समय के साथ अधिक सख़्त और संरक्षण का होता गया है।

अरावली विवाद की जड़ लंबे समय तक असंगत परिभाषाएं रहीं।अलग-अलग राज्यों और संस्थानों द्वारा अलग मानक अपनाए जाने से न केवल भ्रम फैला, बल्कि अवैध खनन को भी बढ़ावा मिला। इस स्थिति को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार की पहल पर पर्यावरण मंत्रालय, भारतीय वन सर्वेक्षण, राज्य वन विभागों, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और विशेषज्ञों को शामिल कर संयुक्त समिति गठित की गई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस समिति की रिपोर्ट पर विचार कर 20 नवंबर 2025 को अंतिम निर्णय दिया गया। इसका उद्देश्य अस्पष्टताओं का अंत और एक वैज्ञानिक, एकरूप ढांचे की स्थापना था।

कुछ राजनीतिक बयानों में यह आरोप लगाया गया कि केंद्र सरकार ने अरावली को 100 मीटर में समेट दिया। यह आरोप न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को राजनीतिक रंग देने का प्रयास भी है। वास्तविकता यह है कि 100 मीटर की सीमा कोई नई खोज नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2005 को 100 मीटर से अधिक ऊंचाई को हिल मानने का मानक तय किया था।

यह तथ्य भी रेखांकित होना चाहिए कि 100 मीटर फार्मूले को नीतिगत रूप से पहली बार 2003 में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार ने ही दिया। अब यह तय किया गया है कि 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियां और उनसे 500 मीटर के दायरे में आने वाले सभी लैंड फॉर्म्स एक संरक्षित श्रृंखला माने जाएंगे। इस 500 मीटर जोन में आने वाले सभी भूआकृतिक ढांचे (उनकी ऊंचाई या ढलान चाहे जो भी हो) खनन से पूरी तरह बाहर रहेंगे। इसलिए यह कहना कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में खनन खोल दिया गया है, सरासर भ्रामक है।

यह भी तथ्यहीन दावा है कि 90 प्रतिशत अरावली समाप्त हो गई। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अरावली का 98 प्रतिशत भाग सुरक्षित है। लगभग 25 प्रतिशत क्षेत्र अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान और आरक्षित वन में आता है, जहां खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है।

कुल अरावली क्षेत्र में से केवल 2 से 5.6 प्रतिशत क्षेत्र ही सीमित और नियंत्रित खनन के दायरे में आता है। राज्य सरकार के आकलन के अनुसार अरावली क्षेत्र का लगभग 58 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित, करीब 11 प्रतिशत वन क्षेत्र, और 2 से 3 प्रतिशत अन्य संरक्षित श्रेणियों में शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने स्पष्ट सिफारिश की है कि जब तक इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन द्वारा अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं हो जाती, तब तक कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा। इस योजना में यह तय होगा कि कहां खनन पूरी तरह वर्जित रहेगा, कहां सीमित अनुमति संभव है और किन क्षेत्रों में पुनर्बहाली प्राथमिकता होगी। यह दृष्टिकोण बताता है कि सरकार का उद्देश्य खनन को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक नियंत्रण स्थापित करना है।

राजस्थान में अरावली संरक्षण पर सख़्ती और हरियाली के संकल्प पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अवैध खनन ने वर्षों तक पहाड़ियों को छलनी किया, जल स्त्रोतों और जन-जीवन को नुकसान पहुंचाया। गत दो वर्षों में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि अरावली के प्रश्न पर अब अस्पष्टता और ढिलाई का दौर समाप्त हो चुका है। सरकार ने 20 जिलों में अवैध खनन के विरुद्ध सघन कार्रवाई की, जिनमें 15 जिलों में विशेष अभियान चलाए गए। खनन मशीनों की जब्ती, वाहनों को सीज करना, प्रकरण दर्ज करना और कठोर दंड, यह संदेश देता है कि कानून अब चयनात्मक नहीं, सर्वव्यापी होगा।

सरकार की नीति केवल प्रतिबंध तक सीमित नहीं है। अरावली क्षेत्र के संरक्षण और विकास के लिए 250 करोड़ की योजना लागू की गई है, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, हरियाली विस्तार और पारिस्थितिक संतुलन को मजबूत करना है। यह एक ऐसा मॉडल प्रस्तुत करता है जिसमें कठोर नियंत्रण और सकारात्मक पुनर्निर्माण साथ-साथ चलते हैं।

यह भी एक सच्चाई है कि 2002-03 के दौरान स्वीकृत लगभग 700 खदानों ने अरावली को भारी क्षित पहुंचाई। वर्तमान सरकार इस विरासत से इनकार नहीं करती, बल्कि दावा करती है कि आज की नीति उस अतीत को दोहराने की नहीं, बल्कि उससे सबक लेने की है। यह स्वीकार्यता राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह समस्या को छिपाने के बजाय समाधान की ओर बढ़ने का संकेत देती है।

सरकार की दीर्घकालिक सोच का प्रमाण जून 2025 में शुरू की गई 'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना है। चार राज्यों के 29 जिलों में 5 किलोमीटर के बफर क्षेत्र में हरियाली बढ़ाकर 2030 तक करोड़ों हेक्टेयर बंजर भूमि की बहाली का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल बताती है कि सरकार अरावली को केवल बचाने नहीं, बल्कि पुनर्जीवित करना चाहती है।

अरावली प्रकरण में वास्तविक संघर्ष पर्यावरण और विकास के बीच नहीं, बल्कि तथ्य और भ्रम के बीच है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय, केंद्र की नीति और राजस्थान में की जा रही सख़्त कार्रवाई यह स्पष्ट करती है कि अरावली के संरक्षण से कोई समझौता नहीं किया गया है। इसके विपरीत, वर्षों से चली आ रही अस्पष्टताओं को समाप्त कर एक वैज्ञानिक, न्यायिक और जवाबदेह ढांचा स्थापित किया गया है।

–राजेंद्र गहलोत,
सदस्य राज्यसभा

अरावली के लिए न्याय

अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की ऊंचाई की कौन सी परिभाषा अरावली की रक्षा करेगी, यह सिर्फ़ डेटा और आँकड़े ही बताएँगे, जिसका आकलन सर्वे और मैपिंग के बाद ही किया जा सकता है

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

हाल ही में अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश चुनिंदा व्याख्या का शिकार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 के आदेश के तहत सात निर्देश जारी किए हैं। पहला निर्देश अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की एक समान परिभाषा से संबंधित है, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के 9 मई 2024 के आदेश के बाद गठित एक समिति द्वारा प्रस्तुत किया गया था। अरावली पहाड़ियां: ऐसी कोई भी जमीन जिसकी ऊंचाई स्थानीय भू-भाग (जमीन) से 100 मीटर या उससे अधिक हो, अरावली रेंज (पर्वतमाला): यदि दो या उससे अधिक ऐसी पहाड़ियां 500 मीटर के दायरे में हैं, तो उन्हें एक ही पहाड़ियों का समूह माना जाएगा) दूसरा समिति की रिपोर्ट के अनुसार खनन पर रोक से संबंधित है।

तीसरा अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं में अवैध खनन को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों से संबंधित है। चौथा निर्देश सस्टेनेबल माइनिंग के लिए प्रबंधन योजना (एमपीएसएम) के बारे में बात करता है। दिलचस्प बात यह है कि सरंडा वन्यजीव अभयारण्य के लिए आदेश दिनांक 13 नवम्बर 2025 द्वारा एमपीएसएम के निर्देश दिए हैं ।

किसी भी प्रकार की अस्पष्टता से बचने के लिए, एमपीएसएम के दायरे को अदालत द्वारा परिभाषित किया गया है जैसे एमपीएसएम को अरावली परिदृश्य के भीतर खनन के लिए अनुमेय क्षेत्रों, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील, संरक्षण-महत्वपूर्ण और बहाली प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए जहां खनन पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाएगा या केवल असाधारण और वैज्ञानिक रूप से उचित परिस्थितियों में ही अनुमति दी जाएगी। एमपीएसएम में संचयी पर्यावरणीय प्रभावों और क्षेत्र की पारिस्थितिक वहन क्षमता का गहन विश्लेषण शामिल होगा और इसमें खनन के बाद बहाली और पुनर्वास के विस्तृत उपाय शामिल होंगे।

पांचवां निर्देश, जो फैसले के महत्वपूर्ण परिचालन भाग को रेखांकित करता है, एमपीएसएम को अंतिम रूप दिए जाने तक नए खनन पट्टों पर पूर्ण प्रतिबंध है। छठा निर्देश, स्पष्ट रूप से कहता है कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (ICFRE) के परामर्श से एमपीएसएम को अंतिम रूप दिए जाने के बाद खनन केवल वहीं अनुमेय होगा जहां स्थिरता मानकों को पूरा किया जाता है। अंतिम निर्देश मौजूदा खनन गतिविधियों से संबंधित है जिन्हें विशेष समिति की रिपोर्ट की सिफारिश के अनुसार अनुमति दी जाएगी।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं की चिंता यह है कि अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की नई परिभाषा से राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, एनसीआर और उत्तरी भारत के प्रभावित इलाकों में जंगल कटाई और रेगिस्तान बढ़ने लगेगा। सुप्रीम कोर्ट के सामने कोई कानूनी सवाल नहीं था जिस पर फैसला किया जाए। कोर्ट के पास फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया और कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर दो ऑप्शन थे। कमेटी ने अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की ऊंचाई तय करने के लिए रिचर्ड मर्फ़ी लैंडफॉर्म क्लासिफिकेशन को अपनाया। जबकि फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआइ) की 19 फरवरी 2010 को सबमिट की गई रिपोर्ट में, अन्य बातों के अलावा, अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की ऊंचाई तय करने के लिए तीन डिग्री से ज़्यादा ढलान को शामिल किया गया है। एमिकस क्यूरी ने एफएसआइ रिपोर्ट का समर्थन किया। जबकि भारत सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने इस आधार पर एफएसआइ रिपोर्ट का विरोध किया कि अरावली पहाड़ियों और श्रृंखलाओं से एक बड़ा क्षेत्र बाहर रखा गया है। दूसरी ओर, यदि समिति की रिपोर्ट को मंजूरी मिल जाती है, तो अरावली पहाड़ियों और श्रृंखलाओं की परिभाषा में बड़ा क्षेत्र शामिल हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने समिति के काम की सराहना की, लेकिन कहा कि एफएसआइ को सारंडा की तर्ज पर किया जाना चाहिए। रिट याचिका, एक निरंतर परमादेश होने के कारण, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियमित निगरानी में है। 20 नवंबर 2025 का आदेश एक ऐसा आदेश है जिसमें भविष्य में, यदि आवश्यकता पड़ी तो, संशोधन किया जा सकता है। पर्यावरण से संबंधित सभी मुदों को पब्लिक ट्रस्ट सिद्धांत के अनुसार निपटाया जाता है। सिर्फ़ एफएसआइ पूरा होने पर ही एफएसआइ पैरामीटर द्वारा किए गए दावों की असलियत और एक्सपर्ट कमेटी द्वारा सुझाए गए परिभाषा के असर का पता चलेगा। अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की ऊंचाई की कौन सी परिभाषा अरावली की रक्षा करेगी, यह सिर्फ़ डेटा और आँकड़े ही बताएँगे, जिसका आकलन सर्वे और मैपिंग के बाद ही किया जा सकता है। इसके बाद कोर्ट फैसला करेगा और अरावली को न्याय देगा। जो भी हो, एफएसआइ पूरा होने तक खनन पूरी तरह से प्रतिबंधित है। चल रही बहस ने अवैध माइनिंग को रोकने का काम सौंपे गए एनफोर्समेंट एजेंसियों की नाकामी के मुद्दे को छिपा दिया है।

कानूनी न्यायशास्त्र का मूल सिद्धांत कि न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए, निर्णय में गायब है। अरावली मामले के लिए यह कानूनी दृष्टिकोण हितधारकों में विश्वास पैदा करेगा। साथ ही, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा फैसले सुनाए जाने के बाद टिप्पणी करने की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए श्रृंखलाओं की ऊंचाई की परिभाषा तय करने का काम एक्सपर्ट कमेटी का है, लेकिन अरावली मामले में कोर्ट द्वारा अप्रूवल की प्रक्रिया ने फैसले को विधायिका की भूमिका में खड़ा कर दिया न्यायिक संयम की आवश्यकता है जैसे कि अरावली मामले और अयोध्या मामले में देखा गया है। यह एक स्थापित सिद्धांत है कि फैसले के लेखक को फैसला सुनाए जाने के बाद अदृश्य हो जाना चाहिए।

शक्तियों का पृथक्करण और न्यायिक समीक्षा भारत के संविधान के मूल संरचना सिद्धांत का हिस्सा हैं। हालांकि अरावली पहाड़ियों और पर्वत है । इसलिए, अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की ऊंचाई की परिभाषा और मापदंडों के खिलाफ विरोध का मतलब है न्यायपालिका संस्था पर ही विश्वास खो देना। आखिर में, जनहित याचिका के फैसले के लिए विस्तृत आदेश का ड्राफ्टिंग ज़रूरी है। आदेश की बेहतर ड्राफ्टिंग से मौजूदा सामाजिक अशांति, पैदा किया गया प्रायोजित भ्रम और बेबुनियाद आरोपों से बचा जा सकता था।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

राशिफल मंगलवार 30 दिसम्बर, 2025

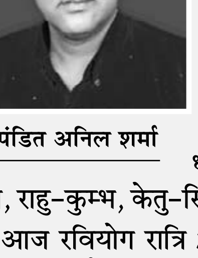

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र रात्रि 3:58 तक, सिद्ध योग रात्रि 1:02 तक, गर करण प्रात: 7:52 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 3:58 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 3:58 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 6:26 से बुधवार प्रात: 1:01 तक रहेगी। आज सूर्य पूजा और शाम्ब दशमी है। आज पुत्रदा एकादशी व्रत स्मार्तों का है। आज एकादशी तिथि का क्षय हुआ है। आज से मेला उर्स समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:54 से 11:12 तक, लाभ-अमृत 11:12 से 1:47 तक, शुभ 3:04 से 4:22 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:39 तक

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

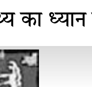

वृष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय मित्रों/रिश्तेदारों के कारण खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

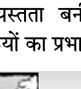

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

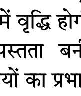

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

सिंह

धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

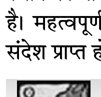

तुला

धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

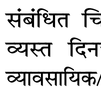

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

मकर

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। पारिवारिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

कुंभ

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

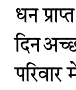

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

आर्मी-डे परेड में लडाकू विमान, टैंक और मिसाइलों का प्रदर्शन होगा : भजनलाल शर्मा

पहली बार सैन्य क्षेत्र के बाहर होगी आर्मी परेड का आयोजन : मुख्यमंत्री

- जयपुर के जगतपुरा में 15 जनवरी को होगी मुख्य परेड तथा 9, 11 व 13 जनवरी को रिहर्सल
- भारतीय सेना प्रत्येक देशवासी का गर्व और अभिमान : भजनलाल शर्मा
- शौर्य संध्या में ऑपरेशन सिंदूर पर लाइट एंड साउंड शो तथा ड्रोन शो होगा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को 78वें सेना दिवस पर आयोजित होने वाली परेड और अन्य आयोजनों की तैयारियों के संबंध में बैठक की अध्यक्षता की। इस मौके पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, डीजीपी राजीव शर्मा सहित राज्य सरकार एवं सेना के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना प्रत्येक देशवासी का गर्व और अभिमान है। सेना के पराक्रम, त्याग और बलिदान के कारण ही हम सभी सुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि आर्मी डे परेड का आयोजन न सिर्फ जयपुर, बल्कि पूरे राजस्थानवासियों के लिए जवानों की अटूट राष्ट्रभक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है।

उन्होंने कहा कि पहली बार सैन्य छावनी की सीमाओं से बाहर आर्मी डे परेड का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन जयपुर में होने जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि जगतपुरा में महल रोड पर 15 जनवरी को होने जा रही इस परेड के आयोजन में प्रदेशवासी अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों, ताकि वे सेना की वीरगाथा के बारे में और अधिक जान सके। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में 78वें सेना दिवस पर आयोजित होने वाली परेड और अन्य आयोजनों की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में सेना के अधिकारियों ने सेना दिवस पर होने वाले विभिन्न आयोजनों के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 जनवरी को मुख्य परेड का आयोजन होगा, जिसमें जबकि 9, 11 व 13 जनवरी को भी आमजन इसकी रिहर्सल देख सकेंगे। प्रत्येक दिन लगभग डेढ़ लाख लोग इस भव्य परेड के साक्षी बनेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक दिन स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों, नारी शक्ति, पूर्व सैनिकों सहित आमजन को परेड दिखाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परेड का आयोजन सुव्यवस्थित रूप से करने के लिए अधिकारी सेना के साथ समन्वय बनाते हुए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें।

यह आयोजन भारतीय सेना और नागरिकों के बीच विश्वास, जुड़ाव और सम्मान के रिश्ते को और मजबूत करेगा। इस परेड में लडाकू विमानों और हेलीकॉप्टर्स की फ्लाई-पास्ट टुकड़ियों का मार्च, मिसाइल व टैंकों, ड्रोन तकनीक और आधुनिक युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। परेड में नेपाल आर्मी बैंड भी हिस्सा लेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्मी परेड के अवसर पर एसएमएस स्टेडियम में 15 जनवरी को "शौर्य संध्या 2026" का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले 10 जनवरी को इस आयोजन का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इस दौरान फर्स्ट डे कवर का विमोचन, शहीदों के परिजनों का सम्मान, परंपरागत युद्ध कलाओं के प्रदर्शन के साथ ही ऑपरेशन सिंदूर का भव्य लाइट एंड साउंड शो आयोजित किया जाएगा। आधुनिक तकनीक के साथ 1000 ड्रोन्स का शो भी होगा। उन्होंने कहा कि 8 से 12 जनवरी 2026 तक "नो योर आर्मी" प्रदर्शनी का आयोजन सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन कॉलेज परिसर में किया जाएगा। प्रदर्शनी के दौरान आम नागरिकों को सेना की आधुनिक हथियार प्रणालियों और रक्षा तकनीक को नज़दीक से देखने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य रूप देने के लिए अधिकारी सभी जरूरी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने परेड स्थल पर अतिथियों और आमजन की बैठने की व्यवस्था, परिवहन, यातायात और पार्किंग व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित राज्य सरकार एवं सेना के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

पडौसी ने जहर देकर युवती की हत्या की

दुष्कर्म केस वापस लेने के लिए पीड़िता पर बना रहा था दबाव

- करधनी थाना पुलिस ने मृतका के भाई की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है

जयपुर। करधनी इलाके में दुष्कर्म के एक मामले से बचने के लिए शातिर युवक द्वारा युवती की जहर देकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती को मिलने का झांसा देकर अकेले में बुलाया और धोखे से जहर खिला दिया। उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई। पीड़ित भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पडौसी युवक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतका के भाई ने बताया कि उसकी 25 वर्षीय बहन झुंझुनूं में रहती थी और 13 अक्टूबर को नौकरी के सिलसिले में जयपुर आई थी। गत 14 अक्टूबर को दोपहर में बहन ने फोन कर उसे तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल बुलाया। अस्पताल पहुंचने पर युवती गंभीर हालत में भर्ती मिली, जबकि वहीं गांव का रहने वाला एक युवक मौजूद था। पूछताछ में युवक ने खुद को किसी काम से सिंधी कैंप आना बताया और कहा कि युवती के बुलाने पर वह वहां पहुंचा है। उसने दावा किया कि युवती ने खुद जहर खा लिया है। भाई ने युवती के होश में आने पर उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि आरोपी युवक ने मिलने का बहाना बनाकर बुलाया और धोखे से जहर खिला दिया। इलाज के दौरान 15 अक्टूबर की सुबह करीब साढ़े चार बजे युवती ने दम तोड़ दिया।

पिता से मिलने के बहाने आता था, बनाया अश्लील वीडियो

पीड़ित भाई का आरोप है कि गांव की जान-पहचान के चलते आरोपी उसके पिता से मिलने के बहाने घर आता-जाता था। इसी दौरान उसने युवती के अकेलेपन का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद वह लगातार ब्लैकमेल करने लगा। परेशान होकर युवती ने झुंझुनूं में आरोपी के खिलाफ ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया था।

आरोप है कि इसी केस को वापस लेने के लिए आरोपी युवती पर दबाव बना रहा था और जान से मारने की धमकियां दे रहा था। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ हत्या सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गहन जांच की जा रही है।

नववर्ष पर कानून व्यवस्था को लेकर होटल, बार संचालकों के साथ पुलिस की बैठक

जयपुर। नववर्ष की पूर्व संध्या एवं नववर्ष के अवसर पर जयपुर शहर में शांति-सुरक्षा एवं बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष पुलिस कमिश्नर राहुल प्रकाश एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून व्यवस्था) राजीव पचार ने पुलिस कमिश्नरेट में जयपुर शहर के होटल, रेस्टोरेंट एंड बार संचालकों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की।

बैठक के दौरान विशेष पुलिस कमिश्नर राहुल प्रकाश ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम करें। इसके साथ ही सीसीटीवी दुरुस्त रख कर महिला सुरक्षाकर्मी भी नियोजित करें। वहीं डीजे माइक का उपयोग नियमानुसार ही करें। इसके अलावा हुक्का बार पर प्रतिबंध की पूर्ण पालना करें।

राहुल प्रकाश ने कहा कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर शराब के सेवन के पश्चात वाहन चलाने की घटनाओं में वृद्धि की संभावना होती है। जिससे सड़क दुर्घटनाओं की गंभीर आशंका बनी रहती है। ड्रिंक एंड ड्राइव के कारण न केवल चालक, बल्कि अन्य नागरिकों के जीवन को भी खतरा उत्पन्न होता है। ऐसे में सड़क सुरक्षा एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग के साथ-साथ होटल,रेस्टोरेंट एंड बार संचालकों की भी नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी बनती है कि वे इस दिशा में सहयोग करें।

उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक होटल,रेस्टोरेंट एवं बार अपने मेहमानों-आगंतुकों को प्रतिष्ठान से लौटते समय बिल के साथ 3 3 इंच आकार की गुलाबी रंग की स्लिप उपलब्ध कराएंगे। जिस पर स्पष्ट रूप से शराब पीकर वाहन न चलाएं का संदेश अंकित होगा।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक होटल, रेस्टोरेंट एवं बार परिसर के अंदर एवं बाहर चार-चार 2 से 2.5 फीट आकार के गुलाबी रंग के पोस्टर उक्त संदेश के साथ ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे। जो आमजन को स्पष्ट रूप से दिखाई दें। इनमें से कम से कम एक पोस्टर प्रसाधन क्षेत्र में लगाया जाना अनिवार्य होगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक थानाधिकारी अपने थाना क्षेत्र में स्थित सभी होटल, रेस्टोरेंट एंड बार के मैनेजर अथवा व्यवस्थापक से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर 30 दिसंबर 2025 तक उक्त स्लिप एवं पोस्टर होटल प्रबंधन द्वारा स्वैच्छिक रूप से छपवाने तथा पोस्टर चस्पा कराने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही प्रत्येक होटल, रेस्टोरेंट एवं बार में इस व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत निगरानी हेतु एक कांस्टेबल अथवा हेड कांस्टेबल को नोडल पुलिस अधिकारी के रूप में नामित किया जाएगा। जो होटल प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित कर इस अभियान को सफल बनाएगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस पहल का उद्देश्य नववर्ष के दौरान सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, यातायात सुरक्षा को सुदृढ़ करना तथा जयपुर शहर में शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

मंत्रियों ने सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत तथा राजस्व, उपनिवेशीकरण एवं सैनिक कल्याण विभाग के राज्य मंत्री विजय चौधरी ने कार्यकर्ता सुनवाई की। मीडिया को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई शुरू करने का निर्णय ऐतिहासिक है। कुमावत ने कहा कि सुनवाई के दौरान प्रारंभिक रूप से पशुपालन विभाग से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ बिजली और पानी से संबंधित मुद्दे सामने आए, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण मौके पर ही करने के निर्देश दिए गए। जहां आवश्यकता थी, संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखने के निर्देश भी दिए गए। कुमावत ने कहा कि भजनलाल सरकार राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

जयपुर विकास प्राधिकरण में जल्द शुरू होगी ई-जनसुनवाई

- नवनियुक्त आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने कार्यभार संभालते ही किया नवाचार

जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) में अब नागरिकों की सुविधा और शिकायतों के निवारण में पारदर्शिता लाने के लिए शीघ्र ही 'ई-जनसुनवाई' शुरू की जाएगी। नवनियुक्त आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने सोमवार को कार्यभार संभालते ही यह नवाचार किया है। उन्होंने कहा कि अभी लोगों को अपनी शिकायतें दर्ज करवाने अथवा समस्याओं के समाधान के लिए जेडीए में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ता है, ऐसे में लोगों को ना सिर्फ अपने जरूरी काम छोड़ने पड़ते हैं, बल्कि उन्हें काफी परेशानियां भी झेलनी पड़ती है। एक ही शिकायत के लिए बार-बार आना-जाना तथा जेडीए के दफ्तरों में चक्कर कटवाना बेकार है।

इन्हीं समस्याओं को देखते हुए जयपुर विकास प्राधिरकण में डिजिटल 'ई-जनसुनवाई' प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

महाजन ने बताया कि, लोगों को अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करवानी पड़ेगी। इसके बाद यह शिकायतें संबंधित जोन अथवा प्रकोष्ठ को भेजी जाएंगी, जहां इनका परीक्षण होगा। इस कार्यवाही के उपरांत, प्रार्थी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुना जायेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एक ओर प्रार्थी होगा, वहीं दूसरी ओर जेडीए के उच्चाधिकारियों की टीम होगी, जो प्रार्थी की समस्या सुनकर, उनकी समस्या का यथोचित समाधान करेगी। साथ ही इस संपूर्ण कार्यवाही की रिकॉर्डिंग करवाई जाएगी। इसके बाद भी यदि कार्य निस्तारण में बाधा आती है, तो उसकी जानकारी भी प्रार्थी को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ही दी जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत लंबित पड़े पुराने प्रकरणों का निस्तारण भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। महाजन ने बताया कि इस डिजिटल पहल का मुख्य उद्देश्य आमजन की परेशानी कम करना, प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। 'ई-जनसुनवाई' प्रणाली नागरिकों और जेडीए, दोनों के समय व संसाधनों के दक्ष उपयोग में सहायक होगी। इस नई व्यवस्था से जेडीए की सेवाओं में डिजिटल सुधार की एक नई शुरुआत होगी और नागरिकों को त्वरित व प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली उपलब्ध हो सकेगी। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने सोमवार को कार्यभार संभालते ही सभी अधिकारियों की बैठक भी बुलाई। उन्होंने बारी-बारी से सभी जोन व प्रकोष्ठों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। जेडीसी से साफ चेताया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का फायदा आमजन तक पहुंचाए। सभी अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण पारदर्शिता के साथ काम करें, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक डागा को कारण बताओ नोटिस देगी अनुशासन समिति

जयपुर। भाजपा प्रदेश अनुशासन समिति की बैठक सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में समिति के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा, विधायक श्रीचंद कृपलानी और सरोज कुमारी उपस्थित रहे तथा पूर्व सांसद नारायण पंचारिया आनलाइन जुड़े। लखावत ने बताया कि समिति की बैठक में अनुशासनहीनता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा अनुशासनहीनता के प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई का निर्णय किया गया। इस दौरान खींवसर विधायक रेवतराम डांगा के प्रकरण में समिति सदस्यों ने सर्वसम्मति से उनको कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्णय किया गया।

भाजपा ने की मोर्चा अध्यक्ष की घोषणा

जयपुर। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश के मोर्चा अध्यक्षों की घोषणा की उनमें युवा मोर्चा शंकर गौरा, किसान मोर्चा पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, ओबीसी मोर्चा महेंद्र कुमावत, अल्पसंख्यक मोर्चा हामिद खान मेवाती, अनुसूचित जाति मोर्चा पूर्व केंद्रीय मंत्री निहालचंद मेघवाल, अनुसूचित जनजाति मोर्चा गोपीचंद मीणा को मोर्चा अध्यक्ष बनाया है।

इंटेलिजेंस, डिफैंस और साइबर सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान खोजेंगे देशभर के युवा टेक-माइंड्स

जयपुर। केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान (सीडीटीआई) जयपुर में आज से दो दिवसीय राष्ट्रीय हैकाथॉन शील्ड 1.0 - स्मार्ट हैकाथॉन फॉर इंटेलिजेंस, एनफोर्समेंट, लॉ एवं डिफेन्स का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने आने वाली आधुनिक समस्याओं के लिए तकनीक-आधारित प्रभावी समाधान खोजना है।

निदेशक सीडीटीआई डॉ. अमनदीप सिंह कपूर ने बताया कि इस हैकाथॉन के माध्यम से देशभर के साइबर विशेषज्ञ, डेवलपर्स और नवाचारी छात्र एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। यह आयोजन मुख्य रूप से डिजिटल फॉरेंसिक्स, साइबर अपराध रोकथाम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सर्विलांस इंटेलिजेंस जैसे गंभीर विषयों पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य ऐसी उन्नत प्रणालियां विकसित करना है, जो भारत की आंतरिक सुरक्षा और पुलिसिंग क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और अधिक सुदृढ़ बना सकें। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उप निदेशक एनसीआरबी नई दिल्ली प्रशुन गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में आधुनिक पुलिसिंग और कानून प्रवर्तन में डेटा एनालिटिक्स और एआई की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे ऐसे समाधान विकसित करें जो न केवल तकनीकी रूप से उन्नत हों, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में व्यावहारिक और नैतिक रूप से सुरक्षित भी हों। सीडीटीआई निदेशक डॉ. कपूर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए शील्ड 1.0 की अवधारणा को साझा किया। उन्होंने बताया कि युवाओं की रचनात्मक सोच को सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में विस्तार योग्य मॉडल्स में बदलना इस हैकाथॉन की पहली प्राथमिकता है। विशिष्ट अतिथियों के रूप में एमएनआईटी जयपुर की डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी और साइबर विशेषज्ञ योगेश राव ने भी नवाचार और स्वदेशी तकनीकी विकास के महत्व पर अपने विचार रखे।

अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन पर राज्य सरकार की सख्ती

खनन विभाग ने जयपुर और पाली में बड़ी कार्रवाई कर 3 एक्सक्वेटर समेत 25 वाहन जब्त किए

- पाली में एफआईआर दर्ज की गई, अभियान के पहले दिन 2.98 लाख का जुर्माना वसूला

मुख्यमंत्री के निर्देश पर खनन विभाग ने जयपुर और पाली जिले के अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर कार्रवाई कर मशीनों को जब्त किया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ शुरु हुए अभियान के दौरान पहले दिन जयपुर के कालवाड़ तकसील के बावडी गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में लिप्त दो एक्सक्वेटर जब्त किए गए।

निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि अभियान के पहले दिन आरंभिक सूचनाओं के अनुसार दो एक्सक्वेटर के साथ ही 6 डंपर, 16 ट्रेक्टर जब्त कर संबंधित पुलिस थाने को सुपुर्द किए गए हैं। पाली में भी 7 वाहन की जब्ती की गई है। सिरोही के दोदुआ में एक जेसीबी जब्त करने की गई है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों के सभी जिला कलक्टरों ने टीमों का गठन कर दिया गया है। जिला कलक्टरों और खान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को क्लोज मोनेटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के पहले दिन जयपुर एमई श्याम कापड़ी की टीम ने कालवाड़ के बावडी में अवैध खनन करते दो एक्सक्वेटर जब्त किये है। शिवदासपुरा में बजरी का अवैध परिवहन करते एक डंपर और चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते दो ट्रेक्टर ट्राली जब्त कर शिवदासपुरा पुलिस को सौंपी है। जयपुर के कोटखावदा में चेजा पत्थर की दो ट्रेक्टर ट्राली, फागी में भी चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते एक ट्रेक्टर ट्राली व मोखमपुरा में बजरी का परिवहन करते दो ट्रेक्टर ट्राली और एक ट्रेक्टर ट्राली चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त की गई है।

अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर एनएस शक्तावत ने बताया कि सीकर में एक डंपर चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया है। झुन्झुनू में ग्रीट का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपर व दौसा में एक ट्रेक्टर ट्राली को चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया है। प्रतापगढ़ में भी अवैध परिवहन करते एक वाहन जब्त किया।

प्राप्त सूचना के अनुसार पाली के पाली, साण्डेराव, चण्डावल में अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक डंपर व 6 ट्रेक्टर ट्राली जब्त की गई है। इसके साथ ही एक एफआईआर व 1.27लाख जुर्माने की वूसली की गई है। मुख्यालय स्तर पर अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस डॉ. धमेन्द्र लोहार द्वारा समन्वय किया जा रहा है। सिरोही के दोदुआ में अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त एक जेसीबी जब्ती व 1 लाख 71 हजार 300 का जुर्माना वसूला गया है।

अरावली संरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए हालिया निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक और दूरदर्शी बताया है। राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर ट्वीट कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा, जिसमें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पर्वतमालाओं को अरावली हिल्स माना जाएगा, को लेकर स्वत: संज्ञान लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

न्यायालय द्वारा 20 नवंबर को दिए गए पूर्व आदेश पर रोक लगाते हुए एक एक्सपर्ट कमेटी के गठन का निर्णय संतुलित और विवेकपूर्ण कदम है। राठौड़ ने कहा कि इस विशेषज्ञ समिति द्वारा मौजूदा विशेषज्ञ रिपोर्ट का गहन अध्ययन एवं विश्लेषण कर सर्वोच्च न्यायालय को तथ्यपरक और व्यावहारिक सुझाव दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई थी।

फिलहाल अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में खनन पर रोक जारी रहेगी और इस पूरे मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी 2026 को निर्धारित की गई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इससे पहले केंद्र सरकार ने भी अरावली पर्वतमाला में हो रहे अवैध खनन को रोकने और इसके संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे जारी न करने के निर्देश देना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मजबूत पहल है।

राठौड़ ने इस गंभीर और संवेदनशील विषय पर जिम्मेदार रवैया अपनाने के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कई बार सार्वजनिक मंचों से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अरावली हमारी अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है और इसके साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। राठौड़ ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि अरावली के दीर्घकालीन संरक्षण और समग्र विकास के लिए अरावली डवलपमेंट अथॉरिटी का गठन किया जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए हरा-भरा और सुरक्षित राजस्थान सुनिश्चित किया जा सके।

चौमूं उपद्रव के बाद नगर परिषद ने नोटिस जारी किये, तीन दिन में जवाब मांगा

अवैध निर्माण, अवैध मीट दुकानें, बूचड़खानों को नगर परिषद ने नोटिस जारी किये

- नगर परिषद ने इमाम चौक जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित घरों और दुकानों के बाहर किए गए अवैध अतिक्रमणों के संबंध में नोटिस जारी किए
- वर्तमान में चौमूं शहर में हालात सामान्य और शांतिपूर्ण बने हुए हैं, संवेदनशील इलाकों में एहतियातन तौर पर पुलिस बल तैनात है

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं पत्थरबाजी की घटना के बाद चौमूं नगर परिषद प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण को लेकर नोटिस चस्पा किए। चौमूं नगर परिषद प्रशासन ने शहर में अवैध अतिक्रमण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की है। नगर परिषद ने इमाम चौक जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित घरों और दुकानों के बाहर किए गए अवैध अतिक्रमणों के संबंध में नोटिस जारी किए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर बने चबूतरे, अवैध सीढ़ियों सहित अन्य सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार, इन अतिक्रमणों के कारण आमजन को आवाजाही में परेशानी हो रही है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। इसी के मद्देनजर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसके अतिरिक्त चौमूं शहर में बिना अनुमति और नियमों के उल्लंघन में संचालित हो रही नॉनवेज की दुकानों बूचड़खानो को भी नोटिस जारी किए गए हैं। नगर परिषद प्रशासन ने सभी नोटिस धारकों से तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है। निर्धारित समय सीमा में जवाब न देने या अतिक्रमण न हटाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। वर्तमान में चौमूं शहर में हालात सामान्य और शांतिपूर्ण बने हुए हैं। गौरतलब है कि बीते 25 दिसंबर की रात हुए तनावपूर्ण माहौल के बाद अब लोगों ने राहत की सांस ली है। 25 दिसंबर की रात को चौमूं बस स्टैंड स्थित मस्जिद पर लोहे की रेलिंग लगाने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई थी। पुलिस लगातार नामजद आरोपियों और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में इलाके में दबिश दे रही है। चौमूं क्षेत्र के कुछ विशेष समुदाय की गलियों में अभी भी सन्नाटा पसरा हुआ है, हालांकि हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। संवेदनशील इलाकों में एहतियातन तौर पर पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स के जवान भी मौके पर मौजूद हैं। शांतिपूर्ण माहौल के बीच चौमूं के बाजार खुल गए हैं और दुकानों पर सामान्य चहल-पहल देखने को मिल रही है। पुलिस प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

बीकानेर में लिव-इन में रह रहे प्रेमी-प्रेमिका ने आत्महत्या की

- फोन में म्यूजिक लगाकर कमरे में फंदे पर लटके मिले, परिजन दरवाजा खटखटाते रहे
- युवती की शादी कहीं और तय हो गई थी, ऐसे में दोनों पर दबाव बनाया जा रहा था, इसके चलते दोनों ने आत्महत्या की

बीकानेर, (निसं)। लिव-इन में रह रहे प्रेमी-प्रेमिका ने फंदा लगाकर जान दे दी। युवती की शादी कहीं और तय हो गई थी। ऐसे में, दोनों पर दबाव बनाया जा रहा था, इसके चलते दोनों ने घर के कमरे में फंदा लगा लिया। देर रात कमरे से तेज आवाज में गाने चलने की आवाज आ रही थी, परिजनों ने दरवाजा भी खटखटाया था। इसके बाद सुबह जब दोनों को उठाने के परिजन गए तो शव फंदे पर लटके हुए देखे। मामला बीकानेर के बज्जू थाना इलाके का का है। आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने फांसी लगाकर जान दी है।

बज्जू थानाधिकारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि प्रकाश (21) और करिश्मा (20) ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। सुबह परिजनों ने मामले की जानकारी दी तो शवों को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल मेडिकल बोर्ड से बज्जू उप जिला चिकित्सालय में दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। एसएचओ ने बताया कि दोनों जोगी कालबेलिया समाज के हैं और जुलाई से साथ में रह रहे हैं। इससे पहले दोनों कहीं और रहते थे। एसएचओ के अनुसार, जब तक पुलिस पहुंची तब तक शवों को फंदे से नीचे उतारा जा चुका था। ऐसे में, एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया गया, जहां से एफएसएल की टीम ने सबूत जुटाए हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी। पूरे मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हर पहलू की जांच की जा रही है। दोनों के परिजनों ने लिखित रिपोर्ट पुलिस को दी है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, करिश्मा का रिश्ता किसी अन्य युवक के साथ तय हो गया था। ऐसे में, वह किसी और से शादी नहीं करना चाहती थी। करिश्मा पर उसके परिवार की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा था। ऐसे में, प्रकाश और करिश्मा ने अपनी जान दे दी। हालांकि, पुलिस अपने स्तर पर परिजनों से पूछताछ कर मामले की जानकारी जुटा रही है। जानकारी के अनुसार, प्रकाश के माता-पिता घर में ही दूसरे कमरे में सो रहे थे। वहीं प्रकाश और करिश्मा भी घर के पास वाले कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान देर रात कमरे से मोबाइल पर गाने चलाए जाने की आवाज आने लगी। परिजनों ने सोचा कि दोनों गाने सुन रहे हैं। ऐसे में, मोबाइल पर गाने की आवाज तेज होने के चलते किसी को अंदाजा नहीं लग पाया कि दोनों अंदर सुसाइड करने की तैयारी में हैं। रात में भी परिजनों ने दरवाजा खटखटा कर पूछताछ करने की कोशिश की थी, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद सुबह जब उन्हें उठाने के लिए दरवाजा खटखटाया तो दोनों फंदे पर लटके मिले।

एमडीएसयू के कुलगुरु के समर्थन में कर्मचारी एकजुट

दूरभाष पर धमकी व गाली-गलौज की निंदा की

अजमेर, (कास)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय (एमडीएसयू) के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल को एक निजी महाविद्यालय के संचालक द्वारा दूरभाष पर दी गई धमकी एवं गाली-गलौज की घटना के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कुलगुरु से शिष्टाचार भेंट की। कर्मचारियों ने इस आपत्तिजनक कृत्य की कड़े शब्दों में भर्त्सना करते हुए इसे विश्वविद्यालय की गरिमा और सर्वोच्च पद के प्रति अस्वीकार्य बताया।

कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार कुलगुरु महोदय के साथ मजबूती से खड़ा है तथा किसी भी परिस्थिति में उनके साथ घटित घटनाक्रम की घोर निंदा करता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कुलगुरु द्वारा नियमों के अनुरूप लिए गए हर निर्णय का विश्वविद्यालय समुदाय पूर्ण समर्थन करता है। भेंट के दौरान कर्मचारियों ने निजी महाविद्यालय संचालक द्वारा किए गए कृत्य की निंदा के साथ-साथ उसके द्वारा की जा रही कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग भी उठाई, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और शैक्षिणक व्यवस्था की पारदर्शिता एवं शुचिता बनी रहे। इस अवसर पर पूर्व कर्मचारी अध्यक्ष दिलीप शर्मा, पूर्व महासचिव सुरेंद्र कुमावत, मनोज बिश्नोई, सुरेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, सिद्धार्थ पवार, पेप सिंह राजपूत, मुकेश कुमार मीणा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कर्मचारियों ने एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा, अनुशासन और विधिसम्मत कार्यप्रणाली से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

गैंगरेप के आरोपी आईटी कंपनी सीईओ व साथी को जेल

उदयपुर, (कासं)। शहर पुलिस ने आईटी कंपनी मैनेजर पीड़िता के साथ कार में गैंगरेप के आरोपी आईटी कंपनी सीईओ व साथी को पुलिस रिमांड के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भिजवाया।

प्रकरण के अनुसार गत दिनों शहर स्थित आईटी कंपनी के सीईओ द्वारा बर्थडे व एण्ड ऑफ इयर पार्टी के उपलक्ष में कम्पनी कर्मचारियों के लिए पार्टी का आयोजन करने के बाद कंपनी मैनेजर पीड़िता को घर छोड़ने के दौरान कार में उसके साथ गैंगरेप किया था। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ उदयपुर माधुरी वर्मा के नेतृत्व में सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार आईटी कंपनी सीईओ जितेश प्रकाश सिसोदिया पुत्र कचरूलाल सिसोदिया निवासी स्काई मरीना अपार्टमेंट सुखाड़िया सर्कल अम्बामाता, गौरव सिरोही पुत्र शक्तिवीरसिंह सिरोही निवासी पामयीन सुपरटेक दिल्ली रोड़ ब्रम्हपुरी मेरठ यूपी हॉल हितावा अपार्टमेंट सुखेर को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर लिया।

इस दौरान उसके बताए अनुसार रूट चार्ट, डेक कमेरा रिकार्डिंग व अन्य साक्ष्य के आधार पर पूछताछ के बाद रिमाण्ड अवधि पूरी होने पर 29 दिसंबर को तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को 2 जनवरी तक के लिए जेल भेजा। आरोपियों द्वारा गैंगरेप की वारदात करने पर पीड़िता ने गत दिनों सुखेर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था।

हादसे में युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। जिले के बाघपुरा थाना क्षेत्र में कंटेनर की टक्कर से बाइक चालक की मौत हो गई। वाघपुरा थाना क्षैत्र माणस गांव रोड़ पर कंटेनर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक चालक माकड़ादेव वाघपुरा निवासी सिलास पुत्र खेमा डामोर गंभीर घायल हो गया, जिसे पुलिस ने झाड़ोल चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर शव को मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी। इस पर सोमवार को हेड कांस्टेबल गोपाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। सिलास बाइक पर वाघपुरा से घर जा रहा था।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

उनियारा/टोंक, (निसं)। अलीगढ़ पुलिस थाना अन्तर्गत टोंक-सवाईमाधोपुर हाइवे पर बिलोता अण्डरपास पुलिया के पास रविवार देर रात को सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। अलीगढ़ पुलिस थानाधिकारी सीआई राजकुमार चौधरी ने बताया कि मृतक जितेन्द्र (27) पुत्र बाबूलाल महावर निवासी अलीगढ़ जिला टोंक है।

- मृतक बाइक सवार युवक मजदूरी कर परिवार का कर रहा था पालन पोषण

मृतक का फाइल फोटो

उन्होंने बताया कि रविवार देर रात्रि पुलिस गश्त के दौरान पुलिस को टोंक-सवाईमाधोपुर हाइवे पर बिलोता अण्डरपास पुलिया के पास एक अज्ञात बाइक हेडलाईट जली हुई सड़क पर पड़ी मिली। इस पर पुलिस ने बाइक को जांच करने पर सड़क पुलिया के डिवाइडर के समीप सड़क हादसे में बाइक सवार मृत अवस्था में मिला। इस पुलिस ने मृतक के शव को अलीगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवा कर मृतक की शिनाख्त में जुटी। पुलिस की सूचना पर सोमवार सुबह मृतक बाइक सवार के परिजन पुलिस थाना पहुंचे। जहां परिजन ने बाइक सवार की शिनाख्त के बाद सड़क हादसे के मामले की जानकारी ली। सोमवार दोपहर दुर्घटना में बाइक सवार के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द किया गया। मृतक के परिजनों की और से अलीगढ़ पुलिस में अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत होने की रिपोर्ट दी गई। मृतक युवक मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रहा था।

गर्भवती महिला का ससुराल में संदिग्ध हालत में शव मिला

मृतका का फाइल फोटो।

- महिला के भाई और चाचा ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया
- ससुराल पक्ष ने बताया कि पति से कहासुनी के बाद फंदा लगाया

अलवर, (निसं)। नौ महीने एक गर्भवती महिला का ससुराल में संदिग्ध हालत में शव मिला। महिला की बहन ने फोन पर पीहर पक्ष को सूचना दी। मौके पर पहुंचे महिला के भाई और चाचा ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मामला अलवर जिले के बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र के नंगला बंजीरका गांव का है।

रामगढ़ डीएसपी पिंटू कुमार ने बताया कि हरियाणा के नूंह निवासी मोहम्मद इरशाद ने रविवार को बगड़ तिराहा थाने में रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया कि नंगला बंजीरका में उसकी बहन संजीदा की ससुराल वालों ने हत्या कर दी। 1 दिसंबर 2024 को उसने अपनी बहन संजीदा (22) और मनीषा (21) की शादी रामगढ़ के नंगला बंजीरका गांव के पूर्व सरपंच आजाद के छोटे भाई तैयब के दो बेटों से की थी। संजीदा की शादी सादिक और मनीषा की शादी सरफराज के साथ की थी। इरशाद ने बताया कि शादी के बाद से ही संजीदा को दहेज के लिए लगातार परेशान किया जा रहा था। इस दौरान संजीदा गर्भवती हो गई। रविवार को सुबह 11 बजे मनीष ने घर पर फोन करके कहा कि ससुराल वालों ने संजीदा की हत्या कर दी है। हम रविवार दोपहर गांव पहुंचे तो संजीदा पलंग पर बेसुध पड़ी थी। घर पर छोटी बहन को छोड़कर कोई भी मौजूद नहीं था। हम उसे रामगढ़ सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संजीदा के चाचा इस्लामुद्दीन ने बताया कि एक साल पहले ही हमने दोनों बेटियों की शादी की थी। शादी में ट्रैक्टर, बोलेरो, एसी, आभूषण और नकद राशि देने के बाद भी दहेज की मांग की जा रही थी। दोनों बहनों को घर में काफी परेशान किया जाता था। यहां तक कि उन्हें आपस में भी बात नहीं करने दिया जाता था। संजीदा गर्भवती थी, 8 से 10 दिन बाद ही उसकी डिलीवरी होने वाली थी। गांव के पूर्व सरपंच आजाद खां ने बताया कि मेरे भाई तैयब के बेटे सरफराज की पत्नी संजीदा ने रविवार की सुबह फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पति-पत्नी के बीच छोटी सी कहासुनी को लेकर उसने ये कदम उठा लिया।

रामगढ़ डीएसपी पिंटू कुमार ने बताया कि रविवार शाम को पुलिस को सूचना मिलने के बाद शव को रामगढ़ अस्पताल की सीएचसी में रखवाया गया। सोमवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। भाई की रिपोर्ट पर मामले की जांच की जा रही है।

अलवर में कार ने ऑटो को टक्कर मारी, दो युवक बाल-बाल बचे

अलवर, (निसं)। अलवर में मोती डूंगरी रोड पर तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ऑटो से टकराने के बाद बेकाबू होकर पलट गई। हादसे के बाद कार में सवार दो युवक मौके से फरार हो गए। ऑटो के परखच्चे उड़ गए,

- हादसे के बाद कार में सवार दो युवक मौके से फरार हो गये

हादसे के बाद ऑटो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हादसा रविवार रात करीब 9:30 बजे हुआ।

अरावली विहार थाना पुलिस के एएसआई ओमप्रकाश ने बताया कि कार स्टेडियम की दिशा से एसएमडी चौराहे की ओर जा रही थी। इसी दौरान एलआईसी कार्यालय के बाहर खड़े ऑटो को टक्कर मार दी। इसके बाद कार एलआईसी ऑफिस की दीवार से जा भिड़ी और सड़क पर पलट गई। घटना में कार सवार दोनों युवक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जिस समय हादसा हुआ, ऑटो में कोई मौजूद नहीं था। कार अमन, निवासी नयाबास के नाम पंजीकृत है, जबकि क्षतिग्रस्त ऑटो संजय कुमार, निवासी ढाढ़ोली का है, जो लेमॉनड होटल में कार्य करता है। ऑटो ड्राइवर संजय कुमार ने बताया कि वह घटना के वक्त होटल के भीतर था। तेज आवाज सुनकर बाहर आया तो देखा कि उसका ऑटो क्षतिग्रस्त है और पास ही कार पलटी हुई पड़ी है। इसी दौरान कार से दो युवक उतरकर भागते नजर आए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से कार को जब्त कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सांभर फेस्टिवल में खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

जयपुर। राज्य सरकार के "शुद्ध आहार, मिलावट पर वार" अभियान के अंतर्गत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देश पर सोमवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा सांभर फेस्टिवल में निरीक्षण और नमूनाकरण की कार्यवाही की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि सांभर में चल रहे फेस्टिवल में लगभग दो दर्जन अधिकृत फूड स्टॉल्स लगाई गई हैं। जिन पर विक्रय किए जा रहे विभिन्न खाद्य पदार्थों में से कचौरी,चाट पपड़ी, यूज्ड कुकिंग ऑयल, पेस्ट्री, पैकेज्ड स्नैक्स, गाजर का हलवा, जलेबी आदि का नमूना लिया गया।

फायरिंग का इनामी बदमाश गिरफ्तार

- गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी का शहर में जुलूस निकाला
- दो दिसंबर को महेंद्र उर्फ काडू पहलवान पर फायरिंग हुई थी

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस ने दिनदहाड़े फायरिंग के एक मामले में वांछित पांच हजार के इनामी बदमाश गोलू गुर्जर को महिला की पोशाक में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी का शहर के प्रमुख बाजारों में जुलूस निकाला।

पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल के निर्देश पर एएसपी राकेश राजौरा के सुपरविजन में पुलिस उपाधीक्षक गिर्राज मीणा और कोतवाली थानाधिकारी करणसिंह राठौड़ के नेतृत्व में यह जुलूस कोतवाली थाना, देवी स्टोर चौराहा, खारी बाजार, चौपड़, कैलाश टॉकीज, जामा मस्जिद, फव्वारा चौक और कचहरी रोड होते हुए वापस कोतवाली थाना पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल ने बताया कि 2 दिसंबर को माल गोदाम रोड स्थित पुरानी सब्जी मंडी में महेंद्र उर्फ काडू पहलवान पर फायरिंग हुई थी। इस संबंध में कोतवाली थाना गंगापुर सिटी में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा के सुपरविजन और वृत्ताधिकारी गिर्राज मीणा के निर्देशन में गठित टीमों ने अब तक इस मामले में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी करणसिंह राठौड़ को मुखबिर से सूचना मिली थी कि फायरिंग में शामिल आरोपी गोलू गुर्जर महिला के भेष में श्योसिंहपुरा रोड पर घूम रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने महिला के वेश में घूम रहे व्यक्ति को देखा और घेराबंदी की। आरोपी ने सरसों के खेत में भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने भेष बदलकर छिपने और फायरिंग की घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपी गोलू गुर्जर (21) सुरगढ़, थाना बाटोदा का निवासी है।

संविदा कर्मियों ने नियमित करने व वेतन बढ़ोतरी की मांग की

'संविदाकर्मी कई सालों से विभागीय कार्यों की जिम्मेदारी निभा रहे हैं'

अलवर, (निसं)। संविदा प्लेसमेंट संघर्ष समिति की ओर से सोमवार को सरकारी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संविदा कर्मियों को नियमित करने और वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर किया गया। संघर्ष समिति से जुड़े पदाधिकारी यश जोशी ने बताया कि राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में लंबे समय से प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से संविदाकर्मी कार्यरत हैं, लेकिन सरकार की ओर से उन्हें अब तक नियमित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि संविदाकर्मी कई सालों से विभागीय कार्यों की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें न तो परमानेंट किया जा रहा है और न ही न्यूनतम वेतनमान का लाभ मिल रहा है,

- मांगें नही मामने पर उग्र आंदोलन और कार्य बहिष्कार की दी चेतावनी

मांगों को लेकर संविदाकर्मियों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया।

जबकि अन्य राज्यों में समान कार्य करने वाले संविदा कर्मियों को न्यूनतम वेतन और बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। यश जोशी ने आरोप लगाया कि सरकार की अनदेखी के चलते संविदा कर्मियों का आर्थिक और मानसिक शोषण हो रहा है। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत विभागों में दो घंटे का कार्य बहिष्कार भी किया जा सकता है, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कालीबाई बटालियन की चयन सूची जारी

- भर्ती के माध्यम से कांस्टेबल सामान्य, चालक और बैंड के रिक्त पदों को भरा जा रहा है

जयपुर। कार्यालय कमांडेंट पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर ने कालीबाई बटालियन आरएसी अलवर के लिए आयोजित कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2025 के अगले चरण की तैयारी पूरी कर ली है। विभाग द्वारा लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता और शारीरिक माप-तौल में सफल रहे 536 अभ्यर्थियों की चयन सूची जारी कर दी गई है। इस भर्ती के माध्यम से कांस्टेबल सामान्य, चालक और बैंड के रिक्त पदों को भरा जा रहा है। कमांडेंट चुनाराम जाट ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों के लिए दस्तावेज सत्यापन, चरित्र सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण का कार्यक्रम कार्यालय कमाण्डेन्ट, पांचवीं बटालियन आरएसी, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। कमांडेंट ने बताया कि अभ्यर्थियों को अपने साथ सभी मूल दस्तावेज और उनकी स्वयं द्वारा प्रमाणित एक-एक छायाप्रति लाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि दस्तावेज सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया में 2 से 3 दिन का समय लग सकता है, अतः अभ्यर्थी पूरी तैयारी के साथ आएं। कोई अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि वह नियुक्ति का इच्छुक नहीं है, सूची से नाम हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली
टेलि न./फैक्स न. - (02938) 236170/236883, ई-मेल - eombfalna@gmail.com
Notice Inviting Bid
Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 11.00 AM Date 23.12.2025 to 6.00 PM Date 02.01.2026 Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,
UBN :- DLB2526WSOB28114, 28111, 28118, 28126, 28129, 28132, 28133, 28134, 28135, 28136
Executive Officer
Muncipal Board Khudala-Falna
Raj.Samwad/C/25/16560

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli
File No. :- 2413 - 17 Date :- 26/12/2025
Notice inviting Bid
NIB No. 34/2025-26 YEAR 2025
Bids for Talab, Talai, Mpt, ECD, check dam, Recharge shaft, Sub surface barrier, talab renovation e.t.c of PMKSY 2.0 estimated value INR 116.11 Lacs (60.43+55.68) are invited from interested bidders up to 06:00 PM, 04-01-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc). UBN NO.- WSC2526WSRC02131, 02132
Superitending Engineer and Project Manger
WCDC Zila Parishad Karauli
Raj.Samwad/C/25/16600

कार्यालय नगर परिषद बारां
nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां (राज0) Phone : 07453-230106
क्रमांक :- नपबा/पुल शाखा/2025/8935-36 दिनांक :- 23.12.2025
निविदा सूचना संख्या : 04/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु इस कार्यालय के द्वारा नगर परिषद बारां द्वारा पूल शाखा हेतु ई-रिक्शा की बैट्री की सप्लाई का कार्य हेतु ऑफलाईन आंमत्रित की जाती है। इच्छुक सवेदक/फर्म निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्ते पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी देख सकते है।
UBN NO. DLB2526GSOB28192
आयुक्त
नगर परिषद बारां
राज.संवाद/सी/25/16618

राजस्थान सरकार
कार्यालय उप वन संरक्षक, बारां
E-mail: dcf.brn.forest@rajasthan.gov.in, Tel. No. 07453-230244
क्रमांक-एफ( )/क्रय/निविदा/2025-26/8441 दिनांक-22.12.2025
Notice Inviting Bid No. 26/2025-26
Bids for Various Civil Work, Borwell and Irrigation System in New Nursery Creation Total Estimate Value Rs. 151.46 Lacs are invited from interested bidders upto 6 PM on 01.01.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the State & at our office in office hours. NIB Code-FOR2526A3019
UBN NO. FOR2526WSOB04091, FOR2526WSOB04094, FOR2526WSOB04092, FOR2526WSOB04093, FOR2526WSOB04088, FOR2526WSOB04086, FOR2526WSOB04087, FOR2526WSOB04089
उप वन संरक्षक
बारां
DIPR/C/19162/2025

राजस्थान में घुसपैठियों के लिए जगह नहीं, उन्हें बाहर निकालने के लिए सरकार का काम शुरू : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाई पावर्ड डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं हैं और उन्हें बाहर निकालने के लिए राज्य सरकार ने काम प्रारंभ कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाई पावर्ड डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा। इसी कड़ी में अब राजस्थान में भी राज्य सरकार ने यह काम शुरू किया है और राजस्थान में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 61वें प्रांत अधिवेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि एबीवीपी देश को एक नयी दिशा देने वाले अनेक आंदोलनों की सूत्रधार रही है। वह वर्ष 1970 में बंग्लादेशी घुसपैठियों के देश में उत्पात के खिलाफ मुहिम तथा विश्वविद्यालयों में स्वस्थ वातावरण का निर्माण ऐसे आंदोलनों में शामिल रही हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को जयपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 61वें प्रांत अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में यह बात कही। इस अधिवेशन में 23 जिलों से 700 से अधिक कर्मयोगी विद्यार्थी एकत्रित हुए और 1 हजार से अधिक शिक्षाविद् एवं विद्यार्थी भी इस आयोजन का हिस्सा बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी परिषद पिछले 7 दशकों से भी अधिक समय से भारत की अखंडता एवं गरिमा के संरक्षण में अतुलनीय योगदान दे रही है। जब भी भारतीयता और राष्ट्रभक्ति के बारे में किसी युवा संगठन की बात आती है तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का नाम सम्मान और गर्व के साथ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय राजस्थान में युवाओं की निराशा चरम पर थी। पेपरलीक और भ्रष्टाचार अपने चरम पर था। हमारी सरकार ने बीते 2 वर्ष में इतने विकास कार्य किये हैं, जितने पूर्ववर्ती सरकार 5 सालों में नहीं कर पाई। हमने पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। अब तक 92 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दे दी है, 20 हजार अगले माह देंगे। वहीं, 1.50 लाख से अधिक नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकार में आते ही राजस्थान के विकास के लिए रोडमैप बनाया। रामजल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी गंगनहर की मरम्मत सहित विभिन्न निर्णय लिए। किसानों से किए गए वादे के मुताबिक अभी 22 जिलों में दिन के समय में बिजली दे रहे हैं। जल्द ही प्रदेश बिजली में आत्मनिर्भर बनेगा।

> ■ उन्होंने कहा कि ''एबीवीपी देश को एक नयी दिशा देने वाले अनेक आंदोलनों की सूत्रधार रही। वह वर्ष 1970 में बंग्लादेशी घुसपैठियों के देश में उत्पात के खिलाफ मुहिम तथा विश्वविद्यालयों में स्वस्थ वातावरण का निर्माण ऐसे आंदोलनों में शामिल रही।''

मुख्यमंत्री ने युवाओं का आव्हान करते हुए कहा कि वे नौकरी लेने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें और विकसित राजस्थान में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 33 जिलों में चयनित विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में कुल 65 आई-स्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं। साथ ही, 71 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना, स्नातकोत्तर स्तर के 49 तथा स्नातक स्तर के 58 महाविद्यालयों में नवीन विषय प्रारम्भ करना, 12 महाविद्यालयों में विज्ञान एवं 5 महाविद्यालयों में वाणिज्य नवीन संकाय प्रारम्भ करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी किए गए हैं।

एबीवीपी के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री देवदत्त जोशी ने कहा कि एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देने वाला एक वैचारिक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि आज परिषद से 76 लाख से अधिक छात्र जुडे हुए हैं और आने वाले समय में यह संख्या एक करोड़ तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि परिषद विद्यार्थियों के शैक्षिणक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहती है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि विद्यार्थी परिषद संगठन की कार्यपद्धित, अनुशासन छात्र शक्ति-राष्ट्र शक्ति के नारे को चरितार्थ करती है। उन्होंने कहा कि छात्र शक्ति को केवल कैंपस तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि इसे राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं को भारत की गौरवशाली संस्कृति और इतिहास से जुड़ने की प्रेरणा दी। इस दौरान एबीवीपी के जयपुर प्रांत अध्यक्ष जिनेश जैन एवं पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा में फिर चूक, काफिले में घुसा युवक

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सुरक्षा व्यवस्था में एक बार फिर चूक का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री सोमवार दोपहर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सीतापुरा जा रहे थे। इसी दौरान जब मुख्यमंत्री का काफिला जगतपुरा स्थित 7 नंबर बस स्टैंड के पास से गुजर रहा था। तभी एक युवक अचानक काफिले में घुस गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार काफिले में सबसे आगे चल रही एस्कॉर्ट टीम ने युवक को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह नहीं रुका और सड़क पार करता हुआ आगे बढ़ गया। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को रोक लिया। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस की ओर से आधिकारिक रूप से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार पकड़ा गया युवक मंदबुद्धि बताया जा रहा है, जिसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। गौरतलब है कि इससे पहले 11 दिसंबर 2024 को भी जगतपुरा रोड पर मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई थी। उस दिन दोपहर करीब तीन बजे अक्षयपात्र चौराहे पर मुख्यमंत्री के काफिले के चलते ट्रैफिक रोका गया था। इसी दौरान रॉन्ग साइड से आ रही एक टैक्सी ने काफिले में घुसने की कोशिश की। मौके पर तैनात एएसआई सुरेंद्र सिंह ने टैक्सी को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। इसके बाद टैक्सी मुख्यमंत्री के काफिले की दो अन्य गाड़ियों से भी टकरा गई। हादसे में एसीपी अमीर हसन सहित पुलिसकर्मी बलवान सिंह और देवेंद्र सिंह घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायल एएसआई सुरेंद्र सिंह की उसी दिन इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं टैक्सी चालक पवन और उसका साथी भी हादसे में घायल हुए थे, जिनमें से चालक पवन ने करीब 20 दिन बाद दम तोड़ दिया था।

एन.एस.यू.आई. के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बीके कुशवाह समेत 15 लोग भाजपा में शामिल

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल कार्यशैली से प्रभावित होकर एनएसयूआई के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष बीके कुशवाह ने सोमवार को अपनी टीम के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी के सानिध्य में बीके कुशवाह और उनकी टीम को पार्टी कार्यालय में भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई गई।

भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व, राजस्थान के विकास पुरुष मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा प्रदेश संगठन के मुखिया मदन राठौड़ की कार्यशैली से प्रभावित होकर बृजकिशोर कुशवाह ने भाजपा की सदस्यता ली है। सैनी ने बीके कुशवाह एवं उनकी पूरी टीम का भारतीय जनता पार्टी परिवार में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। सैनी ने कहा कि बीके कुशवाह और उनकी टीम संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का कार्य करेगी और भाजपा की विकास यात्रा को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई से कुंठित होकर तथा भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा, संगठनात्मक रीति और विकासपरक सोच से प्रभावित होकर इन सभी कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी को अपना परिवार चुना है। भाजपा में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से रवि डोयला (सरपंच, नीम बसई), रामनरेश, रामू कुशवाह, नीरज कुमार, पवन पोसवाल, महेंद्र, मनोज कुमार, मनीष गोस्वामी, राजेश मीणा, मनीष कुमार मीणा, राहुल कुमार, पी. खान, कृष्ण कुमार, दीपचंद (सरपंच), रविंद्र, अनमोल बंसल सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों का भाजपा परिवार में पार्टी का दुपट्टा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ अपूर्वा सिंह, नारायण मीणा मंच पर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सुनीं लोगों की समस्याएं

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को निज निवास पर लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को सभी परेशानियों का त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल सहित विभिन्न विभागों की शिकायतें लेकर लोग पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने लापरवाह कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और जनसमस्याओं के समाधान में कोत्ताही नहीं बरतने की चेतावनी भी दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के पोस्टर विमोचन भी किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को निज निवास पर लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

एयरपोर्ट पुलिस ने हथियारों के साथ दो बदमाश गिरफ्तार किए

जयपुर। जयपुर में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत थाना एयरपोर्ट पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ घूम रहे दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देशी पिस्टल, मैगजीन, दो जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि एयरपोर्ट थानाधिकारी रूपनारायण को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना इलाके में स्थित स्वीप लाइन महालक्ष्मी कैफे के पास एक मोटरसाइकिल पर दो युवक संदिग्ध अवस्था में बैठे हैं और उनके पास अवैध हथियार हो सकते हैं। सूचना की तस्दीक पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे। जिन्हें घेराबंदी कर पकड लिया गया। तलाशी के दौरान रिंकू मीणा के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक मैगजीन एवं एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ, जबकि करण मीणा के कब्जे से एक जिंदा कारतूस सहित मौके से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की। साथ ही पुलिस ने अवैध हथियार के मामले में रिंकू मीणा(27) निवासी बामनवास जिला सवाई माधोपुर और करण मीणा(18) निवासी कोटखावदा जिला जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार कहां से लाए गए और इनका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाना था। इस कार्रवाई में कांस्टेबल लीलाराम एवं ओमप्रकाश की विशेष भूमिका रही।

'समाज को अधिक मानवीय बनाना लेखन का उद्देश्य'

नई दिल्ली। तकनीकी विकास और बाज़ार की व्यवस्था ने कुछ हद तक मुक्ति भी दी है और एक अलग तरीके से अन्यायपूर्ण व्यवस्था भी बनाई है। मनुष्य की गरिमा, नया अभी भी कोसों दूर है और लेखक का स्वप्न है कि ऐसा समाज बन सके जो न्याय आधारित हो। मेरा कहानी लेखन इसी दिशा में एक विनम्र प्रयास है कि हमारा समाज अधिक मानवीय बन सके।

सुप्रसिद्ध कथाकार पंकज मित्र ने अपने पर केंद्रित विख्यात लघु पत्रिका बनास जन के लोकार्पण के अवसर पर अपने पाठकों का सबसे अधिक ऋण स्वीकार किया जिनके कारण वे लगातार सक्रिय रह सके। हरकिशन सिंह सुरजीत भवन में एक सादे समारोह में वरिष्ठ उपन्यासकार रणेन्द्र, लेखक-अनुवादक दिगम्बर, चर्चित कथाकार कविता और अरुण कुमार असफल ने बनास जन के उक्त विशेषांक का लोकार्पण किया।

'बनास जन' के पंकज मित्र विशेषांक का लोकार्पण सोमवार को हुआ।

आलोचक-कथाकार राजीव कुमार के सम्पादन में आए इस विशेषांक में लगभग एक दर्जन आलोचकों ने विस्तार से पंकज मित्र की कहानियों का विश्लेषण-मूल्यांकन किया है। मित्र के संगी-साथियों संजय कुमार कुंदन और राजेश करमहे के संस्मरणों के साथ उनका लम्बा साक्षात्कार भी अंक में है। मूलतः झारखंड निवासी पंकज मित्र 1996 से कहानियाँ लिख रहे हैं और पेशे से भारतीय प्रसारण सेवा में अधिकारी रहे हैं। आयोजन में साहित्यकार रणेन्द्र ने कहा कि हिंदी के लघु पत्रिका आंदोलन का विशिष्ट स्वर बन चुकी बनास जन का पंकज मित्र पर विशेषांक का प्रकाशन इस बात का प्रमाण है कि हिंदी साहित्य समाज ने गंभीर और जनपक्षधर लेखकों का महत्व स्वीकार किया है। कथाकार कविता ने पंकज मित्र को बधाई दी और कहा कि अपनी पीढ़ी के श्रेष्ठ कहानी सर्जक के रूप में वे जाने जाते रहेंगे। बनास जन के सम्पादक पल्लव ने बनास जन की सत्रह वर्षीय यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि पंकज मित्र पर आया अंक तरासीवाँ अंक है।

चित्तौड़गढ़ से प्रारम्भ हुई इस पत्रिका ने अब तक हिंदी के अनेक रचनाकारों पर अपने अंकों का प्रकाशन किया है जिनमें मीराँ, नज़ीर अकबराबादी, भीष्म साहनी, नामवर सिंह, फणीश्वरनाथ रेणु,अमरकान्त, मृणाल पांडे, स्वयं प्रकाश, असग़र वजाहत, ओमप्रकाश वाल्मीकि, अखिलेश पर अंक सम्मिलित हैं।

पल्लव ने लघु पत्रिकाओं की प्रकाशन यात्रा को भूमंडलीकरण के प्रतिपक्ष में भारतीय संस्कृति और साहित्य का संघर्ष बताया।आयोजन में कवि-कथाकार श्रीधर करुणानिधि, डॉ विदित, शोधार्थी जनार्दन सहित अन्य रचनाकारों ने भी पंकज मित्र को बधाई दी।

जे.सी.बी. के वर्कशॉप में भीषण आग

डेढ़ दर्जन से अधिक दमकलों से आग पर काबू पाया

जयपुर (कासं)। भांकरोटा इलाके में सोमवार देर शाम को उस समय हड़कंप मच गई,जब जेसीबी के दफ्तर और गोदाम में अचानक से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि वर्कशॉप से उठता धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। जिसके बाद अजमेर हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई।

राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की करीब डेढ दर्जन से अधिक गाड़ियों ने 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग की लपटें तेज होने के कारण दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस हादसे में जेसीबी के गोदाम और दफ्तर में रखा लाखों रुपयों का सामान आग की भेंट चढ़ गया।

> ■ वर्कशॉप में रखी मशीनरी सहित लाखों रुपए का सामान जलकर राख

थाना प्रभारी भांकरोटा श्रीनिवास जांगिड़ ने बताया कि भांकरोटा इलाके में अजमेर रोड पर जेसीबी कंपनी का दफ्तर और गोदाम बना हुआ है। जिसके एक हिस्से में जेसीबी का वर्कशॉप बना हुआ है। सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे जेसीबी कंपनी के वर्क शॉप में आग लगी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और वर्क शॉप सहित गोदाम और दफ्तर तक आग पहुंच गई। जिसमें लाखों रुपयों का सामान जल कर खाक हो गया। पुलिस आग लगने के कारणों का पता करने में जुटी है। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान जेसीबी कंपनी में आग लगने के बाद धुंआ निकलता देख वहां पर मौजूद अधिकारी-कर्मचारी कंपनी छोड़कर हाईवे पर जमा हो गए। कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड ने फायर सिस्टम का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, परंतु आग पर काबू नहीं पा सके। जिसके बाद दमकल विभाग की करीब डेढ़ दर्जन से अधिक गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

फ्लैट की चौथी मंजिल पर तेज धमाके के साथ सिलेंडर फटा

जयपुर। करणी विहार इलाके में एक फ्लैट की चौथी मंजिल पर सिलेंडर में अचानक से आग लग गई। जिसके बाद अपार्टमेंट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सनसनी तो तब फैली जब सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया और बालकनी की दीवार तोड़कर चौथी मंजिल से नीचे आ गिरा।

तेज धमाके के कारण अपार्टमेंट में लगी खिड़कियां के कॉच टूट गए। कॉच तेज धमाके साथ घटना स्थल पर मौजूद एक पुलिसकर्मी के हाथ में घुस गए और वो जख्मी हो गया। जिसके बाद मौके पर मौजूद अन्य पुलिस कर्मियों ने घायल को एम्बुलेंस की मदद से तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। आग लगने की सूचना पर मौके पर दमकल विभाग मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि थाना इलाके में स्थित गांधी नगर वेस्ट के गिरिराज विहार में विनायक अपार्टमेंट मालिक सोमवार सुबह पूजा-अर्चना करने के बाद घर से निकल गए और कुछ देर बाद ही वापस आया तो देखा की घर के अंदर से धुंआ निकलता दिखाई दिया। पीड़ित ने तुरंत दरवाजा खोला तो अंदर की बालकनी में आग की लपेटे दिखाई दी।

जे.बी.आर. गैंग का सरगना जीतू जयपुर में गिरफ्तार

पिछले दो साल से फरार था 25 हजार रुपए का यह इनामी हिस्ट्रीशीटर

जयपुर (कासं)। झुंझुनूं पुलिस ने कुख्यात बदमाश और जेबीआर गैंग के मुख्य सरगना जितेन्द्र सिंह उर्फ जीतू चिराना को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज राघवेन्द्र सुहासा और एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में चली इस विशेष कार्यवाही में 25 हजार रुपये के इस इनामी बदमाश को जयपुर से दस्तयाब किया गया।

एसपी उपाध्याय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जीतू चिराना गोठड़ा थाने का हिस्ट्रीशीटर है और वह एक संगठित गैंग का संचालन करता है। आरोपी के खिलाफ लूट, डकैती, चोरी, अपहरण और आर्म्स एक्ट जैसे संगीन जुर्मो के करीब 15 मामले दर्ज हैं। वह पिछले दो साल से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था और अपनी फरारी के दौरान लगातार स्थान बदल रहा था। पुलिस को वर्तमान में कुल 5 विभिन्न प्रकरणों में उसकी तलाश थी। जीतू चिराना की गिरफ्तारी के पीछे 22 दिसंबर 2023 की वह घटना भी शामिल है, जिसमें उसने चिराना निवासी मोहित की कार को अपनी स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार जीतू और उसके साथियों ने कार पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी थी। इस वारदात के बाद से ही वह मुख्य आरोपी के तौर पर फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गोठड़ा थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मीणा और डीएसटी प्रभारी सरदारमल के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया था। तकनीकी सहायता और मानवीय आसूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार 28 दिसंबर को जयपुर में दबिश देकर उसे पकड़ लिया। पुलिस अब आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। इस पूछताछ के दौरान जेबीआर गैंग के अन्य सक्रिय सदस्यों और उनके ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जीतू चिराना की गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय संगठित अपराधों पर लगाम लगेगी।

सार-समाचार

लक्ष्मीनारायणजी मंदिर में पौषबड़ा 1 को

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के सी-स्कीम में भगत सिंह मार्ग स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायणजी में नववर्ष पर 1 जनवरी को पौष बड़ा प्रसादी वितरण का आयोजन किया जायेगा। पंडित प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि शाम 6 बजे भगवान को भोग लगाने और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं में प्रसादी वितरित की जाएगी। मंदिर प्रांगण में इस आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है।

दुष्कर्म का आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती से दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने युवती से अपनी जाति छुपाकर नजदीकियां बढ़ाई और बाद में उसे डरा-धमकाकर दुष्कर्म करने के साथ ही नकदी व जेवर भी हड़प लिए। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि पीड़िता ने 2 नवंबर 2025 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी और अध्ययन के लिए एक लाइब्रेरी जॉइन की थी। इसी दौरान लाइब्रेरी संचालक अतुल सैनी उर्फ अशोक शर्मा ने उससे संपर्क बढ़ाया। आरोपी ने स्वयं को ब्राह्मण बताकर युवती से नजदीकियां बनाईं और बाद में उसे कॉल-मैसेज कर परेशान करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसे व उसके परिवार को बदनाम करने और बेटी को जान से मारने की धमकी देकर 42 हजार रुपए नकद ले लिए। साथ ही आरोपी ने सोने-चांदी के जेवरात-सोने की चेन, मंगलसूत्र, झुमके,अंगूठियां सहित करीब चार लाख रुपए मूल्य के स्त्रीधन को भी हडप लिया। इसके बाद आरोपी ने डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मामला दर्ज कर आरोपी अतुल सैन उर्फ अशोक शर्मा निवासी कुम्हेर जिला भरतपुर हाल सिद्धार्थ नगर थाना एयरपोर्ट जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

श्री चमत्कारेश्वर मंदिर में पौषबड़ा प्रसादी

जयपुर। पानीपेच-झोटवाड़ा रोड स्थित श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में 59वाँ पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया। मंदिर प्रांगण में बाबा भोलेनाथ का अलौकिक श्रृंगार और महाआरती की गई। सर्वप्रथम 551 संतो को प्रसादी के रूप में देसी घी का हलवा, दाल के बड़े, पुरी-सब्जी जिमाई गई। उसके पश्चात मंदिर परिसर में करीब 11 हजार भक्तों को पंगत प्रसादी कराई गई। कार्यक्रम में समिति परिवार के सदस्य हरीश शर्मा, राजकुमार मोदी, राजेंद्र शर्मा, अनुपम शाह, नरेश सिंघल, विनोद अग्रवाल, रविंदर यादव, विष्णु बियानी, मनीष केडिया, महेश सैनी, महेंद्र खंडेलवाल, कालीचरण शर्मा, संदीप बागड़ी, किशन लाल गुप्ता, श्याम लाल यादव, श्याम सुंदर गोयल, राधा कृष्ण मॉडन, विमल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, रवि प्रकाश चौधरी, राजू जांगिड आदि उपस्थित रहे।

बंगाली बाबा मंदिर में पौषबड़ा कल

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में विशाल पौषबड़ा महोत्सव बुधवार होने जा रहा है। यह शहर की सबसे बड़ी पौषबड़ा प्रसादी होती है, जिसमें 50 हजार के आसपास श्रद्धालु पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण करेंगे। आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही है। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव के तहत सबसे पहले प्रथम पूज्य बंगाली बाबा व स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव का आकर्षक श्रृंगार कर पौषबड़ा प्रसादी का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद सबसे पहले संत-महंत की प्रसादी शुरू होगी,तत्पश्चात देर रात तक 50 हजार के आसपास श्रद्धालु पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण करेंगे। संरक्षक रघुवीर शरण अग्रवाल, महामंत्री गजेन्द्र लूनीवाल,कोषाध्यक्ष विष्णु कुमार अग्रवाल व सह कोषाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने बताया कि प्रसादी बनने का कार्य मंगलवार से शुरू हो जाएगा। प्रसादी में 2 हजार किलो सब्जी,2 हजार किलो चीनी,1 हजार किलो सूजी,ढाई हजार किलो दाल,6 हजार किलो आटा,100 पीपे घी व 150 पीपे तेल आदि सामग्री काम आएंगी। इस प्रसादी को 100 भट्टियों पर करीब 400 के आसपास कारीगर तैयार करेंगे।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चोरी करने वाले दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इन आरोपियों के पास से आठ चोरी के दुपहिया वाहन (बाइक-स्कूटी) भी बरामद की हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने के आदि है और नशे की लत के लिए दुपहिया वाहनों की रैकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि प्रताप नगर थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर वाहन चोर नवीन चौधरी उर्फ लुक्का (20) निवासी प्रताप नगर और रवि महावर (23) निवासी लालसोट जिला दौसा को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से आठ चोरी के दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदात करते थे। इसके अलावा आरोपित नवीन चौधरी पूर्व में भी मोबाइल स्नेचिंग और वाहन चोरी में चालान शुदा है। जिसने शिप्रापथ, एस.एम.एस, शिवदासपुरा, मालपुरा गेट, सांगानेर सदर, श्याम नगर व प्रताप नगर थाना इलाके में दुपहिया वाहन चोरी किये है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में अन्य चोरी की वारदातों के खुलासे की भी उम्मीद जताई जा रही है।

Celebrating the Sizzle: National Bacon Day

National Bacon Day, observed on December 30, celebrates the beloved smoky, crispy delight that has earned a special place on breakfast plates and beyond. Food lovers across the country honor this day by cooking, sharing, and savoring bacon in all its forms, from classic strips to innovative dishes. Beyond its irresistible taste, the day is a tribute to culinary creativity, as chefs and home cooks experiment with bacon in sandwiches, desserts, and gourmet recipes. National Bacon Day also brings together communities of bacon enthusiasts, encouraging everyone to indulge responsibly while appreciating the savory tradition that continues to inspire kitchens everywhere.

#SWASTIKA

The Swastika Lived And Lives

Threads of Time: The Symbol and Shared Heritage Between India, Iran, and Ukraine

Across the vast expanse of Eurasia, from the steppes of Ukraine to the deserts of Iran and the plains of India, ancient civilizations left behind more than just ruins and relics, they etched symbols, stories, and beliefs into the objects they crafted. One of the most striking examples of this shared cultural thread is the swastika, a symbol that appears in artifacts across these three seemingly distant regions, often carrying remarkably similar meanings.

In particular, two fascinating artifacts bring this connection to life: a golden necklace from ancient Iran bearing a swastika symbol, and a mammoth ivory bird figurine from Ukraine, also engraved with the swastika. In India, of course, the swastika continues to be a sacred symbol to this day, representing auspiciousness, prosperity, and cosmic order.

The Swastika: A Global Ancient Symbol

Long before the swastika was co-opted and distorted in the 20th century, it was a revered symbol across many ancient cultures. The name itself comes from Sanskrit: 'svastika,' from su (good) and asti (to be), meaning 'well-being' or 'good existence.' Its form, usually a cross with bent arms, appears in countless early civilizations, especially those connected by Indo-European roots.

Iran's Golden Necklace: A Glimpse into Ancient Beliefs

In ancient Persia (modern-day Iran), the swastika was part of a symbolic language that expressed divinity, cosmic power, and the eternal cycle of time. Archaeologists have unearthed a golden necklace adorned with the swastika symbol, possibly dating back to the Bronze or early Iron Age. Found in burial sites or temple contexts, such jewelry wasn't just decorative, it was often spiritual, serving as a talisman or symbol of social status and divine protection.

In Iranian Zoroastrian traditions, too, symbols representing light, eternity, and the struggle between order and chaos were central, and the swastika likely functioned in this symbolic realm.

Ukraine's Mammoth Ivory Bird: Echoes from the Ice Age

Even further back in time, archaeologists in Ukraine discovered a bird figurine carved from mammoth ivory, estimated to be over 12,000 years old. What astonished researchers was the presence of swastika-like engravings on the bird's surface. The figure likely held spiritual significance for the Ice Age communities who lived in the region, possibly representing a connection to the sun, the sky, or migratory cycles.

The bird itself is symbolic in many cultures, often seen as a messenger between earth and sky, the living and the divine. Paired with the swastika, this figurine becomes a powerful artifact of prehistoric cosmology.

India: The Swastika Still Lives

Unlike in the West, where the swastika's reputation was irreparably damaged in the 20th century, India has preserved the symbol's ancient meaning. In Hinduism, Buddhism, and Jainism, the swastika is ubiquitous, drawn on thresholds during festivals, etched onto temple walls, and used in rituals. It represents the sun, auspiciousness, the four directions, and the cyclical nature of time.

Its continued use in Indian culture provides a living link to the symbol's ancient, pan-Eurasian roots, showing that the swastika was once a powerful spiritual motif shared across continents.

Cultural Convergence: Indo-European Connections?

The appearance of similar symbols in India, Iran, and Ukraine may not be a coincidence. Linguistic and genetic studies point to deep connections among the Indo-European peoples, whose migrations and cultural exchanges shaped much of Eurasia. The swastika could have traveled with these ancient communities, evolving in meaning while retaining its core symbolism.

Moreover, the reverence for birds, gold, cosmic cycles, and solar motifs, all seen in the artifacts mentioned, suggests that certain archetypal ideas transcended geography. Whether through trade, migration, or shared ancestry, these symbols show how early humans sought to understand their world in surprisingly similar ways.

Conclusion: A Shared Heritage, Etched in Symbols

The golden necklace from Iran, the ivory bird from Ukraine, and the living traditions of India all whisper of a shared human past, one that was curious, spiritual, and symbolically rich. The swastika, far from being a symbol of hate, was once a mark of life, light, and balance across civilizations.

By studying these connections, we are reminded that human cultures, no matter how far apart, often dream the same dreams, draw the same symbols, and seek the same answers.

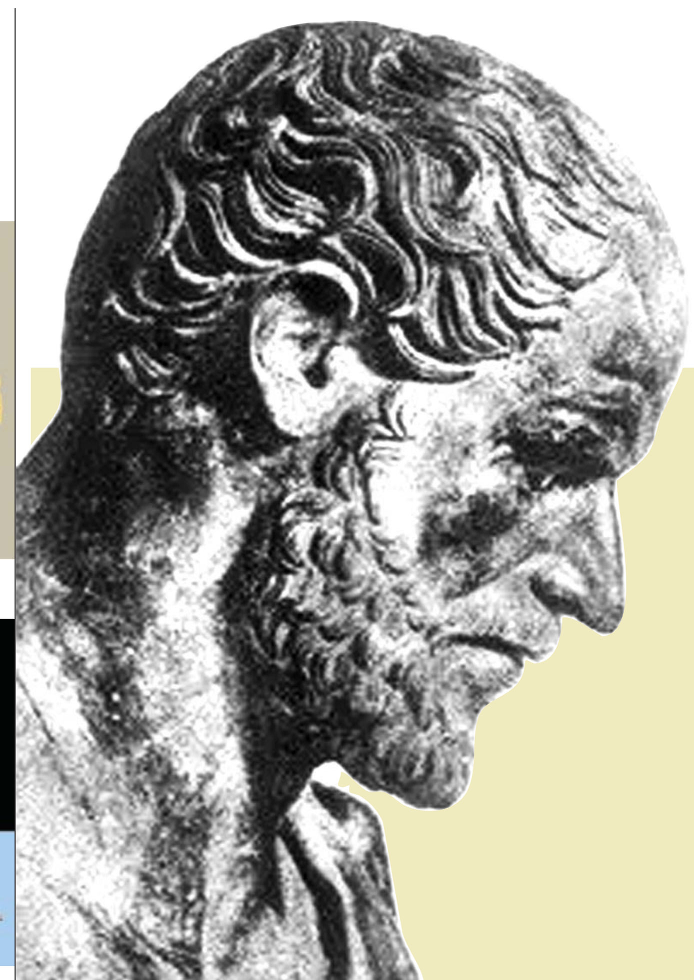

Ruling Is Fated To Be Flawed !

Aristotle's political cycle underscores a fundamental truth about human governance: political systems, no matter how well designed, are ultimately vulnerable to the flaws of human nature. Whether monarchy degenerates into tyranny, aristocracy into oligarchy, or democracy into dictatorship, the imperfection of leaders and institutions ensures that every system is subject to decay. Aristotle's insights remain as relevant today as they were in ancient Greece, reminding us that while human systems of governance may strive for justice, they will always be shaped by the imperfections of those who lead.

● Bulbul Joshi

Aristotle, one of the greatest philosophers of ancient Greece, devised a political theory that has been foundational to the understanding of political systems and their inevitable cycles. The Greek philosopher Aristotle added many ideas to political thought which continue to influence governance today. He explored everything from the relationship between happiness and virtue to the best forms of governance to the relationship between freedom, happiness, and citizenship. According to Aristotle, political systems tend to go through cycles: from one form of good governance to its degeneration into corruption, and eventually to another system. This cycle of Monarchy, Aristocracy, and Democracy, often followed by their corrupt counterparts, Tyranny, Oligarchy, and Mob Rule, illustrates a pattern of governance that is deeply influenced by the imperfection of human nature.

By examining historical examples, from the reign of Marcus Aurelius to the rise of Caesar's dictatorship and Lincoln's democracy, we can see how Aristotle's cycle of political change has unfolded throughout history. These examples also reveal how human flaws in leadership, ambition, and governance perpetuate this cycle.

Monarchy to Tyranny: Marcus Aurelius and Commodus

Aristotle's concept of monarchy is one of rule by a single, virtuous leader, ideally working for the good of the people. Marcus Aurelius, the Roman Emperor from 161 to 180 AD, is often regarded as a philosopher-king, embodying the ideal of the wise and just ruler. A Stoic philosopher, Marcus Aurelius, ruled with wisdom, virtue, and a sense of duty to his people. His reign, marked by relative peace and stability, is seen as the pinnacle of Roman governance.

However, according to Aristotle's political cycle, even the best of monarchies can degenerate into tyranny. Marcus Aurelius' son, Commodus, succeeded him and epitomized the shift from virtuous monarchy to oppressive tyranny. Commodus was indulgent, corrupt, and cruel, contrasting sharply with his father's stoic and temperate leadership. His reign was marked by extravagance, self-glorification, and a blatant disregard for the welfare of the Roman Empire. Commodus' tyrannical rule serves as a direct example of how monarchy can be corrupted into tyranny when leadership is not aligned with virtue and public service.

Aristocracy to Oligarchy: The Florentine Renaissance

Aristotle's idea of aristocracy refers to rule by the best citizens, typically those who possess both virtue and wisdom. The Florentine Renaissance provides an example of how an aristocratic system can transition into an oligarchy-rule by a small elite interested more in preserving their wealth and power than promoting the common good.

During the 15th century, Florence was ruled by powerful families, most notably the Medici family. Under Lorenzo de' Medici, known as Lorenzo the Magnificent, Florence flourished as a hub of culture, art, and intellectual achievement. The Medici were viewed as aristocrats in the ideal sense, wealthy, cultured, and capable of governing the city with wisdom.

"The Murder of Caesar" by Karl von Piloty, 1865.

#ARISTOTLE'S POLITICAL CYCLE

The French Revolution.

However, over time, the Medici rule shifted from a system focused on civic virtue to a more corrupt form of oligarchy. The family's power became more entrenched, and the government focused less on serving the needs of the populace. The once vibrant and idealistic aristocracy turned into a closed, self-interested elite, concentrating power among a few and ignoring the needs of the people. The Medici family's gradual shift from aristocracy to oligarchy exemplifies the degeneration Aristotle foresaw in his political cycle.

Revolution Against Aristocracy: The French Revolution

Aristotle suggested that when aristocracies become corrupt, they often provoke popular uprisings, leading to a revolution. The French Revolution of 1789 provides a perfect example of how a corrupt aristocracy can lead to violent change. For centuries, the French aristocracy had lived in luxury, while the common people faced dire poverty, heavy taxation, and political disenfranchisement.

The French Revolution was a reaction against the aristocracy's privilege and the monarchy's oppressive rule. The storming of the Bastille and the subsequent overthrow of King Louis XVI and his government marked the fall of the old aristocratic regime. The revolutionaries sought to replace the aristocracy with a new government that represented the will of the people. However, as Aristotle predicted, revolutions are not without their flaws. The ideals of liberty, equality, and fraternity soon gave way to the Reign of Terror, where figures like Robespierre led a government that became equally oppressive, eventually culminating in the rise of Napoleon Bonaparte.

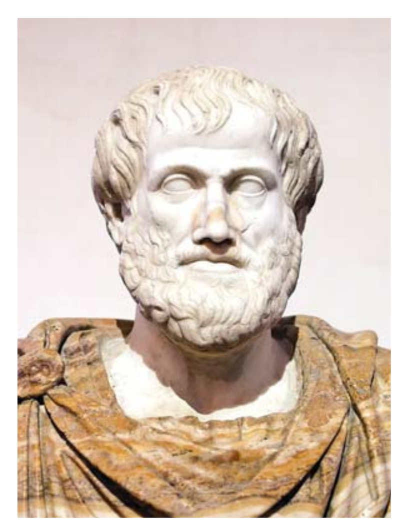

Roman copy (in marble) of a Greek bronze bust of Aristotle by Lysippos (c. 330 BC), with modern alabaster mantle.

Democracy and Leadership: Abraham Lincoln's Vision

According to Aristotle, democracy, in its ideal form, is government by the many, working for the common good. Abraham Lincoln's leadership during the American Civil War is an example of democracy at its best, as he worked to preserve the Union and end slavery. Lincoln believed in the core democratic principles of liberty and equality and sought to reconcile the divided nation through his leadership.

However, even democracy is not immune to the dangers Aristotle warned of. In times of crisis, democratic systems can face challenges that push them towards authoritarianism. Lincoln's use of executive power during the Civil War, such as the suspension of habeas corpus, was controversial and raised questions about the balance between leadership and civil liberties. While Lincoln's leadership preserved the United States as a democratic nation, it also reflected the tension between democratic ideals and the pragmatic realities of governance.

Caesar's Dictatorship: The Fall of the Roman Republic

Julius Caesar's rise to power offers an example of how democracy can be corrupted into dictatorship. The Roman Republic, once based on elected officials and checks on power, fell into disorder due to internal corruption, civil wars, and political instability. In this environment, Caesar emerged as a strong leader, promising to restore order.

In 49 BC, Caesar crossed the Rubicon with his army, defying the Roman Senate and beginning a civil war. After defeating his rivals, Caesar was appointed dictator for life. While he implemented some reforms, his rise to power marked the end of the Roman Republic and the beginning of autocratic rule, leading eventually to the Roman Empire. Caesar's dictatorship highlights how democracy can give way to tyranny when political institutions become too weak to maintain control.

A Flawed Human System

Aristotle's political cycle underscores a fundamental truth about human governance: political systems, no matter how well designed, are ultimately vulnerable to the flaws of human nature. Whether monarchy degenerates into tyranny, aristocracy into oligarchy, or democracy into dictatorship, the imperfection of leaders and institutions ensures that every system is subject to decay.

The political cycle is not an inevitability but a cautionary tale. History teaches us that political systems must constantly adapt and be vigilant against corruption and the concentration of power. Aristotle's insights remain as relevant today as they were in ancient Greece, reminding us that while human systems of governance may strive for justice, they will always be shaped by the imperfections of those who lead.

What is the best form of government?

The best form of government, according to Aristotle, is polity because it best allows the middle class to govern the greater political community. Aristotle argues that middle class governance is ideal when he writes:

"Thus, it is manifest that the best political community is formed by citizens of the middle class, and that those states are likely to be well-administered in which the middle class is large."

He justifies this claim by warranting:

"For the addition of the middle class turns the scale, and prevents either of the extremes from being dominant."

The two extremes Aristotle references here are the wealthy (with their associated vices), and the poor (with their vices). He describes the vices as such:

"He who greatly excels in beauty, strength, birth, or wealth, or on the other hand, who is very poor, or very weak, or very much disgraced, finds it difficult to follow rational principle. Of these two, the one sort grow into violent and great criminals, the others into rogues and petty rascals."

He then contrasts the extremes with the middle class, saying:

"The middle class is least likely to shrink from the rule, or to be over-ambitious for it."

The middle class has the virtuous balance necessary for good governance. Aristotle finally labels this form of government when he says:

"It is clear that the admixture of the two elements, that is to say, the rich and poor, is to be called a polity."

Hence, Aristotle considers polity to be the best form of government.

rajeshsharma1049@gmail.com

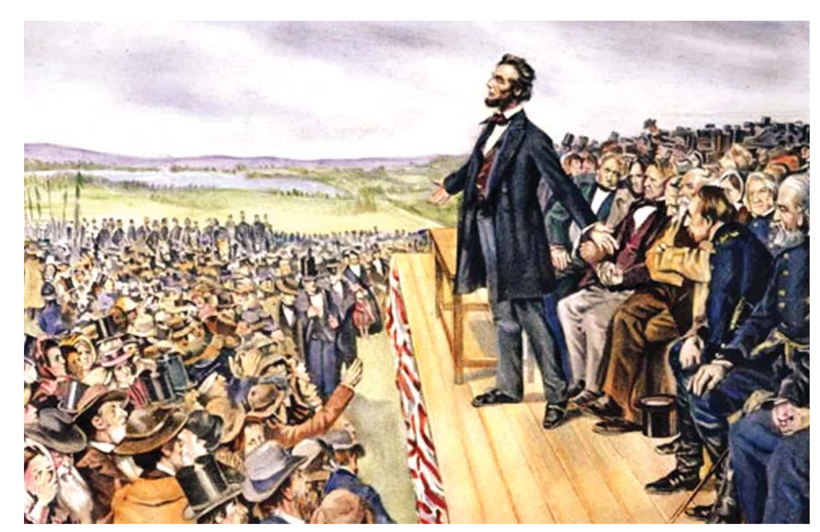

Lincoln delivering his famous Gettysburg Address in 1863.

#PROPHECY

The Red Heifer

The Prophecy of the Red Heifer, an Ancient Ritual and a Modern Sign

For thousands of years, the Red Heifer, known in Hebrew as the Parah Adumah, has captured the imagination of believers, scholars, and theologians alike. Mentioned in the *Book of Numbers* in the Hebrew Bible, this rare animal is tied to one of the most mysterious and sacred purification rituals in Jewish tradition. Yet, in recent times, it has also become the focus of renewed religious anticipation, with some viewing its reappearance as a prophetic sign of the world's spiritual renewal, and even the coming of the Messiah.

Biblical Origins

The story of the Red Heifer originates in the Book of Numbers, Chapter 19, where God commands Moses and Aaron to find a perfect, unblemished heifer that is entirely red in color and has never been used for work. This animal was to be sacrificed outside the camp, and its ashes mixed with pure, running water to create a solution used for purification rituals, specifically to cleanse those who had become impure through contact with the dead.

The ritual of the Red Heifer was unique in its paradox. While it cleansed the impure, it simultaneously rendered the priest who performed it impure himself. The ceremony served not only as a physical act of purification but also as a profound symbol of the human struggle between purity and impurity, life and death. In ancient Israel, these ashes were considered essential for temple service and for the spiritual cleanliness of the people.

The Prophecy and the Promise

As centuries passed, the Red Heifer took on a deeper symbolic role in Jewish thought. According to Maimonides (Rambam), the great medieval Jewish philosopher, only nine Red Heifers had ever been sacrificed from the time of Moses until the destruction of the Second Temple in 70 CE. He wrote that the tenth Red Heifer would appear in the Messianic Age, when the world would be restored to purity and divine order. This belief transformed the Red Heifer from a ritual animal into a sign of redemption, a prophetic harbinger of the Messiah's arrival. This idea has persisted through generations. In modern times, many devout Jews and Christians view the search for a flawless Red Heifer as a sacred mission, a necessary step towards the rebuilding of the Third Temple in Jerusalem, which according to prophecy, will usher in a new era of peace and divine presence on earth.

The Quest for the Perfect Heifer

Finding a truly perfect Red Heifer is extraordinarily difficult. The Torah's criteria are precise: the animal must be entirely red, with no more than two hairs of a different color. It must never have been yoked, never used for labor, and must be free from any physical blemish. Because of these strict requirements, no verified Red Heifer has existed for nearly two millennia.

In recent years, however, reports of potential candidates have reignited excitement. Some organizations in Israel, including the Temple Institute in Jerusalem, have worked to identify or even breed red heifers that meet biblical standards. Occasionally, animals are discovered that seem to qualify, but upon close inspection, they are disqualified due to minute imperfections, such as a few non-red hairs or small blemishes. Still, each new birth of a red calf sparks renewed hope among believers who see it as a possible fulfillment of ancient prophecy.

Modern Controversies and Expectations

The Red Heifer prophecy also touches on complex religious and political issues. The Third Temple, which some see as a necessary part of the prophecy, would be built on or near the site of the ancient Jewish temples in Jerusalem, an area that is also sacred to Islam. This has made any discussion of temple reconstruction deeply controversial. Many Jewish scholars caution against treating the appearance of a red heifer as an immediate prophetic sign, emphasizing that divine timing, not human planning, will determine when prophecy is fulfilled. Among Christian theologians, particularly those focused on biblical prophecy, the Red Heifer is often seen as a symbol of the approaching end times. Some interpret it as a precursor to the fulfillment of apocalyptic prophecies in the *Book of Revelation,* while others view it as a metaphor for spiritual purification and the ultimate redemption of humankind.

The Symbolism of Purity and Renewal

Beyond its prophetic implications, the Red Heifer carries enduring spiritual meaning. In the ancient ritual, the ashes symbolized purification from death, restoring what was lost, both physically and spiritually. The act of cleansing through sacrifice represents humanity's longing for renewal, forgiveness, and divine closeness. The heifer's striking red color, associated with blood, life, and sacrifice, reflects the idea that true purity often comes through struggle and surrender. In a broader sense, the Red Heifer reminds humanity of the eternal cycle of impurity and restoration, death and rebirth. It embodies the hope that, even in times of moral or spiritual decay, cleansing and renewal are possible through faith and obedience.

THE WALL

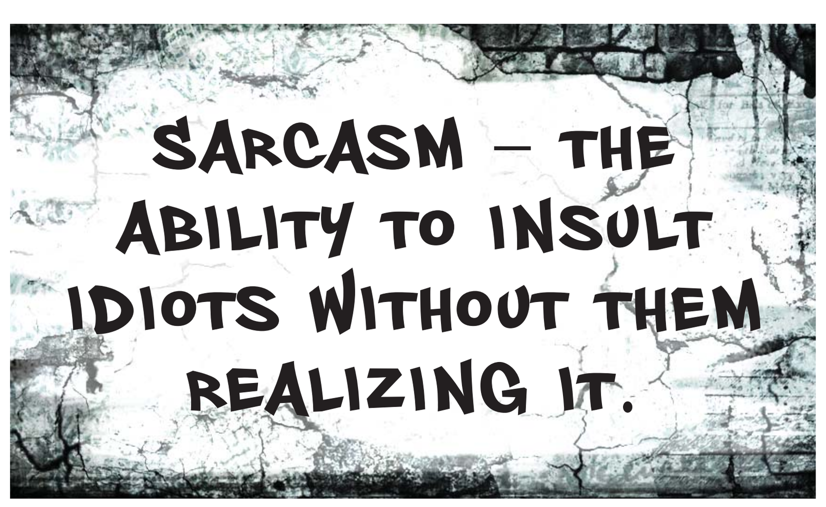

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

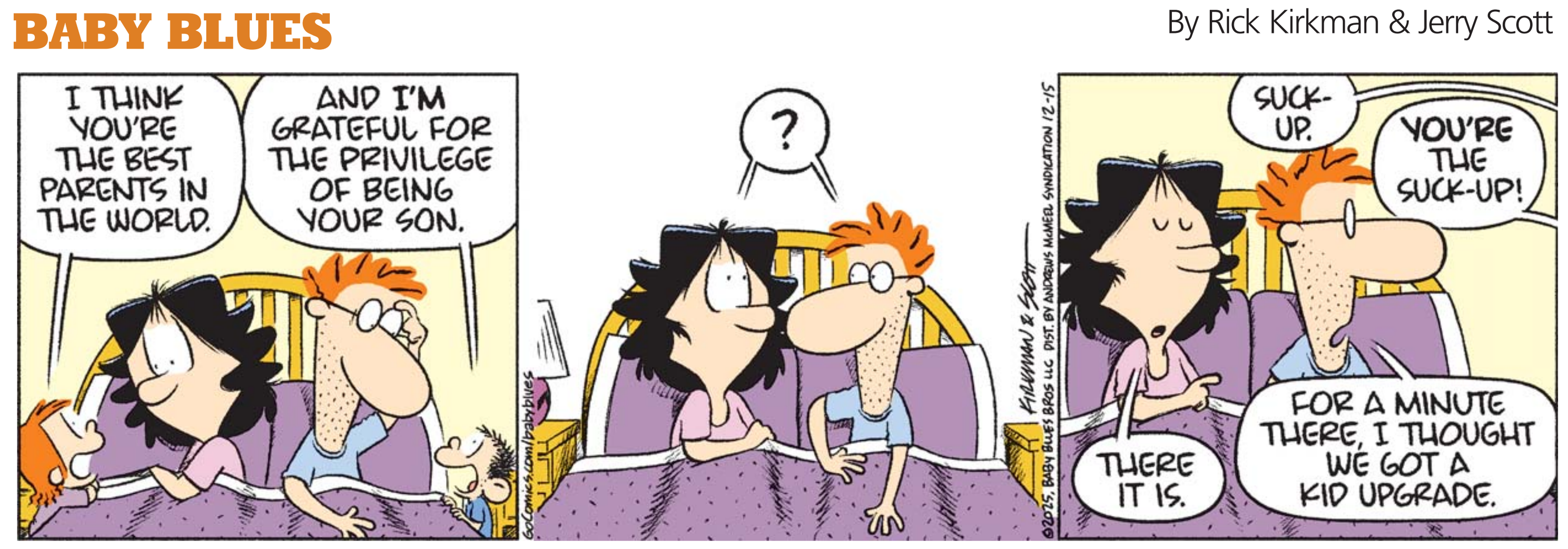

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

जोधपुर शहर में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी

शहर के होटल, रिसॉर्ट, होम स्टे और गेस्ट हाउस फुल, रौनक बढ़ी

जोधपुर, (कासं)। नए साल 2026 के स्वागत से पहले ही सूर्यनगरी पर्यटकों से पूरी तरह गुलजार है। देश और विदेश से बड़ी संख्या में लोग न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए जोधपुर पहुंच रहे हैं। शहर के होटल, रिसॉर्ट, होम स्टे और गेस्ट हाउस लगभग फुल हो गए हैं। पर्यटन स्थलों, बाजारों और ऐतिहासिक धरोहरों पर रौनक देखते ही बन रही है।

- **मेहरानगढ़ दुर्ग, उम्मेद भवन पैलेस, माचिया सफारी पार्क, सुरपुरा बांध, मंडोर उद्यान, कायलाना लेक, घंटाघर, जसवंत थड़ा सहित प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों पर टूरिस्ट पहुंच रहे हैं**

जोधपुर शहर में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है। शहर के प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट पर इन दिनों टूरिस्ट की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है। जोधपुर शहर के प्राचीन मेहरानगढ़ दुर्ग, उम्मेद भवन पैलेस, माचिया सफारी पार्क, सुरपुरा बांध, मंडोर उद्यान, कायलाना लेक, घंटाघर, जसवंत थड़ा सहित प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों पर इन दिनों देसी और विदेशी टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि ईयर एंड होने की वजह से भारी भीड़ भी नजर आ रही है। जोधपुर शहर में आम दिनों के मुकाबले टूरिस्ट की संख्या में दोगुना बढ़ोतरी हो चुकी है। जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग के म्यूजियम ट्रस्ट के प्रशासक कर्नल अजय सिंह शेखावत ने बताया कि की यहां पर आम दिनों में 2500 से 3000 के करीब पर्यटकों की आवाजाही रहती है, लेकिन इन दिनों यह आंकड़ा 6 से 7000 तक पहुंच चुका है, जिसमें देशी और विदेशी टूरिस्ट भी शामिल हैं। लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ न्यू ईयर को सेलिब्रेट करने के लिए पहुंचे हैं।

बीकानेर का रायसर नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना

बीकानेर, (निसं)। यहां रायसर नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। यहां 100 से ज्यादा टेंट सिटी बनाए गए हैं। एक ऐसी जगह, जहां कभी लोग रात में रुकने से डरते थे। यहां रेत के टीले देखने टूरिस्ट केवल दिन के उजाले में ही आते थे। दावा किया जाता था कि शाम ढलते ही यह जगह पूरी तरह वीरान हो जाती थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। जो जगह कभी वीरान रहती थी, वह अब टूरिस्ट से गुलजार है। कैमल सफारी, बाइक राइडिंग, सनसेट पॉइंट और न जाने क्या-क्या। खाने-रहने से लेकर एडवेंचर एक्टिविटी के सारे इंतजाम हैं। अब यहां दिन-रात चहल-पहल बनी रहती है। शाम ढलते ही पूरा इलाका रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। यहां के लोक गीत कानों में रस घोलते हैं। यहां आने वाले टूरिस्ट अपने साथ ऐसी यादें लेकर लौटते हैं, जिन्हें वे कभी भूल नहीं पाते।

बीकानेर में आने वाले विदेशी टूरिस्ट की संख्या काफी कम रहती थी। ऐसे में जो भी विदेशी टूरिस्ट यहां आते थे, उन्हें गाइड रेत के टीले दिखाने रायसर ले जाते थे। बताया जाता है कि उस समय यहां चारों तरफ केवल रेत के टीले ही थे। महज 10 से 50 रुपए में ऊंट गाड़ी की सवारी हो जाया करती थी। यहां न तो पीने के लिए पानी की कोई व्यवस्था थी और न ही रात में रुकने के लिए जगह। यहां आने वाले टूरिस्ट दिन में ही यह जगह देखकर वापस लौट जाते थे।

साल 2020 में यहां जैसलमेर की तर्ज पर टेंट सिटी बसाने का प्लान तैयार किया गया। जिन लोगों के धोरों में खेत थे, उन्होंने इसकी पहल की। यहां कपड़ों और मिट्टी से टेंट सिटी को डेवलप किया गया। 10 से 15 बीघा में यहां पूरा शहर बसा दिया गया। टेंट सिटी के संचालक राजू सिंह बताते हैं कि पहले यहां खेत हुआ करते थे। धीरे-धीरे उनके परिवार ने टूरिस्ट लाना शुरू किया। शुरुआत में टूरिस्ट को सिर्फ ऊंट गाड़ी पर बैठाकर ही सफारी कराई जाती थी। आज यह एरिया टूरिस्ट स्पॉट बन गया है। अब करीब 100 बीघा में यहां टेंट सिटी फैली हुई है। ये पूरा इलाका रेत के ऊंचे-ऊंचे टीलों से घिरा हुआ है।

हमला करने के छह आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

इटावा पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कोटा, (निसं)। इटावा पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में छह हमलावरों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 26 नवम्बर को फरियादी ने इटावा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 25 नवम्बर की रात्रि को वह और उसका दोस्त बुद्धिप्रकाश दोनों राम श्याम ढाबा के सामने खातौली रोड इटावा पर खाना खाने गये थे। उसी समय वहां पर चार मोटरसाईकिलों पर अखिलेश गुर्जर, बहादुर बंजारा, प्रदीप गुर्जर, निरंजन खटाणा, ब्रहमा गोस्वामी, गोलू धाकड़, ब्रजेश गुर्जर, सौरभ सैन सहित अन्य हाथों में तलवार, गंडासे, लोहे के पाईप, लठ्ठ लेकर आये और बुद्धिप्रकाश को जान से मारने की नियत से उस पर ताबड़तोड़ वार किये एवं मारपीट कर अपशब्द कहे। रिपोर्ट में कहा कि हमलावर बुद्धिप्रकाश को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर इटावा थानाधिकारी अजीत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि विशेष टीम ने प्रदीप गोचर, सौरभ सेन, रोहित कण्डारा, कौशल प्रजापत, कप्तान नागर एवं इसरार अहमद को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी आरोपियों को पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

'लोन प्रदाता फाइनेंस कंपनी परिवादी को आभूषण लौटायें'

उपभोक्ता आयोग ने फाईनेंस कंपनी को आदेश दिया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में लोन प्रदाता फाइनेंस कंपनी को आभूषण लौटाने के आदेश दिये। इस संबंध में जिला आयोग के रीडर मदनसिंह भाटी ने बताया कि जैसलमेर निवासी श्रीनाथ बिस्सा ने जिला आयोग के समक्ष एक वाद प्रस्तुत कर आईआईएफएल फाईनेंस के पास रखे उसके 50.3 ग्राम सोने के आभूषण जो उसने गोल्ड लोन राशि रुपये 2 लाख 9 हजार 4 सौ रुपये लेने के लिए फाइनेंस कंपनी के पास रखे थे। अनुबंध के अनुसार 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की अदायगी की दर से लोन राशि प्राप्त की थी।

फाईनेंस कंपनी द्वारा निर्धारित व्याज दर से अधिक ब्याज दर लगाते हुए राशि भुगतान करने अथवा सोने के आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री करने का उल्लेख करते हुए नोटिस दिया। आयोग के अध्यक्ष एवं पीठासीन अधिकारी पवन कुमार ओझा एवं सदस्य रमेशकुमार गौड़ ने उक्त प्रकरण की सुनवायी कर फाईनेंस कंपनी को नोटिस भेजा, उपस्थित नहीं होने पर कम्पनी के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गई कि बकाया लोन राशि का भुगतान करने पर परिवादी को उसके स्वर्ण आभूषण वापस लौटावें। परिवादी को हुए मानसिक, शारीरिक, आर्थिक परिवाद व्यय पेटे एकमुश्त 15 हजार रुपये अदा करें। उक्त आदेश की पालना निर्णय की तिथि से 45 दिन मे की जावें। पालना नहीं करने पर सम्पूर्ण देय राशि पर ताअदायगी 9 प्रतिशत की दर से ब्याज अदा करे।

स्यालोदड़ा गांव में क्रशर और मिनरल ग्राइंडिंग यूनिट बनती जा रही है 'मौत की फैक्टरी'

- **हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि एक माह में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो चुकी है**
- **स्यालोदड़ा में वन विभाग के खसरा नंबर 72 में स्थित चिड़ीमार पहाड़ अवैध खनन का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है**

नीमकाथाना, (निसं)। सीकर जिले की पाटन तहसील के गांव स्यालोदड़ा में संचालित स्टोन क्रशर और मिनरल ग्राइंडिंग यूनिट ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रही हैं। इन उद्योगों से उड़ने वाली सिलिका युक्त धूल के कारण मजदूर सिलिकोसिस जैसी घातक बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि बीते एक माह में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। रविवार को ओमपाल गुर्जर की जयपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे महज 17 दिन पहले उनके चचेरे भाई छाजूराम की भी इसी बीमारी के चलते जान चली गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि इन दोनों में सिलिकोसिस के स्पष्ट लक्षण थे, लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें टीबी का मरीज बताकर सिलिकोसिस पीड़ित मानने से इनकार कर दिया गया। इसके चलते पीड़ित परिवारों को सरकार की ओर से मिलने वाला मुआवजा भी नहीं मिल पाया।

ग्रामीणों का आरोप है कि स्यालोदड़ा क्षेत्र में स्थित स्टोन क्रेशर और मिनरल ग्राइंडिंग यूनिटों में काम करने वाले कई मजदूर इस बीमारी से पीड़ित हैं। बीते एक वर्ष में इन क्रेशर यूनिटों से जुड़े छह मजदूरों की मौत हो चुकी है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। इसके बावजूद किसी भी पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा नहीं दिया गया। सिलिकोसिस प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया में एक्स-रे अपलोड करने के बावजूद विभाग द्वारा आवेदन खारिज कर दिए जाते हैं। मरीजों की मांग है कि केवल कागजी प्रक्रिया नहीं, बल्कि विशेषज्ञ मेडिकल टीम द्वारा मौके पर फिजिकल जांच की जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। खनिज विभाग द्वारा प्रतिवर्ष सिलिकोसिस जांच शिविर लगाए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि इन शिविरों में आज तक किसी को भी सिलिकोसिस पीड़ित घोषित नहीं किया गया।

पिछले दस वर्षों में गांव में क्रेशर यूनिटों का तेजी से विस्तार हुआ है। यहां बड़े पैमाने पर सिलिका की पिसाई होती है, जिसकी धूल काफी दूर तक उड़ती दिखाई देती है और यही सिलिकोसिस का मुख्य कारण बन रही है। इधर, स्यालोदड़ा में वन विभाग के खसरा नंबर 72 में स्थित चिड़ीमार पहाड़ अवैध खनन का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। रविवार को भी दोपहर करीब दो बजे और शाम के समय दो-तीन बार भारी ब्लास्टिंग की गई, जिससे पूरे इलाके में धूल, धुआं और तेज कंपन के कारण दहशत का माहौल बन गया। अरावली पर्वत श्रृंखला का यह हिस्सा दिन-रात अवैध ब्लास्टिंग से कांप रहा है। खनन माफियाओं की बेरहमी ने पहाड़ को छलनी कर दिया है।

अवैध खनन के चलते हजारों पेड़-पौधे नष्ट हो चुके हैं, जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। वन क्षेत्र से कीमती क्वार्टजाइट पत्थर चोरी कर निकाला जा रहा है, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन माफिया चिडीमार पहाड़ से अवैध ब्लास्टिंग कर ट्रैक्टरों के जरिए महज एक हजार रुपये प्रति टन में पत्थर निकाल लेते हैं, जबकि उसी पत्थर से तैयार सामग्री की कीमत राष्ट्रीय बाजार में करीब पांच हजार रुपये और अंतरराष्ट्रीय बाजार में दस हजार रुपये प्रति टन तक है।ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन और ब्लास्टिंग की सूचना वन विभाग को देने पर पाटन रेंज में कर्मचारियों और संसाधनों की कमी का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचा जाता है। जबकि वास्तविकता यह है कि पाटन रेंज के कई कर्मचारी सीकर रेंज में तैनात हैं और वहीं से वेतन ले रहे हैं।

पाटन और नीमकाथाना तहसील, जहां जिले का सबसे अधिक वन क्षेत्र है, वहां संसाधनों का भारी अभाव बना हुआ है।स्यालोदड़ा क्षेत्र में करीब 30 क्रेशर प्लांट संचालित बताए जा रहे हैं, जिनमें से अधिकांश कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे। आरोप है कि क्रेशर संचालक अवैध रवन्नों के सहारे वन क्षेत्र से चोरी किए गए क्वार्टजाइट पत्थर की पिसाई कर रहे हैं। माइनिंग विभाग से मिलीभगत कर रवन्ने हासिल किए जाते हैं और स्टॉक का मिलान जानबूझकर नजरअंदाज किया जाता है। यदि खानों और स्टॉक का सही मिलान हो जाए तो पूरी सच्चाई सामने आ सकती है, लेकिन विभागीय मिलीभगत के चलते कार्रवाई नहीं हो रही।

माघ मेला तीन जनवरी से

जयपुर। तीर्थराज प्रयाग की पावन धरा पर आगामी माघ मेला पर्व का भव्य आयोजन तीन जनवरी से शुरू होकर एक फरवरी तक चलता रहेगा। इसी के चलते ठिकाना मंदिर श्री गोविन्द देव जी गोविंद धाम की कृपा से आर्ष संस्कृति दिग्दर्शक ट्रस्ट जयपुर सेवा विविध आध्यात्मिक शिविर लगाया जा रहा है। धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडेय ने बताया कि गोविंद की कृपा से गंगा जमुना के संगम तट तीर्थराज प्रयाग की पावन धरा पर शिविर आयोजित किया जाएगा।

जोधपुर को स्वच्छ बनाना हमारा प्रथम लक्ष्य होगा : के. के. गुप्ता

- **स्वच्छ भारत मिशन स्टेट कोऑर्डिनेटर गुप्ता ने बैठक ली**

के.के. गुप्ता ने जोधपुर नगर निगम में अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली।

जोधपुर/जयपुर/उदयपुर। स्वच्छ भारत मिशन स्टेट कोऑर्डिनेटर के.के. गुप्ता ने जोधपुर नगर निगम में अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक को संबोधित करते हुये के.के. गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर उतारकर उनके इस विजन को पूरा करेंगे कि देश का प्रत्येक शहर और गांव स्वच्छ सुंदर और हरा-भरा होना चाहिए। इस अभियान की ताकत को समझना होगा यह गरीब और अमीर दोनों के लिए आवश्यक है। के.के. गुप्ता ने कहा कि जोधपुर को स्वच्छ बनाना हमारा प्रथम लक्ष्य होगा। स्वच्छता पर्यटक को भी आकर्षित करती है तथा देश को समृद्ध एवं मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होती है।

के.के. गुप्ता को नगर निगम आयुक्त द्वारा आमंत्रित किया गया है कि स्वच्छ भारत मिशन के क्षेत्र में जिस प्रकार डूंगरपुर निकाय ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि प्राप्त की है उसी प्रकार जोधपुर निगम क्षेत्र को भी स्वच्छता में आगे बढ़ाने के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाए आज देश और दुनिया में डूंगरपुर स्वच्छता की मिसाल बना है उसी तर्ज पर अगर हम सब मिलकर कार्य करेंगे तो आने वाले समय में जोधपुर भी स्वच्छता के नाम से जाना जाएगा।

बैठक के दौरान यह निर्णय किया गया कि नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 36, 8, 54, 99 और 82 को पायलट प्रोजेक्ट के तहत आदर्श वार्ड के रूप में विकसित किया जाएगा। वार्ड सफाई निरीक्षक क्रमशः ललित रुपाणी, मोहम्मद आदिल, अपूर्व पुरोहित, मदन सिंह और लक्ष्मण सिंह को निर्देशित किया गया है कि, इन वार्डों में सर्वे कर हर घर का मोबाइल नंबर लेकर ग्रुप बनाया जाएगा तथा प्रत्येक घर से प्रतिदिन नियमित रूप से कचरा एकत्र होना चाहिए और गिला तथा सूखा कचरा अलग-अलग एकत्रित किया जाए। कचरा संग्रहण में टाइम बॉन्डिंग रहनी चाहिए तथा यह कार्य 365 दिन चलना चाहिए कचरा संग्रहण का समय प्रातः 6 बजे से 10 बजे तक का होना चाहिए जिसकी मॉनिटरिंग जीपीएस सिस्टम एवं जिओ टेक से की जाए। आगामी एक महीने के भीतर अन्य सभी 95 वार्ड को भी स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया गया।

गुप्ता ने निर्देशित किया कि नगर निगम क्षेत्र में बने हुए 60 शौचालय और 27 मूत्रालय की प्रतिदिन तीन-तीन बार सफाई की जानी चाहिए और प्रत्येक बार जिओ टैगिंग के साथ में फोटोग्राफ अपलोड किए जाएं। इस कार्य के लिए सफाई निरीक्षक रजनीश को पाबंद किया गया। निगम क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए और इसका उपयोग करने वाले पर उचित आर्थिक दंड लगाया जाए।

गुप्ता ने बताया कि वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए वैज्ञानिक पद्धति वाटर हार्वेस्टिंग को अपनाया जाना चाहिए जिसके लिए निगम क्षेत्र के प्रत्येक घर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाए। मकान निर्माण की मंजूरी लेने वाले मकान मालिक से वाटर हार्वेस्टिंग का भी शुल्क वसूला जाए और संबंधित अभियंता द्वारा मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन भी किया जाए और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने को अनिवार्य किया जाए। शहर के विभिन्न इलाकों में खाली पड़े प्लाटों में झाड़ियां उग जाती हैं जिस कारण विषैले जानवरों का खतरा आस पड़ोस वालों को बना रहता है, कतिपय लोगों द्वारा खाली प्लॉट में कचरा भी डाल दिया जाता है। इस स्थिति में भी सुधार करने के लिए नगर निगम द्वारा प्रत्येक खाली प्लॉट के मालिक को सफाई करने के लिए पाबंद करते हुए नोटिस जारी किया जाए और यदि निगम द्वारा सफाई कराई जाती है तो उसका शुल्क वसूला जाए।

नर्सिंग भर्ती की मांग को लेकर प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग और पैरामेडिकल कर्मचारियों ने नर्सिंग भर्ती में मेरिट बोनस अंक (10, 20, 30) के आधार पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने अपने खून से सौ पोस्टकार्ड लिखकर मुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री के नाम भेजे। नर्सिंग और पैरामेडिकल कर्मचारियों का कहना है कि यह कदम उनकी लंबे समय से चल रही संघर्ष की भावना को दर्शाता है। उनका आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों से नर्सिंग भर्ती में सिर्फ अनुभव और अन्य मानकों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि कर्मचारियों की मेहनत और मेरिट को नजरअंदाज किया जा रहा है।

किशनाराम गुर्जर को 'एम्प्लॉय ऑफ द मंथ' सम्मान मिला

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में सजगतापूर्वक एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ ड्यूटी का निर्वहन करने पर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने सोमवार को सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन पर कार्यरत वरिष्ठ तकनीशियन किशना राम गुर्जर को एम्प्लॉय ऑफ द मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया।

वरिष्ठ तकनीशियन किशना राम गुर्जर ने अक्टूबर के दौरान मंडल के डेगाना-रतनगढ़ रेल खंड में उत्पन्न विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अनुकरणीय कार्य निष्पादन करते हुए अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विभिन्न समस्याओं के समाधान में भी तत्परता दिखाई।

इस सराहनीय एवं जिम्मेदाराना कार्य निष्पादन के परिणामस्वरूप मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी द्वारा उन्हें 'एम्प्लॉय ऑफ द मंथ-अक्टूबर' पुरस्कार प्रदान किया गया। वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण) महेंद्र कुमार मीणा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध खनन व परिवहन रोकथाम हेतु कार्यवाही करते हुये थानाधिकारी पीपलू राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पीपलू थाना क्षेत्र में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये बजरी से भरे हुये एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। चालक के खिलाफ पीपलू थाना पर प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान व आरोपी की तलाश जारी है। इसी प्रकार पीपलू थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में शान्तिभंग करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही कर दिनेश पुत्र हनुमान मीणा निवासी प्यावडी, रामदेव गुर्जर पुत्र पप्पुलाल गुर्जर निवासी नाथडी व रामभजन गुर्जर पुत्र भैरुलाल निवासी मोहम्मदनगर ढाणी थाना पीपलू को गिरफ्तार किया गया।

शिल्पग्राम में विभिन्न प्रदेशों के कलाकारों ने समां बांधा

शिल्पग्राम उत्सव के नौवें दिन मुक्ताकाशी मंच पर अनेक राज्यों के लोक कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

- **म्यूजिकल सिंफनी में कई राज्यों के फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के महासंगम ने समां बांध दिया**

उदयपुर, (निसं)। शिल्पग्राम उत्सव के नौवें दिन सोमवार को मुक्ताकाशी मंच पर म्यूजिकल सिंफनी पेश की गई। जब खरताल, रबाब, मोरचंग और पुंग जैसे विभिन्न राज्यों के फोक इंस्ट्रूमेंट्स न सिर्फ एक साथ बजे, बल्कि जब एक दूसरे से सवाल-जवाब के अंदाज में ताल मिलाने लगे तो समूचा शिल्पग्राम झूम उठा। फिर, जब आखिर में गगनभेदी सुरमई आलाप के साथ तीन दर्जन से ज्यादा वाद्य यंत्रों ने एक साथ अपना रंग जमाया तो तमाम श्रोता वाह-वाह करने लगे।

शिल्पग्राम के भव्य मंच पर जब पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान की परिकल्पना और निर्देशन में तैयार इस म्यूजिकल सिंफनी में विभिन्न राज्यों के करीब तीन दर्जन फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के महासंगम ने समां बांध दिया। खास बात यह है कि इसमें राजस्थान के बॉर्डर जैसलमेर-बाड़मेर से लेकर कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ आदि अनेक राज्यों के लोक वाद्य यंत्रों का जादू छाया। सिंफनी से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। मोर पंखों के कॉस्ट्यूम में जब डांसर्स ने मयूर लोक नृत्य की प्रस्तुति दी, तो दर्शक झूम उठे। इसमें राधा और कृष्ण की लीलाओं के साथ ही खुशहाली से जुड़े इस डांस ने दर्शकों का मन मोह लिया।

मणिपुर के अनूठे शास्त्रीय और फोक मिश्रित नृत्य पुंग ढोल चेलम में नर्तकों ने पुंग (ड्रम) बजाते हुए लयबद्ध और कलाबाजियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और पुरुलिया छाऊ नृत्यों में एक्रोबेट, मार्शल आर्ट और शास्त्रीय शैली के अनूठे मिश्रण, महाराष्ट्र के लावणी में नर्तकियों के शृंगार व अदाकारी, राजस्थान के कालबेलिया डांस में नर्तकियों के करतबों ने खूब दाद पाई। मेवात क्षेत्र के भपंग वादन ने लोक कलाकार श्रोताओं के दिलों के तारों को झंकृत कर दिया। वहीं, उत्तराखंड के अनूठी और गुदगुदाती छेड़छाड़ वाले छापेली और असम के बिहू डांस की सौम्यता दर्शकों को खूब पसंद आई। इनके साथ ही मणिपुर की नृत्य शैली के साथ मार्शल आर्ट के अनूठे संगम वाले थांग-ता स्टिक डांस ने रोमांच का खूब संचार किया। वहीं गुजरात के सिद्धि धमाल व पश्चिम बंगाल के नटुआ डांस ने दर्शकों में नई ऊर्जा भर दी, तो पंजाब के धमाकेदार भांगड़ा डांस पर दर्शक खूब झूमे। सिंधी छम ने भी दर्शकों को खूब रिझाया। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर सुंदरी वादन, तेराताली, मांगणियार गायन और भवई नृत्य की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने खूब सराहा। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने सोमवार शाम मुक्ताकाशी मंच पर प्रस्तुतियां देखीं और कलाकारों की हौसला अफजाई की।

अवैध खनन के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करें : कलैक्टर

- **कलैक्टर की अध्यक्षता में अवैध खनन के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित**

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिले में अवैध खनन के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत जिला स्तरीय कमेटी की समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलैक्टर ने जिले में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए जिला स्तर एवं उपखण्ड स्तर पर खान, वन एवं पर्यावरण, राजस्व पुलिस एवं परिवहन विभाग के गठित संयुक्त दल 15 जनवरी 2026 तक संयुक्त अभियान चलाकर जिले में अवैध खनन, निर्गमन एवं भण्डारण के विरूद्ध प्रभावी रोकथाम की कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्रवाई की रिपोर्ट प्रतिदिन जिला स्तर पर भिजवाई जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में वन एवं पर्यावरण संबंधित नियमों की पालना सुनिश्चित करावे। खनन पट्टों का निरीक्षण कर पट्टेधारियों से नियमों की पालना सुनिश्चित करावे तथा अवैध खनन क्षेत्रों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर उनका समयबद्ध रूप में निरीक्षण करें। उन्होंने निर्देश दिये कि वन विभाग वन भूमि, राजस्व विभाग खातेदारी भूमि एवं खान विभाग राजकीय भूमि में अवैध खनन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें। इसी प्रकार रीको एवं यूआईटी की भूमि में अवैध खनन होने पर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान के दौरान अवैध खनन एवं भण्डारण क्षेत्रों की जांच कर आवश्यकतानुसार ड्रोन सर्वे कराया जावे। उन्होंने खनि अभियन्ता को निर्देश दिये कि ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करें तथा अवैध खनन, निर्गमन एवं भण्डारण के प्रकरणों में निर्धारित अवधि में प्रकरण का कम्पाउण्ड राशि/ निर्धारित शास्ति राशि जमा नहीं करवाने पर एफआईआर दर्ज करावे।

संक्षिप्त

किसानों को सहायता राशि दी

टोंक। मानसून वर्ष 2024 (संवत् 2081) के दौरान जिले में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से 33 प्रतिशत अथवा उससे अधिक फसल खराब होने से प्रभावित कृषकों को राज्य सरकार द्वारा बडी राहत प्रदान की गई है। वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 23 दिसम्बर 2025 को आयोजित किसान सम्मेलन में टोंक जिले के पात्र कृषकों को कृषि आदान-अनुदान राशि का भुगतान किया गया। एडीएम मालपुरा एवं प्रभारी अधिकारी (सहायता) विनोद कुमार मीना ने बताया कि जिले की कुल 9 तहसीलों के टोंक, निवाई, देवली, दूनी, नगरफोर्ट, उनियारा, अलीगढ़, मालपुरा एवं टोडारायसिंह के 865 गांवों के कुल 1,06,689 किसानों को लगभग 96 करोड़ रुपये की राशि सीधे खातों में हस्तांतरित की गई। उन्होंने बताया कि तहसीलवार टोंक 15,880, निवाई 2,456, देवली 12,536, दूनी 7,303, नगरफोर्ट 5,964, उनियारा 10,230, अलीगढ़ 8,904, मालपुरा 26,791 एवं टोडारायसिंह 16,562 किसानों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर किसानों एवं कृषक प्रतिनिधियों ने सहायता उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

अध्यक्ष का स्वागत

चाकसू। दी बार एसोसिएशन चाकसू द्वारा बार एसोसिएशन चाकसू के निवर्तमान अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा को बार कौंसिल ऑफ राजस्थान में अनुशासन समिति का सदस्य मनोनीत कर चाकसू को पहली बार प्रतिनिधित्व दिए जाने पर बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा का साफा एवं माला पहना कर गुलदस्ता भेंट कर सम्मान कर धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया इस अवसर पर भुवनेश शर्मा द्वारा नई जिम्मेदारी के लिए अनुशासन समिति के सदस्य नाथूलाल शर्मा को भी बधाई देते हुए अधिवक्ता हितों के लिए निरंतर कार्य करते रहने हेतु शुभकामना दी साथ ही बार एसोसिएशन चाकसू के नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरप्रीत सिंह एवं महासचिव श्रवण लाल शर्मा को उनके निर्वाचन पर शुभकामनाएं देते हुए दी बार एसोसिएशन चाकसू की समस्याओं का निस्तारण किए जाने हेतु सदैव सहयोग की बात कही इस अवसर पर दी बार एसोसिएशन चाकसू अध्यक्ष हरप्रीत सिंह, महासचिव श्रवण लाल शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा, निवर्तमान महासचिव दुर्गा प्रसाद बेरवा, अपर लोक अभियोजक अर्जुन सिंह राजावत, एडवोकेट अश्विनी प्रकाश जैमन आदि उपस्थित रहे।

सिया-राम विवाह के गीत गूंजे

चाकसू। चाकसू स्थित श्री चम्पेश्वर महादेव मंदिर में चल रही 9 दिवसीय श्रीराम कथा के पांचवें दिन सोमवार को राम-सीता विवाह प्रसंग का वर्णन हुआ। कथा सुनते ही श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और मंदिर परिसर 'सियावर रामचंद्र की जय' के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर राम-सीता की सजीव झांकी सजाई गई, जिसने सभी का मन मोह लिया। कथा व्यास पं. रामशरण जी महाराज (चाकसू वालों) ने बताया कि विवाह के बाद जब भगवान श्रीराम माता सीता और चारों भाइयों की बहुओं के साथ अयोध्या पहुंचे, तो पूरा नगर आनंद से झूम उठा। उन्होंने कहा कि श्रीराम के विवाह के साथ ही अयोध्या में मंगल और सुख-समृद्धि का वास हो गया। कथा के दौरान राम बारात का दृश्य जीवंत हो उठा। ढोल-नगाड़ों की धुन पर भक्त नाचते-गाते नजर आए, वहीं महिलाओं ने मंगल गीत गाकर बधाइयां दीं। वृंदावन से आए भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। कार्यक्रम के आयोजन में श्री चम्पेश्वर महादेव धर्मार्थ ट्रस्ट,चाकसू के प्रबंधक समिति के अध्यक्ष रामकिशोर जी सोनी, सचिव दिनेश जी शर्मा कोषाध्यक्ष मीठालाल शर्मा, गजानंद शर्मा, धर्मराज शर्मा, निधि जैन,चंद्रप्रकाश बडेरा सहित सभी पदाधिकारियों का सहयोग रहा।

नकद राशि का सहयोग

निवाई। शहर में स्थित पुरानी सब्जी मंडी में मानव सेवा समिति के तत्वावधान में असहाय लोगों को नकद राशि सहयोग के रूप में प्रदान की गई।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'भरतपुर में सड़क, रेलवे व हवाई कनेक्टिविटी से बढ़ेगी विकास की असीम संभावनाएं'

- मधुमक्खीपालन, आईटीआई हब, कृषि विश्वविद्यालय जैसे कार्यों से युवाओं को मिलेगा रोजगार
- सीताराम गुप्ता ने भरतपुर व डीग जिले के सर्वांगीण विकास का खाका खींचा

समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने भरतपुर में पत्रकार वार्ता की

भरतपुर (निस)। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा भरतपुर के सर्वांगीण विकास के लिए सड़क, रेलवे एवं हवाई कनेक्टिविटी से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से आने वाले वर्षों में भरतपुर के विकास को नई गति मिलेगी और जिले के आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यटन विकास को पंख लगेंगे साथ ही भरतपुर में चल रहे विकास कार्यों को गति दिलाने के लिए जिला कलेक्टर एवं भरतपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त से आग्रह किया है कि वे इन कार्यों को समय पर पूरा कराएँ जिससे भरतपुर वासियों को इनका लाभ शीघ्र मिलना प्रारम्भ हो सके। यह जानकारी एक पत्रकार वार्ता में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए खा कि उन्होंने भरतपुर के विकास के लिए स्वीकृत अनेक योजनाओ के शीघ्र पूरा होने बाद भरतपुर वासियों के इनके लाभ मिलने शुरु हो जायेंगे जिससे भरतपुर के विकास को नई गति मिलेगी और भरतपुर राज्य के विकसित जिलों में शामिल हो जायेगा। उन्होंने बताया कि भरतपुर से बहरोड़ तक फोरलेन सड़क निर्माण, डीग से पहाड़ी होते हुए गुड़गांव तक सड़क को फोरलेन करने तथा उदयपुर-आगरा वंदे भारत ट्रेन को भरतपुर होकर चलवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आगरा हवाई अड्डे के विस्तारीकरण का लाभ भरतपुर को दिलाने के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से संवाद जारी है। गुप्ता ने बताया कि हाल ही में कोटपूतली से किशनगढ़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग स्वीकृत हुआ है। इस राजमार्ग का अधिकतम लाभ भरतपुर को मिल सके, इसके लिए भरतपुर से अलवर होते हुए बहरोड़ तक फोरलेन हाईवे स्वीकृत किये जाते हैं तो ,इसका लाभ भरतपुर व डीग वासियों को मिल जायेगा क्योंकि वे सीधे ही शेखावाटी से जुड़ जायेंगे ! इससे आध्यात्म पर्यटन बढेगा और खाटूश्यामजी एवं सालासर बालाजी आना जाना सुलभ हो जायेगा जबकि भरतपुर अलवर सड़क मार्ग को फोरलेन करने की डीपीआर बनाई जा चुकी है यदि भरतपुर बहरोड़ मार्ग फोरलेन होता है तो भरतपुर के पर्यटन विकास को और गति मिल जाएगी ! जिससे भरतपुर से नई दिल्ली की दूरी कम होगी। इसके अलावा भरतपुर-मथुरा मार्ग को फोरलेन कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से पत्राचार जारी है तथा भरतपुर से गुड़गांव तक सड़क को फोरलेन करने के लिए राज्य स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इन सभी सड़क परियोजनाओं के पूर्ण होने से भरतपुर के औद्योगिक, व्यापारिक एवं पर्यटन विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि सेवर से अघापुर तक 67 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत बाईपास के निर्माण से केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के सामने यातायात का दबाव कम होगा तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और केवलादेव उद्धान के पर्यावरण संरक्षण पर भी दुष्प्रभाव नही पड़ेगा। रेल कनेक्टिविटी के संबंध में गुप्ता ने कहा कि यद्यिप भरतपुर नई दिल्ली-मुंबई एवं आगरा-जयपुर रेल मार्ग पर स्थित है, फिर भी पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उदयपुर-आगरा वंदे भारत ट्रेन को भरतपुर होकर चलाने तथा जोधपुर से प्रारंभ होने वाली वंदे भारत ट्रेन को भी भरतपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव दिलाने के लिए पत्राचार किया जाएगा। इससे देशी-विदेशी पर्यटकों को भरतपुर पहुंचने में और अधिक सुविधा मिलेगी।

अन्नदाता हूंकार रैली आज

निवाई। किसान महापंचायत के तत्वावधान में 30 दिसम्बर को जयपुर में बाईस गोदाम पेट्रोल पम्प के पीछे सहकार भवन के पास राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व किसानों की मांगों को लेकर विशाल अन्नदाता हूंकार रैली का आयोजन होगा।

किसान अन्नदाता हूंकार रैली में निवाई क्षेत्र के 220 गांवों के सैंकडों किसान शामिल होंगे। जिसकी तैयारियों को लेकर किसान महापंचायत के अध्यक्ष दशरथ सिंह चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने निवाई क्षेत्र के सैंकड़ों गांवों में सम्पर्क करके किसानों को अधिक से अधिक संख्या में रैली में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रहे है।

इस दौरान जिला अध्यक्ष गोपीलाल डोडवाडी, युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, कोषाध्यक्ष मोहनलाल खोडा खेडा, कन्नू, व भंवरलाल सहित कई पदाधिकारियों ने गांवों में पहुंचकर लोगों को रैली में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रहे है।

जेल भरो आंदोलन के सेनानी सम्मानित

भरतपुर (निस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस पर जिला कांठोस भरतपुर के तत्वावधान में भूरीसिंह व्यायामशाला भकरतपुर में कांग्रेस का तिरंगा झंडा फहराया गया वन्दे मातरम गीत, ध्वज गीत व राष्ट्रगान के साथ झण्डे को सलामी दी गई। झंडारोहण जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश सूपा ने किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सेवादल के राष्ट्रीय प्रशिक्षक चुन्नी कप्तान ने मौजूद सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रतिज्ञा दोहराई। इसके पश्चात गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें सर्वप्रथम सन 1978 में इंदिरा गांधी की गिरफ्तारी के विरोधमें जेल भरो आन्दोलन में जेल गये कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने स्वागत किया जिनमें चुन्नी कप्तान, रमेश पाठक, श्रीभगवान कटारा, धर्मप्रिय शर्मा, प्रकाश शांडिल्य, राजेन्द्र सारस्वत, रमेश धावई, श्याम सुन्दर गुर्जर को माला पहनाकर स्वागत किया। दिनेश सूपा व डॉ. दयाचंद पचोरी ने कांठोस इतिहास पर सम्बोधन दिया। अन्य विचार प्रकट करने वालों में पार्षद रामेश्वर सेनी, ब्रजेन्द्र चीमा, योगेश सिंघल, मनोज पटेल, ब्रजभूषण जाटव, निरंजन जघीना, हरजीत सांखला, पार्षद नरेन्द्र चौधरी प्रमुख थे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप. मुख्य बिजली इंजी. (कारखाना), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिए गए कार्य के लिए दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। 1. निविदा संख्याः EL/50/22/2024-25 RT4; 2. कार्य का नाम व स्थानः Development of POH maintenance facilities for rolling stocks including MEMU and train-set in Carriage Workshop, Ajmer. 3. अनुमानित लागतः Rs. 12685946.46/-; 4. बयाना राशिः Rs. 213400/-; 5. ई – निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 14.01.2026 at 15:00 Hrs. एवं ई–निविदा खोलने की तारीख एवं समयः 14.01.2026 at 15:30 Hrs; 6. वेबसाइट का ब्यौरा, जहां से ई–निविदा कि पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती हैः www.ireps.gov.in. 1685-AN/25

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्र.सं.1
स्थान झुंझुनूं (राज.)
वादी सुगन सिंह विरूद्ध रामवतार
दावा बाबत BT 57/25 (80/25) CIS NO. 80/25
सिविल वाद संख्या...सन ...

प्रेषित-रामवतार नि. मुकुन्दगढ त. नवलगढ जि. झुंझुनूं पुत्र स्व. नन्दलाल जाति स्वामी निवासी हाल निवासी 343-ए, जगन्नाथ की गली, नाहरगढ रोड, जयपुर तहसील नाहरगढ जिला जयपुर जिला जयपुर

वादी...ने आपके विरूद्ध ... वाद के लिए संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 23.01.2026 को दिन के 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद तारीख 20 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम संख्या 1, झुंझुनूं

भरतपुर में उद्यमियों का प्रशिक्षण शुरु

- प्रशिक्षण प्रभारी बलवीर सिंह ने उद्यिमता विकास को क्षेत्र की आर्थिक मजबूती का मूल आधार बताते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन, समय पर पंजीकरण एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी से छोटे उद्योग भी बड़े उद्योगों की श्रेणी में अपनी पहचान बना सकते हैं

भरतपुर (निस)। राष्ट्रीय लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम संस्था तथा जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में वर्कमैन के क्षमता संवर्धन एवं विकास हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को परशुराम धर्मशाला, रेलवे स्टेशन रोड, भरतपुर में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से बुधवार तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी बलवीर सिंह ने उद्यिमता विकास को क्षेत्र की आर्थिक मजबूती का मूल आधार बताते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन, समय पर पंजीकरण एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी से छोटे उद्योग भी बड़े उद्योगों की श्रेणी में अपनी पहचान बना सकते हैं।

इस अवसर पर मयंक शर्मा, जिला उद्योग केंद्र ने कहा कि वर्कमैन किसी भी उद्योग में उत्पादन एवं गुणवत्ता की रीढ होता है। एक सफल वर्कमैन को सुलभ, शालीन एवं नेतृत्व क्षमता से युक्त होना चाहिए, ताकि वह टीम को साथ लेकर लक्ष्य की प्राप्ति कर सके। वहीं नीतू सिंह, प्रशिक्षण समन्वयक ने वर्कमैन की भूमिका एवं उद्योगों की सफलता में उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभावी पर्यवेक्षण से उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता एवं कार्य संस्कृति में निरंतर सुधार संभव है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा एमएसएमई के अंतर्गत आने वाले विभिन्न उद्योगों, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं, अनुदान, ऋण सुविधाओं तथा उद्यम विस्तार के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही वर्तमान में संचालित उद्योगों को अधिक प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक प्रक्रियाओं एवं संसाधनों पर भी चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में वर्कमैन को टीम प्रबंधन, मशीनों के रखरखाव, उत्पाद गुणवत्ता नियंत्रण, उत्पादन तिथि एवं उत्पाद समाप्ति तिथि, लेखा-जोखा एवं उसकी उपयोगिता, फूड लाइसेंस तथा अन्य आवश्यक पंजीकरण प्रमाण पत्रों की जानकारी प्रदान की गई। उद्यम आधार की महत्ता एवं पंजीकरण प्रक्रिया को विशेष रूप से समझाया गया। कार्यक्रम में संस्था के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में वर्कमैन उपस्थित रहे।

रतन सिंह शेखावत अध्यक्ष निर्वाचित

पावटा। श्री शेखावत राजपूत सेवा संस्थान की 27सा क्षेत्र पावटा इकाई के चुनाव सर्वसम्मति से चुनाव पर्यवेक्षक भोम सिंह शेखावत एवं विकास सिंह जयसिंहपुरा तथा मोहन सिंह एवं नंदसिंह सूरजपुरा के सानिध्य मे शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सर्वसम्मति से संपन्न हुए।

चुनाव प्रक्रिया में क्षेत्र के समाजबंधुओं ने बढ-चढकर भाग लिया और संगठनात्मक मजबूती के लिए सर्वसम्मति से श्री राजपूत सेवा संस्थान 27 सा क्षेत्र इकाई पावटा अध्यक्ष पद पर सर्व सम्मति से रतन सिंह शेखावत गुरुजी को निर्वाचित किया गया। वही संरक्षक पद पर जनक सिंह, उपाध्यक्ष राजू सिंह, उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौड, महामंत्री बलबीर सिंह तंवर, कोषाध्यक्ष ओमसिंह को निर्वाचित किया गया। सत्ताईसा कार्यकारिणी सदस्य में विक्रम सिंह, भवानी सिंह, शंकर सिंह को नियुक्त किया गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का समाज के वरिष्ठ जनों एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संगठन समाज की एकता, शिक्षा, सामाजिक सेवा एवं युवा सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। सर्वसम्मति के माध्यम से नई टीम को जिम्मेदारी सौंपना संगठन की लोकतांत्रिक परंपरा को दर्शाता है। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने नव-निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

गायत्री मंत्र से ज्ञान व बुद्धि तीव्र होती है

सांभरझील में शिविर पूर्व कार्यवाहक कुलपति गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार ने गायत्री मंत्र की महिमा का बखान किया।

- गायत्री मंत्र का नित्य प्रति जाप करने से हमारी ज्ञान और बुद्धि का विकास होता है। कैलाश शर्मा ने धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक व आर्थिक विषयों पर शिविरार्थियों को जानकारी दी

सांभरझील, (निसं)। आर्य वीर चरित्र निर्माण एवं प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर सोमदेव शतांशु कुलपति अपैक्स यूनिवर्सिटी जयपुर पूर्व कार्यवाहक कुलपति गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार उत्तराखंड ने गायत्री मंत्र की महिमा का बखान करते हुए बताया कि गायत्री मंत्र का नित्य प्रति जाप करने से हमारी ज्ञान और बुद्धि का विकास होता है। दूसरे बौद्धिक सत्र में कैलाश शर्मा ने यहां के धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक व आर्थिक विषयों पर शिविरार्थियों को जानकारी प्रस्तुत की। इस मौके पर आर्य वीर दल के सभी गणमान्य जनों की मौजूदगी रही।

टूर्नामेंट का भव्य समापन

मनोहरपूर। एसएमएस स्टेडियम, जयपुर स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित सी.एस. चैलेंजर कप टूर्नामेंट 2025-26 का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे मुख्य अतिथि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा किया गया। इस प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न विभागों में कार्यरत राजकीय गैजेटेड अधिकारियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 27 दिसंबर 2025 को खेला गया। फाइनल में सचिवालय टीम और चिकित्सा विभाग (डॉक्टर्स टीम) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और मजबूत तालमेल के दम पर चिकित्सा विभाग की टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सादिका (SADIKA) से बदलकर सादिका बेगम (SADIKA BEGAM) रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाऐं। सादिका बेगम पत्नी ज़ियाउद्दीन मकान नं. 13, न्यू मदीना मस्जिद,सैय्यद कॉलोनी जयपुर, राज.

मैंने अपना नाम वसंत एस राजी से परिवर्तन कर वसंत सिंह राजी रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। पता-पं.स. झोटवाड़ा के सामने, झोटवाड़ा, जयपुर

मैं राजवरापु प्रियंका पत्नी आर्मी नंबर-15236726-के, नायक (ओपीआर) राजवरपु साई गोपी, ग्राम-गुंटूर, पोस्ट-कलेक्ट्रेट, तहसील और जिला-गुंटूर। राज्य-आंध्र प्रदेश पिन 522004, मेरे पति के सेवा अभिलेख में मेरा नाम चेधाराजुपल्ली प्रियंका दर्ज है जो की गलत है मेरा सही नाम राजवरपु प्रियंका है।

मैंने अपना नाम अब्दुल रईस खान से बदलकर अब्दुल रईस (ABDUL RAIS) पुत्र मोहम्मद इस्मार्ल निवास 2344, नला नीलगरान, कॉवटियों का खुर्रा, रामगंज बाजार, जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे (ABDUL RAIS) के नाम से जाना पहचाना जावें।

खोया पाया

मैं लक्ष्मण दास स्वामी पुत्र नारायण दास स्वामी निवासी काशीपुरा बस्सी जयपुर (राज.) पिन 303908 मेरे प्रापर्टी के कागजात कहीं गिर गये है कीर्ति नगर कॉपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लॉट नं. 20 व 21 वृंदावन विहार प्रथम जोतडावाला सांगानेर रजिस्ट्रेशन नं. 2446/L पेमेन्ट रसीद नं. 1016 और 1015 है। जिस किसी को भी मिले मेरे मोबाइल या मेरे पते पर सम्पर्क करें-9649352538, 9950671469

मेरे शॉप नं. C5'S-56 निजी खातेदारी की योजना चोरडिया सिटी अजमेर रोड जयपुर की निजी खातेदार से जारी मूल NOC कहीं गुम हो गयी है मिलने पर सूचित करें-श्रीमति पार्वती जाट मो. 9314706197

लखेरा समाज को पीएम विश्वकर्मा योजना में समाज को जोड़ने की मांग

- राजस्थान ओबीसी आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल को लखेरा समाज के लिए लखेरा/लखारा कल्याण बोर्ड के गठन व प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में समाज को जोड़ने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

जयपुर। लखेरा समाज को राजनीतिक,व्यवसायिक,सामाजिक शैक्षिणक एवं आर्थिक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने तथा लखेरा/लखारा कल्याण बोर्ड के गठन व प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में लखेरा समाज को जोश कर समाज को व्यवसाय के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने की मांग को लेकर अखिल भारतीय हिन्दू लखेरा समाज युवा मंच जयपुर प्रदेशाध्यक्ष कन्हैया लखेरा (अलीगढ़) व अखिल राजस्थान हिन्दू लखेरा महासभा जयपुर प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट गोवर्धन लक्षकार (पचेवर) व शंकर लखेरा टोंक ने टोंक दोरे पर आए राजस्थान ओबीसी आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि राजस्थान ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत वर्ष में लखेरा जाति बहुतायत से निवास करती है। लखेरा जाति को राजस्थान में लखेरा,लखारा,लक्षकार नाम से जाना जाता है। लखेरा जाति का मुख्य कार्य लाख की चूड़ियां बनाकर बेचने का कार्य है। लखेरा समाज के लिए लखेरा लखारा/ कल्याण बोर्ड के गठन व प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के नाम से जोडने की सख्त आवश्यकता है। लखेरा,लखारा, लक्षकार समाज गांव-गांव ढाणी- ढाणी घूम कर लाख की चूडी बेचने का कार्य करता है। लखेरा जाति घुमन्तू व अत्यन्त पिछडी जाति है। लखेरा जाति के लिए आज तक किसी भी प्रकार की कोई सरकारी सम्बल योजना नहीं है। इसलिए चूडी का व्यवसाय पूर्ण रूप से विकसित नहीं हुआ है। लखेरा समाज बहुत गरीब व पिछड़ा वर्ग है। देश की राजनीतिक में लखेरा समाज को पार्टी संगठन पार्षद, विधायक, विभिन्न आयोग में लखेरा समाज की भागीदारी सुनिश्चित करे, जिससे लखेरा समाज भी पार्टी के साथ मिलकर देश के विकास में अपना अमूल्य महत्वपूर्ण योगदान दे सके। लखेरा समाज के व्यवसाय को उन्नत बनाने, आर्थिक रूप से सुदृढ करने व गरीबी व पिछड़ापन दूर करने के लिए राज्य सरकार के आर्थिक सहयोग, सरकारी योजना व सरकारी मदद की बहुत आवश्यकता है। जिससे समाज का व्यवसाय पूर्ण रूप से विकसित हो तथा लखेरा जाति उत्तरोत्तर प्रगति करके देश के आर्थिक विकास में भागीदारी निभा सके। उन्होंने ज्ञापन में राजस्थान ओबीसी आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल से लखेरा जाति को व्यवसायिक, सामाजिक, शैक्षिणक एवं आर्थिक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने देश के विकास में भागीदारी निभाने के लिए अन्य समाजों की तरह लखेरा समाज के लिए भी लखेरा/लखारा कल्याण बोर्ड के गठन व प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में लखेरा समाज को जोड़ कर समाज को व्यवसाय के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने की मांग की

SKN COLLEGE OF AGRICULTURE
(Sri Karan Narendra Agriculture University) JOBNER- 303329 Distt. Jaipur (Raj.)
No. :- F./SS/SKNCOA/2025/2054 Date :- 24/12/2025

ADMISSION NOTICE

Applications are invited in the prescribed format on 05.01.2026 up to 12:30 PM for Spot Admission on the ICAR quota vacant seats of B.Sc. (Hons.) Ag./M.Sc. (Ag) and M.Sc. (Hort.) in the ICAR accredited constituted colleges of SKN Agriculture University, Jobner on the basis of the marks obtained in CUET (ICAR-UG) 2025 and AIEEA (PG) 2025 & merit of the marks secured in the last qualifying examination. Application format and detailed guidelines are available on University Website **www.sknau.ac.in.**

Raj.Samwad/C/25/16578 Dean & Faculty Chairman

कोटपूतली-बहरोड़ से अंतर जिला शैक्षणिक भ्रमण दल रवाना

- कक्षा 7 व 8 के विद्यार्थियों का पांच दिवसीय शैक्षणिक दल राजस्थान के ऐतिहासिक व दार्शनिक स्थलों का करेगा भ्रमण

कोटपूतली में शिक्षा अधिकारियों ने शैक्षिक भ्रमण वाहन को रवाना किया।

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा संचालित अंतर जिला शैक्षिणक भ्रमण कार्यक्रम के तहत जिले के चयनित राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 7 एवं 8 के विद्यार्थियों का पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सोमवार से प्रारंभ हुआ। शैक्षणिक भ्रमण को जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मीणा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय दयाराम चोरडिया, यशवेंद्र तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रघुनाथपुरा के प्रधानाचार्य हंसराज यादव ने रवाना किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शैक्षिणक भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों का दल राजस्थान के पांच से छह जिलों का भ्रमण करेगा। यात्रा के दौरान विद्यार्थी राज्य के प्रमुख ऐतिहासिक, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन कर वहां के ऐतिहासिक महत्व, सामाजिक पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त करेंगे। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक एवं अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ना है। शैक्षिणक भ्रमण दल में कुल 18 विद्यार्थी हैं। दल का नेतृत्व प्रधानाचार्य हंसराज यादव कर रहे हैं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के ठहराव की व्यवस्था संबंधित जिलों में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला मुख्यालयों पर की गई है, जहां उन्हें अनुशासित, सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारियों ने कहा कि अंतर जिला शैक्षिणक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में सीखने की रुचि बढ़ती है, आत्मविश्वास का विकास होता है तथा वे अपनी संस्कृति और इतिहास को निकट से समझने का अवसर प्राप्त करते हैं। यह पांच दिवसीय शैक्षिणक यात्रा विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और स्मरणीय अनुभव सिद्ध होगी।

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांकः–न.पा.नि. / निर्माण / 2025–26 / 13456 दिनांकः– 19.12.2025

ई. बोली सूचना संख्या :– 47/2025–2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व 'http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :–

बोली का कार्य	:	NIB Code:- DLB2526A9420 (कुल 06 कार्य)
Unique Bid Number	:	DLB2526WSOB28156, 57, 58, 59, 60, 61
बोली की कुल लागत	:	Rs 119.31 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनाक	:	दिनांक 26.12.2025 को 13:00 बजे से
बोली दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	:	दिनांक 26.12.2025 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	:	दिनांक 06.01.2026 सायं 18.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	दिनांक 07.01.2026 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	:	120 Day

राज.संवाद / सी / 25 / 16554 — अध्यक्ष, नगर पालिका निवाई — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका निवाई

पावटा में यातायात नियमों का उल्लंघन, ओवरलोड 2 डंपर 2 ट्रेलर सीज

पावटा । विराटनगर क्षेत्र में परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर विभाग की टीम ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 2 डंपर 2 ट्रेलर को किया सीज किया है । परिवहन विभाग की कार्रवाई की सूचना मिलते ही विराटनगर क्षेत्र में वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। परिवहन विभाग की कार्रवाई आरटीओ भूपेंद्र डाबला नेतृत्व में की गई। परिवहन विभाग की ओर से विशेष अभियान के दौरान नियमों का उलंघन करते पाए गए वाहनों पर परिवहन विभाग की ओर से सख्त कार्रवाई की गई है । परिवहन अधिकारी भूपेंद्र डाबला ने बताया कि परिवहन डीटीओ यशपाल यादव के नेतृत्व में व विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के सहयोग से 4 वाहन सीज किए । उन्होंने बताया कि जांच में दो ओवरलोड वाहन डंपर पकड़े गए जिनकी बॉडी नियम के अनुसार और क्षमता से अधिक माल का परिवहन के लिए बनाई गई थी दोनों डंपरों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। इसके अलावा एक और ओवरलोड ट्रेलर जांच के दौरान बिना टैक्स और परमिट के संचालित किया जा रहा था व वही एक कार्यवाही के के दौरान ओवरलोड ट्रेलर पाया गया। दोनों ट्रेलरों को मौके पर ही भी सीज किया गया। चारों वाहन विराटनगर थाने में जप्त किए गए। परिवहन विभाग अधिकारियों के अनुसार ओवरलोड वाहन न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि सड़कों को भी भारी नुकसान पहुंचाते हैं। लगातार मिल रही शिकायतों और निर्देशों के बाद विभाग ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें कई वाहनों की जांच की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगे भी इस प्रकार का अभियान जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे । परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में ओवरलोड वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है, वहीं आम नागरिकों ने विभाग की इस पहल का स्वागत किया है।

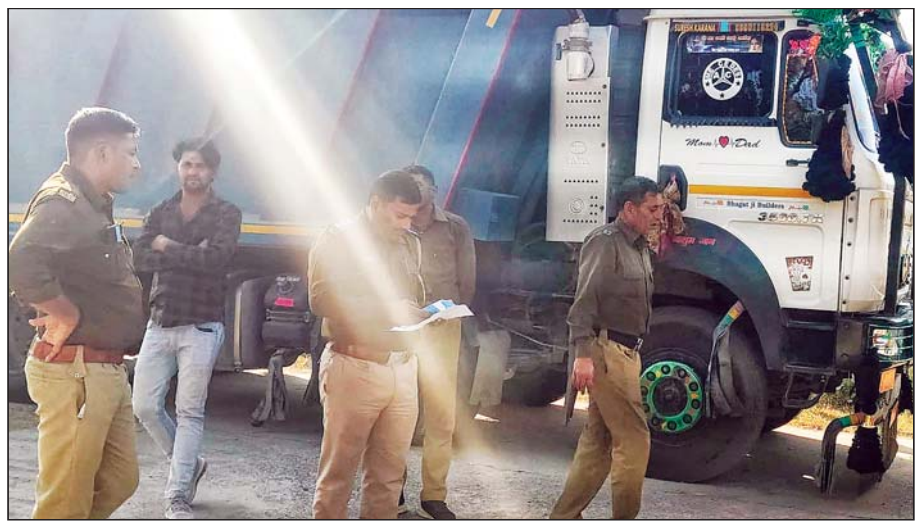

विराटनगर क्षेत्र में परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया।

- विराटनगर में परिवहन की कार्रवाई से हड़कंप
- अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगे भी इस प्रकार का अभियान जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे ।

संक्षिप्त

कलेक्ट्रेट का निरीक्षण

टोंक। राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष हेमन्त गेरा ने सोमवार को जिला कलक्ट्रेट का निरीक्षण कर राजस्व कार्यों के निस्तारण की समीक्षा की। इस दौरान राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष हेमन्त गेरा निरीक्षण करने के लिए जिला कलक्ट्रेट टोंक पहुंचे, उन्होंने यहां सभी शाखाओं का निरीक्षण किया और राजस्व कार्यों के निस्तारण की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व कोर्ट में फाइलों के निस्तारण, राजस्व बोर्ड में लंबित पत्रावलियों, तामील कराने एवं विभिन्न रिपोर्ट्स भिजवाने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व कार्यों से संबंधित ई-फाइल का समय पर निस्तारण करने, सभी शाखाओं द्वारा समयबद्ध कार्य करने एवं अनावश्यक फाइलें लम्बित नहीं रखने के निर्देश दिए। बोर्ड अध्यक्ष ने जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को मॉर्डन रिकॉड रुम के प्रस्ताव राजस्व मण्डल को भिजवाने के लिए कहा, ताकि इस कार्य के लिए बजट दिया जा सकें। साथ ही उन्होंने रिकॉर्ड को डिजिटाइजेशन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने विभिन्न पोर्टल एवं साइट्स की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर रामरतन सौंकरिया, भूप्रबंध अधिकारी सुरेश कुमार चौधरी, सीईओ परशुराम धानका, एसडीएम टोंक हुक्मीचन्द रोहलानिया, एडीएम मालपुरा विनोद कुमार मीना सहित राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जितेंद्र विजय अध्यक्ष बने

निवाई। विजय वर्गीय समाज के तत्वावधान में अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर 80 फिट रोड सामुदायिक भवन में चुनाव अधिकारी बाबुलाल विजय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मति से समाज के लोगों ने अध्यक्ष के पद पर जितेंद्र विजय सिरोही को निर्विरोध अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। बैठक में चुनाव अधिकारी बाबुलाल विजय के नेतृत्व में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कमलेश विजय नटवाडा, पूर्व संरक्षक रूपनारायण विजय भरथला, रामराय विजय वनस्थली, कैलाश नटवाडा, कन्हैयालाल झिलाय, कैलाशचन्द सिरोही, रामकल्याण नयागांव, महेंद्र विजय, नाथूलाल विजय, नरेन्द्र विजय, मुकेश विजय, योगेन्द्र विजय, सुनील विजय, राजेन्द्र विजय, बद्री विजय, ओमप्रकाश विजय, राजेश विजय, रामचरण विजय, महावीर विजय व शिवराज विजय सहित कई पदाधिकारियों ने नवनियुक्त अध्यक्ष जितेंद्र विजय को माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। निर्वाचन अधिकारी ने नवनियुक्त अध्यक्ष जितेंद्र विजय को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष जितेंद्र विजय ने संबोधित करते हुए कहा समाज ने जो जिम्मेदारी दी गई है उसे मै इमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के साथ समाज के लोगों को साथ में लेकर पूर्णरूप से निर्वहन करुंगा ।

कारण बताओ नोटिस

कोटपूतली । बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने सोमवार को सीएमएचओ के आदेशों की अनुपालना में एनसीडी कार्यक्रम की समीक्षा की। इस दौरान एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के तहत एनसीडी (डायबिटिज, हाईपरटेंशन तथा कॉमन कैंसर) की स्क्रीनिंग अप्रैल से दिसम्बर 2025 तक की प्रगति शुन्य होने के कारण विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस में जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देश प्रदान किये।

श्रद्धालुओं ने पाई पंगत प्रसादी

शाहपुरा । शाहपुरा शहर के मुख्य बाजार चौपड़ स्थित कल्याण धनी के मंदिर में सोमवार को प्रतिवर्ष की भांति सभी भक्तों के सहयोग से पौसबडा प्रसादी का आयोजन हुआ। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी पाई। प्रमोद पारीक व मुकेश भामोदिया ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ कल्याण धनी के पौसबड़ों को भोग व दयाराम दास जी महाराज द्वारा आरती कर लगाकर किया गया। इस दौरान मंदिर में आकर्षक रोशनी व सजावट की गई। इस अवसर पर राकेश चूडला, नितिन शेखावत,गिरिराज सेवारामका, पवन शर्मा,आलोक अग्रवाल, नवल टेलर, विनोद गोयल,पवन मोदी आदि भक्तों ने व्यवस्थाएं बनाए रखने में अपना योगदान दिया।

सरपंच के पक्ष में कलेक्टर को ज्ञापन दिया

- सरपंच पर लगे आरोपों को ग्रामीणों ने आरोपों को राजनैतिक रंजिश बताते हुए इन्हें निराधार बताया है।

टोंक। जिले की पंचायत समिति निवाई के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ागांव की सरपंच/प्रशासक पिंकी सांखला के खिलाफ लगाए जा रहे कथित झूठे आरोपों को लेकर ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने आरोपों को राजनैतिक रंजिश और सुनियोजित साजिश बताते हुए इन्हें निराधार बताया है। ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2020 में हुए पंचायत चुनाव के बाद पिंकी सांखला के कार्यकाल में सीमित बजट के बावजूद ग्राम पंचायत में अनेक विकास कार्य कराए गए, जो इससे पूर्व कभी नहीं हुए। सभी विकास कार्य ग्राम सभा की सर्वसम्मति से हुए तथा उनका विवरण ग्राम सभा की बैठकों और केश बुक रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज है, वही ग्रामीणों ने कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर संतोष जताया। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच सांखला द्वारा किसी भी विकास कार्य में भेदभाव नहीं किया गया और पिछले पाँच वर्षों से अधिक समय में न तो कोई विवाद सामने आया और न ही सरकारी धन के दुरुपयोग का कोई आरोप सिद्ध हुआ है। इसके बावजूद कुछ लोग चुनावी रंजिश और वैचारिक मतभेदों के चलते सरपंच पिंकी साँखला एवं उनके पति विनोद साँखला को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि सरपंच के खिलाफ दी जा रही झूठी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि जनप्रतिनिधि की छवि को नुकसान न पहुंचे।

जन-सुनवाई 30 को

कोटपूतली । राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग, जयपुर के निर्देशों की अनुपालना में राज्य में अन्य पिछडा वर्ग के पिछड़ेपन के संबंध में जिला मुख्यालय पर नगर परिषद कार्यालय कोटपुतली के सभागार में 30 दिसम्बर को दोपहर 2:30 बजे से सांय 4:30 बजे तक आमजन के साथ जनसुनवाई (संवाद कार्यक्रम) आयोजित किया जाएगा।

जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में आमजन, राजनैतिक व्यक्तियों, हितबद्ध व्यक्तियों एवं अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण से संबंद्ध संस्थाओं के विचार जानने हेतु उनके साथ विचार-विमर्श किया जायेगा।

पंचवर्षीय एवं एक वर्षीय कार्य योजना तैयार करने पर चर्चा

कोटपूतली । जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास (डीएमएफटी) प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में शाषी परिषद (गर्वनिंग कौसिंल) की प्रथम बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल, बहरोड विधायक डॉ. जसवंत यादव, विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, मुंडावर विधायक ललित यादव एवं जिला परिषद सीईओ एवं सदस्य सचिव, डीएमएफटी जिला कोटपूतली-बहरोड प्रतिभा वर्मा, जिला परिषद अलवर सीईओ सालुंखे गौरव रवीन्द्र, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की नवीन गाईड लाईन पर आमुखीकरण एवं ट्रस्ट के लिए पंचवर्षीय एव एक वर्षीय कार्य योजना तैयार करने पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों की प्रगति की समीक्षा व ट्रस्ट की वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रशासनिक कार्यों हेतु आवश्यक व्यय के अनुमोदन पर चर्चा की गई। सदस्य सचिव ने डीएमएफटी की कार्य योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। सांसद एवं विधायकों ने बैठक में खनन से प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति प्रदान करने एवं विभागों से प्राप्त विकास कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को प्रदान किए गए। क्षेत्र में पेयजल, पर्यावरण सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं के कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने हेतु विशेष कार्य योजना बनाकर कार्य करने को कहा। सांसद राव राजेंद्र ने खनन विभाग से प्राप्त होने वाली रॉयल्टी राशि को जन विकास कार्यों में खर्च करने के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने हेतु कहा गया। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीएमएफटी से संचालित कार्य जनप्रतिनिधियों से समन्वय रखते हुए पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं। प्रभावित क्षेत्रों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए तथा स्वीकृत कार्यों का लाभ समय रहते पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

कोटपूतली में जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने अधिकारियों की बैठक ली ।

- जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास (डीएमएफटी) की शाषी परिषद (गर्वनिंग कॉसिल) की प्रथम बैठक आयोजित

कर्मचारियों की भर्ती के लिए प्रदर्शन

टोंक । अरबी-फारसी शोध संस्थान में विभिन्न कर्मचारियों के पद पर भर्ती करने की मांग को लेकर सोमवार को प्रोग्रेसिव कमेटी द्वारा कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया तथा बाद में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा।

कमेटी ने बताया कि विश्व विख्यात मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी-फारसी शोध संस्थान में 30 साल से भर्ती नियम के अभाव में भर्तियां नहीं हुई हैं, वर्तमान में 45 में से 8 कार्मिक शेष रहे हैं। उन्होने मांग की है कि जब तक नए नियम नहीं बने, तब तक पुराने नियमों के आधार पर भर्ती की जाए। कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह संस्थान देश की शान और राजस्थान का गौरव माना जाता है, यहां दुर्लभ हस्तलिखित ग्रंथों, प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों का अनमोल खजाना संरक्षित है, जिसे देखने और शोध करने के लिए देश-विदेश से विद्वान और शोधार्थी आते हैं।

जबकी संस्थान में वर्तमान में रिक्त पदों और अन्य चुनौतियों के कारण संस्थान बंद होने के कगार पर पहुंच गया है। यदि ऐसा हुआ तो कला, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी। हाल के वर्षों में डिजिटाइजेशन और संरक्षण के प्रयास हुए हैं, लेकिन स्टाफ की कमी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं।

सार-समाचार

देवली इंडोर स्टेडियम में टूर्नामेंट

देवली । यहां सोमवार को तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन हो गया है। देवली बैडमिंटन क्लब द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह के मंच पर डायरेक्टर सत्येन्द्र व्यास सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्ति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे थे। ऐसे मे सभी आतिथियों ने टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए तन मन और धन से सहयोग भी किया है। टूर्नामेंट के आयोजक डाक्टर गौरव व्यास ने बताया कि इस प्रतियोगिता में दस अलग-अलग आयुवर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। यहां हुए टूर्नामेंट मे देवली शहर के साथ, जहाजपुर, टोंक, मालपुरा,टोड़ा, बूंदी, जयपुर , केकड़ी, कोटा सहित अन्य शहरो से लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। ऐसे मे टूर्नामेंट समापन समारोह के दौरान विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया है। बैडमिंटन प्रतियोगिता मैच रेफरी संजय सिंह, नवीन शर्मा एवं जयप्रकाश यादव के निर्देशन में करवाई गई थी। इस टूर्नामेंट में देवली बैडमिंटन क्लब के सभी सदस्यों महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। तो वही क्लब के मुकेश मीणा राजेन्द्र मीणा, महेंद्र सैनी, भूपेंद्र मीणा, रणवीर सिंह, आशाराम मीणा, अक्षय जिंदल,ज्ञान सिंह,रामपाल मीणा, शंकर मीणा,राजेश गर्ग, मुकेश मीणा,,समेत सभी ने मिलकर कार्यक्रम को भव्य बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। इस टूर्नामेंट में देखने वाली बात तो यह रही की एक दिन में सबसे अधिक मैच खेलने का अवार्ड डॉ गौरव व्यास को प्राप्त हुआ है। इस मौके पर बैडमिंटन खिलाड़ी डॉक्टर गौरव व्यास ने कहा कि यह टूर्नामेंट देवली शहर मे मील का पत्थर साबित होगा। टूर्नामेंट समापन समारोह के इस अवसर पर देवली बैडमिंटन क्लब के द्वारा घोषणा की गई की वह 2026 के मई मे फिर से बैडमिंटन प्रतियोगिता करवाएंगे।

मानक व गुणवत्ता के महत्व की जानकारी ली

निवाई । पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली के मानक क्लब के सदस्यों ने जयपुर के प्रसिद्ध सांइस पार्क में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित एक्सपोजर विजिट में भाग लिया। प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि एक्सपोजर विजिट से छात्रों को मानक व गुणवत्ता के महत्व को समझने का एक बड़ा अवसर प्रदान हुआ है। इस विजिट का आयोजन मानक क्लब के सदस्यों को विभिन्न वस्तुओं के मानक, तकनीकी नवाचार व विज्ञान की दुनिया से परिचय कराने के लिए किया गया। उन्होंने बताया कि इस तरह की गतिविधियाँ से छात्रों में वैज्ञानिक सोच व मानक के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद करती है। विजिट के दौरान छात्रों को भारतीय मानक ब्यूरो की कॉर्डिनेटर रितु शर्मा द्वारा विभिन्न मानकों से संबंधित थ्री डी एनीमेशन फिल्म एवं मॉडल दिखाए गए। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि युवा पीढ़ी में मानक व गुणवत्ता के प्रति समझ विकसित हो सके। ये चीजें सिर्फ तकनीकी नहीं हैं बल्कि हमारे जीवन के हर पहलू में महत्वपूर्ण हैं। मानक क्लब के प्रभारी दिनेशकुमार बैरवा ने इस अनुभव को छात्रों के लिए बहुत लाभकारी बताते हुए कहा कि यह विजिट छात्रों के लिए एक नई दिशा देने का काम करेगी। वे अब मानकों के महत्व को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। सांइस पार्क में छात्रों ने भौतिकी, रसायन व जीव विज्ञान के मॉडल सहित विभिन्न विज्ञान गतिविधियों का अवलोकन किया। उपाचार्य गुलाबचंद वर्मा ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से छात्रों में जिज्ञासा एवं अनुसंधान की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने बताया कि इस विजिट का उद्देश्य छात्रों को शैक्षिणक दृष्टिकोण सहित जीवन में मानक व गुणवत्ता के महत्व की भी जानकारी मिलेगी। व्याख्याता किरण शर्मा ने कहा कि यह अनुभव बहुत ही जानकारी पूर्ण रहा व सभी के जीवन में बहुत उपयोगी रहेगा।

पतंगे उड़ने लगी

निवाई। मकरसक्रान्ति के पर्व से पहले से ही शहर सहित ठाामीण क्षेत्र में पतंगबाजी को लेकर युवक-युवतियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। जिसके चलते आसमान में रंग-बिरंगी पतंगे दिखने लगी है। दिनभर वो काटा वो मारा की आवाजे सहित स्पीकरों की अवाजे सुनाई देने लगी है। शीतकालीन अवकाश को लेकर सुबह सूर्योदय के साथ ही बालक छतों पर पहुंचकर पतंग उडाने में मशगूल हो जाते हैं। छतों पर लगे टेप व डेक सहित कई ध्वनियंत्रों की आवाजे गुंजने लगी है। बच्चों के साथ बड़े बुजुर्ग भी मकानों की छतों पर धूप एवं चाय आनन्द लेने के साथ-साथ पतंगबाजी का लुप्त उठा रहे है। शहर के बड़ा बाजार, चौहटी बाजार, बिलाला मार्केट, गणगौरी बाजार व झिलाय रोड सहित अन्य बाजारों में पतंगों की दुकाने सजी हुई है। जिन पर पतंग खरीदने वालों की भीड़ बढ़ रही है। इस दौरान पतंग लूटेरे मुख्य बाजारों में दौडते हुए नजर आने लगे है।

सुरेश जैन को पीएचडी की उपाधि

निवाई। आर्यिका विशुद्धमति माताजी के शैक्षिक दर्शन का माध्यमिक उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्य एवं समायोजन पर प्रभाव विषय के शोध पर पंडित सुरेश जैन को एकलव्य विश्व विद्यालय दमोह मध्यप्रदेश की ओर से डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी की उपाधि प्रदान की गई है। जैन ने बताया कि उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ. शोभा उपाध्याय के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

स्थाई वारन्टी गिरफ्तार

निवाई। दतवास पुलिस ने अपराधियों की धर पकड अभियान के तहत फरार चल रहे स्थाई वारन्टी को गिरफ्तार किया है। दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि कई फरार चल रहे स्थाई वारन्टी सत्यनारायण जाट निवासी दौताना थाना बरोनी को अथक प्रयास से तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करके व मुखबीर की सहायता से गिरफ्तार किया है।

अवैध खनन की रोकथाम से सम्बन्धित नियमों की पालना की जायें : कल्पना अग्रवाल

टोंक। राज्य सरकार ने अवैध खनन की रोकथाम व वन एवं पर्यावरण से सम्बन्धित नियमों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इसी के तहत 29 दिसम्बर से 15 जनवरी 2026 तक चलाये जा रहे संयुक्त अभियान को लेकर कलेक्टर कक्ष में जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक ली।

जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम के लिए राजस्व, खनिज, परिवहन एवं वन विभाग के अधिकारियों को अवैध खनन पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके लिए उपखंडवार निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण दल अवैध खनन, निर्गमन एवं भण्डारण में संलिप्त पाये जाने वाले व्यक्तियों, वाहनों, मशीनरी एवं उपकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाएं। जिले में अवैध खनन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गो के अतिरिक्त अन्य सड़क मार्गो से होने वाले अवैध खनन की आवाजाही को रोकने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करें। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को कहा कि बिना नंबर वाली ट्रैक्टर ट्रॉली, ओवरलोड एवं अवैध खनन कर रहे वाहनों को जब्त कर भारी पेनल्टी वसूले। जिला कलेक्टर ने वन विभाग के अधिकारियों को वन क्षेत्रों में चौकसी बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने कहा कि संयुक्त अभियान के दौरान सभी विभागों द्वारा समनव्य बनाकर कार्यवाही की जाये, ताकि बेहतर परिणाम मिल सकें। उन्होंने ओवरलोड वाहनों पर अधिकतम पेनल्टी लगाये जाने पर जोर दिया। खनन क्षेत्र के रास्तों को काटना एवं ड्रोन सर्वे भी कराये जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी उपखंडों में पुलिस लगातार अवैध खनन पर कार्रवाई कर रही है। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया भी मौजूद रहें।

अवैध खनन की रोकथाम व वन एवं पर्यावरण से सम्बन्धित नियमों की पालना सुनिश्चित करने के सम्बंध में बैठक आयोजित हुई।

- निरीक्षण दल अवैध खनन, निर्गमन एवं भण्डारण में संलिप्त पाये जाने वाले व्यक्तियों, वाहनों, मशीनरी एवं उपकरणों पर कार्यवाही करें

'रक्तदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले युवा'

शाहपुरा । जय फुले माली विकास जन सेवा समिति के तत्वावधान में सावित्री बाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में एस. डी. होटल चौकी का बड़ के पास नायन में आयोजित होने वाले द्वितीय स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर को लेकर सीमित अध्यक्ष साधुराम सैनी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में जाकर लोगों से जन संपर्क किया। पदाधिकारियों ने गांवों में जाकर रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान अध्यक्ष सैनी ने युवाओं से रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की। इस अवसर पर महेश कुमार सैनी नायन, पुरणमल नायन, बिरदी चन्द धौनाता, बाबूलाल सैनी धानौता, सुभाष चन्द्र सैनी करीरी, राधेश्याम सैनी, कृष्ण कुमार सैनी नवलपुरा, हनुमान सैनी, गजानंद सैनी, बजरंग लाल सैनी धवली, मंगलचंद सैनी, सीताराम सैनी जगतपुरा, अशोक कुमार सैनी मालियों की ढाणी नायन को रक्तदान शिविर की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सिद्धचक्र महामण्डल विधान का समापन आज

- सिद्धचक्र महामण्डल विधान की पूजा करने से आती है निर्मलता : वर्धमान सागर
- विश्व शांति महायज्ञ के साथ होगा विधान मण्डल का समापन

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में नसियां जैन मंदिर में आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामण्डल विधान को लेकर विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा सामूहिक पूजा अर्चना की गई। विधान मंडल के चलते आठवें दिन भी 400 श्रद्धालुओं ने सामुहिक पूजा आराधना की। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं जैन मुनि हितेन्द्र सागर महाराज संघ विधानाचार्य पण्डित मुकेश शास्त्री विनम्र व सुरेश कुमार शास्त्री के सानिध्य में आयोजित सिद्धचक्र महामण्डल विधान का शुभारंभ सन्मति चंवरिया, सुकुमार जैन, महिपाल जैन एवं मोहित चवरियां ने भगवान चंद्र प्रभु एवं भगवान पाश्र्वनाथ के सामुहिक पंचामृत कलशाभिषेक एवं शांतिधारा करके किया। इसके बाद महावीर प्रसाद धापड़धिंगा नेनवां, सन्मति कमलेश देवी जैन, महावीर प्रसाद पराणा, पारसमल सर्राफ, पवन बोहरा एवं सुशील गिन्दोड़ी ने दीप प्रज्वलित कर पूजा शुरू करवाई। विधान में सुबह नव देवता पूजा, पाश्र्वनाथ भगवान पूजा के साथ सिद्धचक्र मण्डल विधान की पूजा भक्ति भाव से की गई। उन्होंने बताया कि विधान में शशी पाटनी कोलकाता द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस दौरान आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मन, वचन व काय से सिद्ध भगवान की पूजा करने से निर्मलता आती है। सिद्ध पूजा मनुष्य को वीतरागता की ओर ले जाती है तथा इस लोक में एवं परलोक में सुख शांति प्राप्त कराती है। यह पूजा सिद्ध भगवान के गुणों की पूजा हैं। आचार्य ने कहा कि सम्पदा को दान करना शास्वत सुख का कारण है। सम्पदा विपत्ति का कारण है। यह संसार वैराग्य है। मुनि हितेन्द्र सागर महाराज ने कहा कि यह विधान साक्षात मोक्ष सुख देने वाला है। उन्होंने कहा कि आपका भोजन तो हमें व्यवस्थित करता है परन्तु जिनवाणी रुपी भोजन हमें आत्मा को सुव्यवस्थित करता है। मुनि मुमुक्षु सागर महाराज ने कहा कि सिद्ध बनने के लिए सिद्धों की आराधना करनी चाहिए। विधान मण्डप एक कमान के समान है। सिद्ध यंत्र की पूजा से शक्ति प्राप्त होती है। राकेश संघी ने बताया कि विधान में सोधर्म इन्द्र एवं कुबेर इन्द्र द्वारा रत्नों की वर्षा की गई। सोधर्म इन्द्र परिवार ने मंगलाष्टक एवं मंगलाचरण के साथ सिद्ध यंत्र के अभिषेक करके पूजा अर्चना की।

अगर गंभीर को रेड-बॉल क्रिकेट में बेहतर कोच बनना है, तो उन्हें रणजी टीम का कोच बनकर अनुभव हासिल करना चाहिए।
- मोंटी पनेसर

पूर्व इंग्लैंड खिलाड़ी, गौतम गंभीर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — नरेन्द्र मोदी

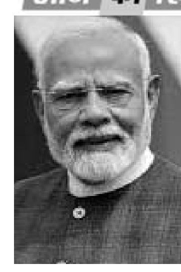

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपिशनशिप 2025 में कांस्य पदक जीतने वाली कोनेरू हम्पी और अर्जुन एरिगैसी की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''कोनेरू हम्पी को बधाई, जिन्होंने दोहा में फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के सेक्शन में कांस्य पदक जीता। खेल के प्रति उनका समर्पण सराहनीय है। आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक 12 दोहरा शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज है, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में यह कीर्तिमान बनाया हैं।

जुरेल का नाबाद शतक, उप्र. ने बड़ौदा को 54 रनों से हराया

राजकोट, 29 दिसंबर। ध्रुव जुरेल (नाबाद 160) रनों की शतकीय और कप्तान रिंकू सिंह (63) की अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के

बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उत्तर प्रदेश ने सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में बड़ौदा को 54 रनों से हराया। आज यहां टॉस जीतकर बड़ौदा ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश के लिए अभिषेक गोस्वामी और आर्यन जुयाल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़े। 15वें ओवर में राज लिंबानी ने आर्यन जुयाल (26) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ध्रुव जुरेल ने अभिषेक गोस्वामी के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान 17वें ओवर में लिंबानी ने अभिषेक 51 गेंदों में (51) को अपना शिकार बना लिया। प्रियम गर्ग (तीन) भी लिंबानी का शिकार बने। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रिंकू सिंह ने ध्रुव जुरेल के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 144 रनों की साझेदारी हुई। 39वें ओवर में रसिख सलाम ने रिंकू सिंह को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। रिंकू सिंह ने 67 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 63 रनों की पारी खेली।

ओ.एन. दीक्षित मेमोरियल जिला बैडमिंटन आज से

जयपुर, 29 दिसम्बर। ओ एन दीक्षित मेमोरियल विंटर जयपुर जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता सोमवार 30 दिसंबर से शुरू प्रतियोगिता सचिव

अतुल गुप्ता के अनुसार कल सुबह 10 बजे प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा जिसमें मुख्य अतिथि मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ प्रधान आपकर निर्देशक अन्वेषण अवधेश कुमार, रिटायर्ड चीफ जस्टिस एन के जैन यश समिति के अध्यक्ष आशीष सराफ तथा दीक्षित परिवार के ओ एन दीक्षित व पंकज दीक्षित रहेंगे। जिला सचिव मनोज दासोत ने बताया कल सुबह अंडर 13 व अंदर 11 के बालिका बालक वर्ग के एकल मैच खेले जाएंगे तथा दोपहर बाद 15 व 17 आयु वर्ष के बालकों के एकल मैच होंगे। अध्यक्ष अनिल मेहता अनुसार मुख्य रफ्री के के माधुर मैच कंट्रोलर राजस्थान बैडमिंटन संघ के पकज सैनी होगे। प्रती दिन मैच सुबह 10 बजे से खेले जायेंगे।

जी.आर. क्रिकेट अकादमी और कृष्णा अकादमी ने इंस्पायर अकादमी को हराया

जयपुर, 28 दिसम्बर। सोलफील स्टेडियम में आयोजित आशा देवी डागा टूर्नामेंट में जी.आर. क्रिकेट अकादमी और कृष्णा अकादमी ने इंस्पायर

अकादमी को हराया। इंस्पायर अकादमी ने राजत सिंह के 27 रनों की मदद से 9 विकेट पर 134 रन बनाए। हेमंत स्वामी और हिमांशु सिंह राणा ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में जी.आर. अकादमी ने शुभम पाटवाल के 70 रनों की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया। शुभम पाटवाल को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में इंस्पायर अकादमी ने राजत सिंह के 52 रनों की मदद से 9 विकेट पर 156 रन बनाए। ऋषभ मोदी, भंवर और विनय ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में कृष्णा अकादमी ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की, जब अंतिम गेंद पर 6 रन चाहिए थे और ऋषभ मोदी ने छक्का लगाया। विनय प्रताप सिंह ने 18 रन बनाए और 2 विकेट लिए तथा उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। राजत सिंह ने 3 विकेट लिए।

विद्युत निगम विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 29 दिसंबर। विद्युत निगम विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का आज शाम 5 बजे से कैरम मैचों के साथ अलका मीना, सचिव

(प्रशासन) व अमिताभ गुप्ता, मुख्य कार्मिक अधिकारी, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम ने शुभारंभ किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में विभिन्न व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं के खेलो में जयपुर स्थित सभी विद्युत निगमों के महिला और पुरुष कर्मचारी अति उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। खेलकूद प्रतियोगिताएं 25 जनवरी 2026 तक चलेगी और 26 जनवरी को विद्युत भवन में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान विजेता खिलाडियों को मुख्य अतिथि द्वारा पारितोषिक वितरण किया जाएगा।

कोलकाता में राजस्थान की बेटियों का जलवा, जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी में कांस्य पदक पर किया कब्जा

कोलकाता/राजस्थान, 29 दिसंबर। बंगाल की राजधानी कोलकाता (कलकत्ता) में 25 से 28 दिसंबर तक आयोजित 51वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप 2025 में राजस्थान की जूनियर बालिका कबड्डी टीम ने शानदार और यादगार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। कठिन मुकाबलों, मजबूत प्रतिद्वंद्वियों और जबरदस्त प्रतिस्पर्धा के बीच राजस्थान की बालिकाओं ने सेमीफाइनल तक का सफर तय कर यह साबित कर दिया कि प्रदेश की बेटियां राष्ट्रीय कबड्डी मंच पर शीर्ष स्तर की प्रतिभा रखती हैं।

राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने बताया प्रतियोगिता में राजस्थान टीम ने अपने अभियान की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। पहले मुकाबले में राजस्थान की बालिकाओं ने उड़ीसा की टीम को पूरी तरह एकतरफा मुकाबले में 73-17 56 के विशाल अंतर से पराजित कर प्रतियोगिता का शानदार आगाज किया। इस मुकाबले में राजस्थान की तेज रेडिंग और सशक्त डिफेंस ने विरोधी टीम को कोई मौका नहीं दिया।

इसके बाद दूसरे लीग मैच में राजस्थान का सामना हिमाचल प्रदेश की मजबूत और अनुभवी टीम से हुआ। कड़े संघर्ष के इस मुकाबले में राजस्थान की खिलाड़ियों ने बेहतरीन रणनीति, संयम और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए हिमाचल को 40-32 8 से पराजित किया। अपने पूल का अंतिम मुकाबला राजस्थान ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेला, जिसमें टीम ने शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखते हुए 44-17 27 से शानदार जीत दर्ज की। लगातार तीन जीत के साथ राजस्थान की टीम ने अपने पूल में प्रथम स्थान हासिल कर नॉकआउट चरण में मजबूत दावेदारी पेश की।

आईसीसी ने मेलबर्न क्रिकेट मैदान की टेस्ट पिच को 'असंतोषजनक' रेटिंग दी

दुबई 29 दिसंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रेफरी जेफ क्रो ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की बॉक्सिंग डे टेस्ट की पिच को 'अंसतोषजनक' रेटिंग दी है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट दो दिन के अंदर ही समाप्त हो गया था और इस कारण से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड को एक डिमेरिट अंक मिला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ जेम्स ऑलसोप्प ने अपने बयान में कहा, बहुत प्रशंसकों के पास तीसरे और चौथे दिन के टिकट थे और उसके अलावा लाखों प्रशंसक इस मैच के लिए उत्साहित थे लेकिन पिच के कारण यह दो दिन में ही समाप्त हो गया और यह निराशाजनक है। पिछले कुछ सालों में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड के स्टाफ ने बेहद शानदार टेस्ट पिच तैयार करके दी थी और हमें उम्मीद है कि अगले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट और मार्च 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट में बढ़िया पिच देखने को मिलेगी।

वनडे सीरीज में पांड्या और बुमराह को दिया जा सकता है आराम

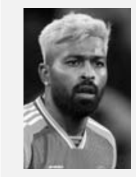

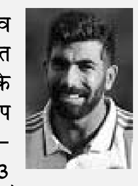

नई दिल्ली 29 दिसंबर। आगामी टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों के लिए आराम दिया जा सकता है। टी-20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच नागपुर (21 जनवरी), रायपुर (23 जनवरी), गुवाहाटी (25 जनवरी), विशाखापत्तनम (28 जनवरी) और तिरुवनंतपुरम (31 जनवरी) में होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में वापसी करेंगे। इनसे पहले होने वाले तीन एकदिवसीय मैच 11 जनवरी (बड़ौदा), 14 जनवरी (राजकोट) और 18 जनवरी (इंदौर) को होंगे। इनमें बुमराह और पांड्या को शामिल किए जाने की संभावना कम है। एकदिवसीय टीम की घोषणा 4-5 जनवरी के आसपास होने की उम्मीद है।

ऐसा समझा जा रहा है कि टीम प्रबंधन ने फैसला किया है कि टी-20 विश्व कप के लिए अहम इन दो खिलाड़ियों को एकदिवसीय टीम से बाहर रखा जाएगा। हार्दिक पांड्या, जो सिर्फ सफेद गेंद क्रिकेट खेलते हैं, फिटनेस की दिक्कतों के कारण मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से कोई वनडे नहीं खेले हैं। जसप्रीत बुमराह, जिनके वर्कलोड पर टीम में उनकी अहमियत को देखते हुए करीब से नजर रखी जा रही है, 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से वह किसी वनडे में नहीं खेले हैं। हालांकि, उम्मीद है कि पंड्या चल रहे विजय हजारे गेम्स में बड़ौदा के लिए खेलेंगे।

श्रीलंका को क्लीन स्वीप करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

नई दिल्ली 29 दिसंबर। श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को होने वाले आखिरी और पांचवें टी-20 मुकाबले में भारतीय महिला टीम क्लीन स्वीप करन साल का सफल समापन करने उतरेगी। वहीं श्रीलंका के पास इस मैच में जीत दर्ज आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर होगा। भारत इस पूरी सीरीज में क्लिनिकल रहा है। उन्हें किस्मत का भी साथ मिला, क्योंकि उन्होंने पहले तीन टॉस जीते। भारत ने तीनों मैचों में श्रीलंका को 130 से कम के स्कोर पर रोकते हुए और कम से कम पांच ओवर और सात विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल करते हुए अपना दबदबा बनाया। श्रीलंका कल होने वाले इस मुकाबले में जीत दर्ज करने के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की चुनौती को पार करना होगा। इस भारतीय जोड़ी ने किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी साझेदारी की और मेजबानों का सर्वोच्च टी-20 स्कोर खड़ा किया। भारत को इस सीरीज में अब तक केवल पांच बल्लेबाजो का ही इस्तेमाल करना पड़ा है। चाहे वे लक्ष्य तय करें या उसका पीछा करें, श्रीलंका रविवार को हसिनी परेरा की शुरुआत से प्रेरणा लेगा, जिसमें उन्होंने शुरुआती ओवरों में रेणुका सिंह और अरुंधति रेड्डी पर आक्रामक प्रहार किया। इससे पहले कि नीलाक्षी डी सिल्वा ने लोअर ऑर्डर में आख़िरकार कुछ रन जोड़े। श्रीलंका चाहेगा कि भारतीय क्षेत्ररक्षकों से मिलने वाले किसी भी जीवनदान का फायदा उठाया जाए, क्योंकि इस सीरीज में भारतीय क्षेत्ररक्षक मामले में कमजोर दिखे है। पहले मैच में उन्होंने पांच कैच छोड़े और चौथे मैच में दो जो दोनों टीमों के बीच के फासले को कम करने में मेहमानों की मदद कर सकता है। श्रीलंका बल्लेबाजी में ओपनिंग में कप्तान चामरी अटापट्टू और हिसनी पेररा से बड़ी साझेदारी की उम्मीद करेगा।

ऑस्ट्रेलिया की ट्वंटी-20 विश्वकप के लिए प्रोविजनल टीम में कमिंस, हेजलवुड को शामिल

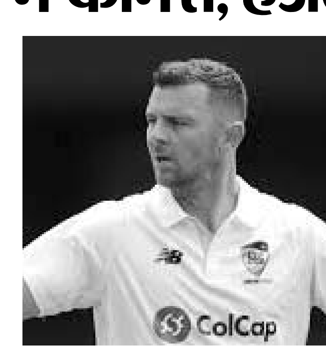

सिडनी, 29 दिसंबर। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने पुष्टि की है कि ऑस्ट्रेलिया ने चोट की चिंताओं के बावजूद आगामी आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए अपनी प्रोविजनल टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जॉश हेजलवुड को शामिल करने जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, कमिंस, जो एशेज के तीसरे टेस्ट के लिए एडिलेड में लौटे थे, लेकिन सावधानी के तौर पर बाकी सीरीज से बाहर हो गए थे, लगभग चार हफ़्ते में अपनी पीठ का एक और स्कैन करवाएंगे। सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए उनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला उस असेसमेंट के नतीजों के बाद लिया जाएगा।

मैकडॉनल्ड ने कहा, '' मुझे लगता है पैट का चार हफ्ते में एक स्कैन होगा, तो उससे हमें जानकारी मिल जाएगी कि वह टी-20 विश्व कप के लिए किस स्थिति में हैं। उन्हें 15 खिलाड़ियों की टीम में शामिल किया जाएगा।'' इस बीच, हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और अकिलीज की समस्याओं के कारण पूरी एशेज सीरीज से बाहर रहे। 34 साल के तेज गेंदबाज को चोटों ने परेशान किया है। हालांकि वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है और उम्मीद है कि वह जल्द ही गेंदबाजी करना शुरू कर देगा, जिससे वैश्विक टूर्नामेंट के लिए उसकी उपलब्धता की उम्मीदें बढ़ेगी।

मैकडॉनल्ड ने कहा, ''जॉश गेंदबाजी करने के लिए वापस आ रहा है। ऐसा लगता है कि वह संभावित समय के हिसाब से ठीक हो जाएगा।'' ऑस्ट्रेलिया बिग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस के लिए खेलते समय दाहिनी हैमस्ट्रिंग की चोट से प्रभावित मध्यमक्रम के आक्रामक बल्लेबाज टिम डेविड की फिटनेस पर भी नजर रख हुए है। 29 साल के इस खिलाड़ी को इस साल पहले भी इसी तरह की समस्या के कारण दो महीने के लिए बाहर रहना पड़ा था और स्कैन से ग्रेड-टू स्ट्रेन की पुष्टि हुई है, जिसके कारण वह बीबीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। मैकडॉनल्ड ने कहा, ''पक्का नहीं पता कि यह सिर्फ मांसपेशियों की समस्या है या टेंडन (नसों) की। मुझे लगता है कि निश्चित समय में टिम डेविड अच्छा हो जायेगा।

अबूरोड की दृष्टि तिवारी ने रचा इतिहास

जयपुर, 29 दिसंबर। खिलाड़ी दृष्टि तिवारी ने राजस्थान कराटे प्रीमियर लीग एवं राजस्थान यूथ लीग में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में सब-जूनियर कैटेगरी में दृष्टि ने काटा स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट तकनीक और आत्मविश्वास का परिचय दिया। वहीं कुमीते स्पर्धा में उन्होंने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, कोच और कराटे संघ में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों ने दृष्टि की मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भोपाल में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में स्तुति का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 29 दिसंबर। भोपाल में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में स्तुति पारीक ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उन्होंने 592.8 अंक प्राप्त कर नेशनल प्लेयर का दर्जा हासिल किया। स्तुति पारीक ट्योलर हाई स्कूल की छात्रा हैं एवं उन्हें कोच अम्बरीष सर का कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनकी इस उपलब्धि में कोच के प्रशिक्षण, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का विशेष योगदान रहा।

स्मृति मंधाना ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे किये

तिरुवनंतपुरम 29 दिसंबर। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय तथा दुनिया की चौथी बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी-20 में हासिल की। मंधाना से पहले मिताली राज यह मुकाम हासिल कर चुकी हैं। मिताली राज 10868 रनों के साथ वह सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की सूची में सबसे आगे हैं।

सूजी बेट्स 10652 रन के साथ दूसरे और शार्लेट एडवर्ड्स 10273 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मांधना इस मुकाम तक पहुंचने वाली सबसे तेज बल्लेबाज़ हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों की 281वीं पारी में 10 हजार रन पूरे किए। राज ने यह उपलब्धि 291 पारियों में हासिल की थी, जबकि एडवर्ड्स और बेट्स को ऐसा करने में क्रमश: 308 और 314 पारियां लगी थीं। श्रीलंका के खिलाफ चौथे अंतरराष्ट्रीय टी-20 से पहले मंधाना इस आंकड़े से मात्र 27 रन दूर थीं और उन्होंने यह उपलब्धि बाएं हाथ की स्पिनर निमाशा मीपाजे की गेंद को

लॉन्ग ऑन की दिशा में एक रन के लिए ड्राइव कर हासिल किया। मंधाना के लिए 2025 अब तक एक शानदार साल रहा है। भारत की विजयी महिला विश्व कप अभियान के दौरान मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में एक हजार एकदिवसीय रन बनाने वाली पहली महिला बल्लेबाज बनी थीं। उन्होंने साल का अंत एकदिवसीय प्रारुप में सबसे अधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज के रूप में किया, जहां उन्होंने 1362 रन बनाए। वहीं दूसरे स्थान पर रहीं लॉरा वुलफार्ट ने 1174 रन बनाए थे। मंधाना ने इस साल पांच शतक भी लगाए, जिसकी बराबरी दक्षिण अफ्रीका की तेजमिन ब्रिट्स और लॉरा वुलफार्ट ने की।

भारतीय पुरुष क्रिकेट के लिए मिला-जुला रहा वर्ष 2025

नई दिल्ली 29 दिसंबर। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की जीत, एशिया कप में खिताबी सफलता और इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के अलावा भारतीय पुरुष क्रिकेट के लिए वर्ष 2025 का सफर काफी मिला-जुला रहा है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने जनवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सफेद गेंद सीरीज से साल की धमाकेदार शुरुआत की। भारत ने पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज 4-1 से अपने नाम की, जबकि एकदिवसीय सीरीज में इंग्लैंड को 3-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत बनाम इंग्लैंड टी-20 सीरीज का सबसे बड़ा आकर्षण पल अभिषेक शर्मा का विस्फोटक शतक रहा। उन्होंने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आखिरी मैच में 135 रनों की पारी खेली, जो अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का अब तक का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। भारतीय टीम ने फरवरी में पाकिस्तान और यूएई की मेजबानी में हुई आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी अपनी लय को बरकरार रखा। आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में लौटी इस प्रतिष्ठित एकदिवसीय टूर्नामेंट में भारत ने रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब अपने नाम किया।

न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंगटन, 29 दिसंबर। न्यूजीलैंड के लिए एक दशक से भी अधिक समय खेलने वाले पूर्व ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

35 साल के ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड के लिए 69 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 28 टेस्ट शामिल हैं, और उन्होंने अपने लाल-गेंद करियर में 74 विकेट लिए। ब्रेसवेल का नाम न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में 2011 में होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जिताने वाले प्रदर्शन के लिए दर्ज है, जहां उन्होंने मैच में नौ विकेट लेकर सात रन की यादगार जीत दिलाई थी।

ब्रेसवेल ने सफेद गेंद क्रिकेट में भी न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने एकदिवसीय और टी-20 में 41 मैच खेले। वह आईसीसीस पुरुष टी-20 विश्व कप 2012 में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान एक तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के तौर पर नियमित रूप से योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए उनका आखिरी मैच 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट था। बाद में पसली की चोट के कारण सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स

के साथ उनका घरेलू अभियान छोटा हो गया, जिसके कारण आखिरकार उन्होंने खेल से दूर होने का फैसला किया।

आईसीसी ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के एक बयान के हवाले से ब्रेसवेल के हवाले से कहा, यह मेरे जीवन का एक गौरवपूर्ण हिस्सा रहा है, और कुछ ऐसा जिसकी मैंने एक युवा क्रिकेटर के तौर पर ख्वाहिश की थी। मैं क्रिकेट के माध्यम से मिले अवसरों और अपने देश के लिए खेलने के मौके के लिए हमेशा आभारी रहूंगा, साथ ही अपने घरेलू करियर के दौरान सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए भी। प्रथम श्रेणी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना एक सौभाग्य की बात है।

आरएसएससी महिला कबड्डी अकादमी ने जीता राज्य सीनियर महिला कबड्डी में कांस्य मेडल

जयपुर, 29 दिसम्बर। राजस्थान राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान में उदयपुर जिला कबड्डी संघ के द्वारा 26 से 29 दिसम्बर 2025 तक उदयपुर में आयोजित 72वीं सीनियर पुरूष व महिला कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के द्वारा संचालित महिला कबड्डी अकादमी में आवासित खिलाड़ियों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन करते हुए पहली बार ब्रांज मेडल जीता। दल प्रभारी सरस्वती मुण्डे व दल प्रशिक्षक आशा चौधरी ने बताया कि आरएसएससी महिला कबड्डी अकादमी का पहला मैच अजमेर के साथ खेला गया, एकेडमी ने अजमेर को 14 अंकों के मुकाबले 40 अंकों से शिकस्त देकर अगले चरण प्रवेश किया। दूसरा मैच झुंझुनू के साथ खेला गया एकेडमी ने फिर बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए झुंझुनू को 25 अंकों के मुकाबले 46 अंकों से मात देकर क्वॉटर फाइनल में प्रवेश किया। एकेडमी का क्वॉटर फाइनल मुकाबला बाड़मेर के साथ खेला गया। एकेडमी ने बाड़मेर को 18 अंकों के मुकाबले 29 अंकों से शिकस्त देकर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मुकाबला राजस्थान पुलिस के साथ खेला गया। राजस्थान पुलिस ने एकेडमी को 29 अंकों के मुकाबले एकेडमी को 53 अंकों से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। एकेडमी की टीम को ब्रांज मेडल के साथ ही संतोष करना पड़ा। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन, सचिव श्रीमती नीतू बारूपाल ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बीसीसीआई विजय हजारे ट्रॉफी, त्रिपुरा जीती

जयपुर 29 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैचों व अहमदाबाद में खेले गए राजस्थान - त्रिपुरा मैच का परिणाम :- राजस्थान - त्रिपुरा मैच - (त्रिपुरा जीती), त्रिपुरा पारी 286 आल आउट, टीम के लिए तेजस्वी 61 व श्रीदाम 50 रन, राजस्थान के अनिकेत चौधरी 64 / 3 , खलील अहमद 51 / 2 , अशोक शर्मा 53 / 2 व मानव सुथार, अजय कुकना 1 - 1 विकेट, राजस्थान पारी 220 आल आउट, टीम के लिए करण लाम्बा 61, सुमित गोदारा 37, दीपक हुड्डा 30, महिपाल लोमरोर 28 रन, त्रिपुरा के गेंदबाज मुरा सिंह 30/ 3, विजय शंकर 30/ 4 विकेट, सवाई मान सिंह स्टेडियम हिमाचल - महाराष्ट्र (हिमाचल जीती) हिमाचल पारी 271 आल आउट, महाराष्ट्र पारी 264 / 9 विकेट, केएल सैनी स्टेडियम गोवा - सिक्किम (गोवा जीती), गोवा पारी 309 / 8, सिक्किम पारी 247 / 7, जयपुरिया ग्राउंड मुंबई - छत्तीसगढ़ (मुंबई जीती), छत्तीसगढ़ पारी 142 आल आउट, मुंबई पारी 144 / 1, अनंतम ग्राउंड पंजाब - उत्तराखण्ड (उत्तराखण्ड जीती), पंजाब पारी 269 / 8, उत्तराखंड पारी 270 / 5, अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान - बिहार का मैच मध्य प्रदेश के मुरैना में आज से शुरू हुआ। आज पहले दिन का स्कोर :- राजस्थान पहली पारी 92 / 2, टीम के लिए यश शर्मा नाबाद 38 , शिफॉन नाबाद 24 , रोनित 21 रन, बिहार के गेंदबाज विवेक , मनदीप1 - 1 विकेट।

आरसीए अंडर 15 वीमेन टीम घोषित, बीसीसीआई की आगामी अंडर वीमेन ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 15 वीमेन टीम का चयन राजस्थान वीमेन चयन समिति ने किया :-

चयनित राजस्थान अंडर 15 वीमेन टीम - रोचलेयादव, अक्षिताबराला, आरुषि पांडे, ख़ुशी नाथ योगी, कविता भील, काव्य बिश्नोई (उपकप्तान), दर्शिताबैरागी, सरिता कसाना, रितिका, अरुणा, आरती बिश्नोई, पारुल शर्मा, वेदिका सिंह, प्रियांशीचंदा, माहिरा खान (कप्तान), अंजलि गिरी, सारिका सोनी, टीम 30 दिसम्बर को जयपुर से कलकत्ता के लिए प्रस्थान करेगी।

चोटिल गस एटकिंसन एशेज के आखिरी टेस्ट से हुए बाहर

सिडनी, 29 दिसंबर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर चार जनवरी को होने वाले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की एशेज सीरीज के आखिरी मैच से बाहर हो गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार एटकिंसन को मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन गेंदबाजी करते समय बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी। 27 साल के एटकिंसन ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी का पांचवां ओवर पूरा करने के बाद मैदान छोड़कर चले गए और वापस नहीं लौटे, जबकि इंग्लैंड ने इस मैच में चार विकेट से जीत हासिल की। बाद के स्कैन में हैमस्ट्रिंग की समस्या की पुष्टि हुई, जिससे एटकिंसन एशेज सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट नहीं खेल पाए। ऑस्ट्रेलिया अभी पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे है।

इंग्लैंड ने एक बयान में कहा, इंग्लैंड पुरुष टीम के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन एशेज टूर के बाकी मैच से बाहर हो गए हैं, क्योंकि स्कैन में पता चला है कि उन्हें बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। सरे के दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने चौथे टेस्ट में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड की जीत के दौरान ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी का पांचवां ओवर फेंकने के बाद मैदान छोड़ दिया। इंग्लैंड पांचवें टेस्ट के लिए किसी रिप्लेसमेंट को नहीं बुलाएगा, जो चार जनवरी से सिडनी में शुरू होगा।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड चोटों के कारण बाहर हैं। साथी तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर और मैथ्यू पॉट्स, जो टूरिंग टीम का हिस्सा हैं, अब सीरीज के आखिरी मैच के लिए एटकिंसन की जगह भरने की कोशिश में हैं।

इंग्लैंड टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), हैरी ब्रूक (उपकप्तान), जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर) और जोश टंग।

प्रदेश का किसान स्मार्ट फार्मिंग कर कृषि निर्यात में अग्रणी बनेगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 की तैयारियों की समीक्षा की

जयपुर, 29 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के किसान आधुनिक तकनीकों के माध्यम से स्मार्ट फार्मिंग कर कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनें। इसी सोच के साथ, आगामी वर्ष में प्रदेश के किसानों के लिए ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 (ग्राम) का आयोजन किया जा रहा है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आगामी वर्ष में आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीक के माध्यम से नए आयाम स्थापित करने के साथ ही निवेश को प्रोत्साहित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का भी सम्मान किया जाए। साथ ही, आयोजन की प्रत्येक गतिविधि में किसान की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में देश-विदेश में उन्नत कृषि, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों को उपयोग में लाने वाले कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिकों तथा तकनीकी जानकारों को आमंत्रित किया जाए।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से राजस्थान की कृषि क्षमताओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच मिलेगा। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे ग्रामीण स्तर पर किसानों को कार्यक्रम एवं योजनाओं की जानकारी मिल सके।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस आयोजन में देश-विदेश में उन्नत कृषि, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों को उपयोग में लाने वाले कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिकों तथा तकनीकी जानकारों को आमंत्रित किया गया है।**

बैठक में बताया गया कि इस एग्रीटेक मीट में कृषि एवं पशुपालन से संबंधित प्रदर्शनी, बीटूजी और बीटूबी मीटिंग, किसान-वैज्ञानिक संवाद, क्रेता-विक्रेता मीटिंग तथा विभिन्न तकनीकी सत्र और कार्यशाला आयोजित किए जाएंगे। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

उद्धव ठाकरे ने अपने प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह दिये

मुंबई, 29 दिसंबर। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन की घोषणा के तुरंत बाद पार्टी उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह के लिए अधिकृत करने वाले एबी फॉर्म का वितरण शुरू कर दिया है।

रविवार रात से ही जिन उम्मीदवारों के नाम तय हो गए थे, उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया गया और उन्हें बिना किसी देरी के मातोश्री पहुंचने के लिए कहा गया। ठाकरे ने हर उम्मीदवार से अलग-अलग मुलाकात की। उनसे संक्षिप्त चर्चा की और व्यक्तिगत रूप से आधिकारिक एबी फॉर्म सौंपे, जो पार्टी की चुनाव मोड में तेजी से आगे बढ़ने की तैयारी का संकेत है।

- **उन्होंने बीएमसी चुनाव के लिए अपने हरेक उम्मीदवार से अलग-अलग मुलाकात की।**

पार्टी सूत्रों का कहना है कि गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत आगे बढ़ने पर जल्द ही अतिरिक्त उम्मीदवारों की सूची घोषित होने की उम्मीद है।

मार्च में भारी फेरबदल हो सकता है, संघ के संगठनात्मक ढांचे में

मार्च में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में ये निर्णय लिए जाएंगे, जो जनवरी 2027 से लागू होंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मार्च में संगठन में बड़े संगठनात्मक परिवर्तन करने की योजना बना रहा है। संगठनात्मक बदलाव सम्बंधी निर्णय संगठन के बारे में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था, "अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा" द्वारा लिये जायेंगे। यह परिवर्तन जनवरी 2027 से प्रभावी हो सकते हैं।

आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल ने जबलपुर में 30 अक्टूबर और 1 नवम्बर को हुई अपनी बैठक में संगठन में समग्र बदलावों पर चर्चा की थी, लेकिन कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया जा सका था। अब जो मुद्दे प्रतिनिधि सभा में चर्चा के लिए सूचीबद्ध किये गये हैं, उनमें संगठन का विकेन्द्रीयकरण भी शामिल है।

आरएसएस में होने वाले बदलावों के परिणामस्वरूप, भाजपा और आरएसएस के बीच समन्वय में भी बदलाव आएगा, क्योंकि आजकल आरएसएस प्रचारक राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर भाजपा संगठन का संचालन करते हैं।

सूत्रों के अनुसार, विचार यह है कि राज्य स्तर पर संगठन चलाने की नीति को समाप्त किया जाए। जबलपुर बैठक में चर्चा की गई योजना के अनुसार, 46 राज्यों को 75 या अधिक क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा, ताकि नेतृत्व और जमीनी स्तर की इकाइयों के बीच की दूरी को कम किया जा सके और तेजी से निर्णय लिये जा सकें। इस प्रक्रिया में आरएसएस द्वारा किये जाने वाले सामाजिक कार्यों पर जोर दिया जाएगा, तथा इसमें अधिक से अधिक युवाओं की भूमिका होगी। यह निर्णय चरणबद्ध रूप से किए जाने वाले परिवर्तनों का हिस्सा है, जिसमें 11 क्षेत्रीय इकाइयों को घटाकर 9 किया जाएगा, और कई राज्यों, जैसे उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को एक ही क्षेत्र में शामिल किया जाएगा। राजस्थान इकाई को उत्तरी राज्यों के साथ जोड़ने की योजना है। योजना के अनुसार, प्रान्त-प्राचरकों की जगह, राज्य प्रचारक नियुक्त किये जायेंगे। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में सात प्रान्त प्रचारकों की जगह सिर्फ एक राज्य प्रचारक होगा। इस योजना में 75 या और अधिक संभागों का सृजन किया जाएगा, तथा प्रत्येक संभाग में एक संभागीय प्रचारक होगा। लेकिन जिला प्रचारक और विभागीय प्रचारक की वर्तमान व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि संगठनात्मक परिवर्तनों पर संवाद कई वर्षों से चल रहा था, लेकिन आरएसएस के शताब्दी वर्ष के दौरान इसे लागू न करने का निर्णय लिया गया था।

- **30 अक्टूबर को जबलपुर में हुई बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल ने संघ के ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन पर चर्चा की थी, पर, कोई निर्णय नहीं हुआ। अब इस पर प्रतिनिधि सभा में विचार होगा।**
- **इनमें सबसे प्रमुख मुद्दा है, संगठन के विकेन्द्रीकरण का, सूत्रों ने कहा कि राज्य स्तर पर संगठन के संचालन की व्यवस्था कम करके और 46 राज्यों को 75 या उससे अधिक भागों में बांटने पर चर्चा हो रही है ताकि नेतृत्व व निचले स्तर की इकाइयों के बीच दूरी कम से कम हो।**
- **इस बदलाव से संघ व भाजपा के रिश्तों में भी भारी बदलाव आ सकता है।**

बांग्लादेश में अंतरिम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके अलावा, भारत के सीमा सुरक्षा बल ने ढाका पुलिस के आरोपों को अविश्वसनीय बताया है। मेघालय सेक्टर की सीमा ढाका से कम से कम 300 किलोमीटर दूर है और इतनी हाई-प्रोफाइल वारदात के बाद कोई फरार व्यक्ति इतनी लंबी दूरी बिना पकड़े गए तय नहीं कर सकता।

इसके अलावा भारत के सुरक्षा तंत्र ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में व्यापक सीसीटीवी कवरेज है और इस तरह के मूवमैंट को ढाका में ही या सीमा पर किसी न किसी सीसीटीवी नेटवर्क ने ज़रूर पकड़ा होगा। सवाल यह है कि वे सीसीटीवी रिकॉर्ड का विश्लेषण क्यों नहीं कर पा रहे हैं और यह पता क्यों नहीं लगा पा रहे हैं कि आरोपी कैसे फरार हुए।

हक़ीक़त यह है कि बांग्लादेश में क़ानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और वहां की एजेंसियां भी ठीक से काम नहीं कर रही हैं। केन्द्रीय सत्ता के अभाव में निचले स्तर की सरकारी इकाइयां भी निष्क्रिय हो गई हैं।

कुछ भारतीय एजेंसियों का मानना है कि जब तक बांग्लादेश में एक ठीक से चुनी हुई सरकार सत्ता में नहीं आती, तब तक ऐसे अपराध आम हो सकते हैं।

लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चुनाव वास्तव में स्वतंत्र और निष्पक्ष होते हैं या नहीं। फिलहाल राज्य के पास ऐसे चुनाव सुनिश्चित करने की मशीनरी भी नहीं हैं।

यहां तक कि अगर चुनाव होते भी हैं, तो वे बनावटी हो सकते हैं और एकतरफ़ा साबित हो सकते हैं। इस तरह से चुनी हुई सरकार के पास स्वच्छ और प्रभावी शासन चलाने के लिए नैतिक विश्वसनीयता बहुत कम होगी।

इस बीच, बांग्लादेश में दिनदहाड़े हुई दो हिंदू पुरुषों की हत्या की कई देशों ने कड़ी निंदा की है। अमेरिका के एक सांसद ने इन हत्याओं को भयावह बताया है। वे बांग्लादेश में उचित सरकार की बहाली की मांग कर रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने में विफल रही है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोग गंभीर रूप से असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं सामने आई हैं।

हर तरफ से आलोचक यही कह रहे हैं कि बांग्लादेश में धार्मिक कट्टरता बहुत बढ़ गई है और देश को फिर से सामान्य स्थिति में लौटना चाहिए। अंतरिम सरकार को तुरंत यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अल्पसंख्यकों पर हमले तुरंत बंद हों। साथ ही, अल्पसंख्यक समुदायों के बीच सरकार के प्रति भरोसा और विश्वास बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

ओमान रवाना हुआ इंजन रहित जहाज कौण्डिन्य

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। नौसेना का इंजन रहित पारंपरिक समुद्री जहाज आईएनएसवी कौण्डिन्य सोमवार को अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर पोरबंदर से ओमान के मस्कट के लिए रवाना हुआ। ओमान रवाना हुआ जहाज आईएनएसवी कौंडिन्य पारंपरिक सिलाई विधि का इस्तेमाल करके बनाया गया है। यह पांचवीं शताब्दी के एक जहाज की तर्ज पर बनाया गया है और प्राचीन अजंता गुफाओं के एक चित्र से प्रेरणा लेकर इसे बनाने का विचार आया था।

इस जहाज का नाम पौराणिक नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है। कौंडिन्य के बारे में माना जाता है कि उन्होंने प्राचीन काल में भारत से दक्षिण पूर्व एशिया तक की यात्रा की थी। यह जहाज समुद्र तट वाले देश के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका का प्रतीक है। कौण्डिन्य अरब सागर पार करते हुए लगभग 1,400 किलोमीटर की दूरी तय कर मस्कट पहुंचेगा।

- **प्राचीन अजंता गुफाओं के चित्रों में बने एक जहाज से प्रेरणा लेकर बना यह जहाज प्राचीन मार्ग से ही ओमान जाएगा। केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में नौसेना ने इस जहाज को कमीशन किया।**

महाराष्ट्र का एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ सहित, 29 शहरी निकायों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे और परिणाम अगले दिन घोषित किए जाएंगे।

2023 में हुए एन.सी.पी. के विभाजन से दोनों गुट कमज़ोर हो गए हैं तथा गुटबाजी से, खासतौर से पश्चिमी महाराष्ट्र में, विरोधियों को फायदा हुआ है। एन.सी.पी. की गुटबाजी के कारण भाजपा को हाल के वर्षों में चुनावों में सफलता मिली है। ऐसा प्रतीत होता है कि अजीत पवार इस स्थिति को बदलना चाहते हैं। कुछ समय पहले, उन्होंने अपनी पत्नी को 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने चचेरे भाई और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारने के अपने निर्णय पर सार्वजनिक रूप से अफसोस जताया था। उन्हें ऐसी आशा है कि शरद पवार गुट के साथ एकता की उनकी कोशिश से "महायुति" गठबंधन में सत्ता की सौदेबाजी करने के मामले में उनकी स्थिति मजबूत एवं बेहतर होगी। उनके इस कदम से यह संदेश भी जाएगा कि पवार परिवार महाराष्ट्र राजनीति के केन्द्र में बना हुआ है। इस समय, यह सुलह अस्थायी प्रतीत होती है, लेकिन इससे कुछ बड़े सवाल उठ रहे है, क्या इस एकीकरण को स्थानीय नगर निकाय चुनावों तक सीमित एक अस्थायी कदम माना जा सकता है? या यह राज्यस्तरीय गठबंधनों पर भी असर डालने वाला कदम साबित हो सकता है?

रेत के टीलों में घोंसला बनाने वाले पक्षियों के लिये परियोजना बनेगी

नयी दिल्ली, 29 दिसंबर। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन - एनएमसीजी की कार्यकारी समिति की सोमवार को 68वीं बैठक हुई जिसमें गंगा और उसकी सहायक नदियों में अविरल और निर्मल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। बैठक में गंगा बेसिन में लुप्तप्राय पक्षियों के संरक्षण के लिए, भारतीय स्किमर प्रजाति के पक्षी सहित रेत के टीलों पर घोंसला बनाने वाले पक्षियों के प्रजनन स्थलों की सुरक्षा हेतु नयी परियोजना को स्वीकृति दी गई।

शनिवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी की भूमिका को लेकर गंभीर चर्चा चल रही है, क्योंकि कई नेता और कार्यकर्ता सोनिया गांधी, खड़गे और यहां तक कि राहुल गांधी से भी मिलकर मांग कर रहे हैं कि प्रियंका को संगठन चलाने में केन्द्रीय भूमिका दी जाए। वे एआईसीसी महासचिव हैं, पर उनके पास कोई जिम्मेवारी नहीं है। लेकिन हाल के दिनों में राहुल गांधी की अनुपस्थिति में संसद में वे सक्रिय रही हैं और इस पर पार्टी का ध्यान गया है। शक्तिशाली के.सी. वेणुगोपाल भी विवाद के केन्द्र में हैं। वे राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं और संगठन पर उनका नियंत्रण है, जिससे कई महासचिव नाराज़ हैं, क्योंकि उनके पास काम ही नहीं बचा है और ज्यादातर फैसले के.सी. वेणुगोपाल ही लेते हैं।

सूत्र बताते हैं कि सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी दोनों का मानना है कि वेणुगोपाल को हटाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें जरूरत से ज्यादा ताकत दे दी गई है। उन्होंने ही राहुल गांधी को यह समझाने में अहम भूमिका निभाई है कि अगर प्रियंका को कोई महत्वपूर्ण पद दिया गया तो वे एक वैकल्पिक शक्ति केन्द्र बन जाएंगी और राहुल को पीछे छोड़ देंगी।

दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने पहले ट्वीट किया और फिर सीडब्ल्यूसी में अपनी बात रखी, लेकिन किसी ने भी उनकी खुलकर आलोचना नहीं की। केवल माणिकम टैगोर ने उनके खिलाफ बोला, लेकिन उन्हें वेणुगोपाल के करीबी के रूप में जाना जाता है और कई लोगों का मानना है कि दिग्विजय सिंह की अधिकांश आलोचना का निशाना वेणुगोपाल थे, न कि राहुल गांधी।

पार्टी में मंथन शुरू हो गया है और लगातार हो रही बैठकों से लगता है कि नेतृत्व हालात पर पकड़ बनाने और लंबित मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहा है।

राहुल गांधी आज रात एक बार फिर छोटी छुट्टी पर यूरोप रवाना हो रहे हैं और नए साल में ही लौटेंगे

इसलिए किसी भी बदलाव के लिए मध्य जनवरी तक इंतज़ार करना होगा, जब 14 जनवरी के बाद शुभ काल शुरू होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने बलात्कार और हत्या के आरोपी सेंगर की जमानत रद्द की

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपील पर पहली ही सुनवाई में यह फैसला सुनाया

नयी दिल्ली, 29 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार मामले में दोषी ठहराए गए कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दी गयी ज़मानत पर रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जे के महेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज की पीठ ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर अपील पर पहली ही सुनवाई में यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि मामले के विशेष तथ्यों को देखते हुए विवादित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है। सेंगर को उक्त आदेश के आधार पर हिरासत से रिहा नहीं किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक सेंगर को ट्रायल कोर्ट से सज़ा मिलने के बाद मामला उच्च न्यायालय में गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई तक सेंगर की सज़ा निरस्त कर दी थी।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले के विशेष तथ्यों को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई जाती है।**

पीठ ने कहा कि सामान्यत: जब किसी दोषी या विचाराधीन कैदी को निचली अदालत या उच्च न्यायालय द्वारा ज़मानत दी जाती है, तो बिना उसे सुने उस आदेश पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। लेकिन इस मामले में उत्तरदाता भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के तहत एक अन्य मामले में दोषी ठहराया जा चुका है और उस मामले में भी हिरासत में है।

उच्चतम न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि पीड़िता को विशेष अनुमति याचिका दायर करने का वैधानिक अधिकार है और इसके लिए उसे न्यायालय से अलग से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। यदि उसे नि:शुल्क कानूनी सहायता चाहिए तो सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वह अपने निजी वकील के माध्यम से भी अपील दायर कर सकती है।

सुनवाई के दौरान, बचाव पक्ष की आपत्तियों को स्वीकार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने पीड़िता के वकील को फटकार लगाई, जिन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा ज़मानत दिए जाने में न्यायाधीशों की मिलीभगत का आरोप लगाया था। बचाव पक्ष ने कहा कि इस तरह के बयान राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिए जा रहे हैं और ये न्यायालय की अवमानना की सीमा में आते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने पीड़िता के वकील को चेतावनी देते हुए कहा कि यह न भूलें कि सेंगर को दोषी ठहराने वाली भी न्यायपालिका ही है। न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश न करें। यह टिप्पणी पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में धारा 304 के तहत सेंगर की सज़ा के संदर्भ में की गई।

उल्लेखनीय है कि सेंगर ने अपनी सज़ा के विरुद्ध अपील लंबित रहने के दौरान सज़ा निलंबन की मांग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था।

ललित मोदी ने वायरल वीडियो डिलीट किया और माफी मांगी

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। लंदन में धूमधाम से मनाई गई विजय माल्या की 70वीं बर्थडे पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी खुद को और माल्या को भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े बता रहे हैं। दोनों हंसते हुए यह बात कहते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट रहा है।

ललित मोदी ने यह क्लिप इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी, कैप्शन में लिखा था - भारत में इंटरनेट पर फिर से तहलका मचाने का समय आ गया है। हैप्पी बर्थडे मेरे दोस्त विजय माल्या। लव यू। इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर जैसे आग लगा दी और लोग इसपर नाराज हो रहे थे। वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद ललित मोदी ने इसे डिलीट कर दिया। लेकिन विवाद थम नहीं रहा था। लोगों ने लिखा कि ये दोनों भारत से भागकर लंदन में ऐश कर रहे हैं और कानून का मजाक बना रहे हैं। ललित मोदी ने सोमवार को एक्स पर

- **ललित मोदी ने विजय माल्या की बर्थडे पार्टी का वीडियो शेयर कर कहा था, हम दोनों भारत के सबसे बड़े भगोड़े हैं**

एक पोस्ट कर इस मामले में माफी मांगी है। उन्होंने लिखा, "अगर मैंने किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, खासकर भारतीय सरकार को, जिसके लिए मेरे मन में सबसे ऊंचा सम्मान है, तो मैं माफी मांगता हूं। मेरी बात को गलत समझा गया, ऐसा कभी इरादा नहीं था। एक बार फिर दिल से माफी मांगता हूं।"

इस विवाद पर विदेश मंत्रालय ने भी प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि कानून के जरिए भगोड़े लोगों को वापस लाया जाए और यहां अदालत में ट्रायल का सामना कराए। उन्होंने बताया कि कई देशों से बात चल रही है और प्रक्रिया जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ती चिंता के बीच लिया गया, क्योंकि इसे लेकर आशंका जताई जा रही थी कि इससे पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्रों में खनन और निर्माण के रास्ते खुल सकते हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस निर्णय का स्वागत किया, लेकिन चेतावनी दी कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "परिभाषा का मुद्दा फिर से जांचा जाएगा। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया इसका विरोध कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट की केन्द्रीय सशक्त समिति इसका विरोध कर रही थी। यह एक स्वागत योग्य संकेत है, लेकिन संघर्ष लंबा है, क्योंकि हमें इसे खत्म करना होगा। यह पर्यावरण के लिए एक अंतरिम जीत है। यह किसी राजनीतिक पार्टी या व्यक्ति की जीत नहीं है। यह भारत के पर्यावरण को बचाने के लिए किये जा रहे संघर्ष की जीत है, ताकि हम सांस ले सकें।"

विशेषज्ञों का कहना है कि इस घटना ने यह दिखा दिया है कि भारत में अरावली श्रृंखला की परिभाषा और संरक्षण के तरीके में एक गहरी समस्या है। वे चेतावनी देते हैं कि इस परिवर्तन से 700 किलोमीटर लंबी अरावली श्रृंखला के विशाल क्षेत्रों को खनन और निर्माण के लिए खोला जा सकता है, जिसके परिणाम धीरे-धीरे, लेकिन अपरिवर्तनीय रूप से, सामने आ सकते हैं।

इकोलॉजी और पर्यावरण विशेषज्ञ सलीम खान ने कहा, "जो हम आज देख रहे हैं, वह मुख्य रूप से एक भूगर्भीय श्रेणीकरण है। पारिस्थितिकी दृष्टिकोण से, इस दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण सीमाएं हैं।"

डॉ. खान ने कहा, अरावली पर्वत केवल कुछ पहाड़ियों का समूह नहीं हैं, जिन्हें ऊंचाई से मापा जा सकता है। ये इकोलॉजी की दृष्टि से महत्वपूर्ण काम करती हैं, जैसे तापमान का नियंत्रण, जलभूमि का पुनर्भरण, मिट्टी का संरक्षण और बीज का प्रसार, जो केवल ऊंचाई के साधारण मानदंड से मेल नहीं खाते।

उन्होंने कहा, "कई पर्वतों के बीच का कॉरिडोर, निचले ढलान और मौसमी जलधाराएं 100 मीटर से अधिक ऊंची नहीं होतीं। केवल ऊंचाई के आधार पर इन क्षेत्रों को बाहर करना पारिस्थितिकी तंत्र की संपूर्णता के लिए महत्वपूर्ण घटकों को नज़रअंदाज करने का जोखिम हो सकता है," उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसमें सिर्फ भूविज्ञान ही दांव पर नहीं है, बल्कि इससे भी बहुत कुछ ज्यादा दांव पर है।

प्रोफेसर शिवाजी सरकार ने कहा, छोटे व्यवधान से भी जलग्रहण क्षमता तीव्रता से घट सकती हैं और मरुस्थलीकरण को बढ़ावा दे सकती हैं। पारिस्थितिकी अनुसंधान लगातार यह दिखाता है कि इससे पारिस्थितिकी तंत्र पर भारी असंतुलित प्रभाव पड़ सकता है, जिसे पलटा नहीं जा सकता।

प्रो. सरकार ने कहा, "यह बहुत पुरानी पर्वत श्रृंखला है, जिनमें कम गहरे और कमज़ोर हाइड्रोलॉजिकल सिस्टम्स हैं, इन्हें सहेजने की जरुरत है, "निचले ढलानों और जुड़े हुए भूमि रूपों के विघटन, समय के साथ भूजल रिचार्ज व्यवस्था बाधित हो जाएगी, जिससे मरुस्थलीकरण का खतरा बढ़ सकता है।"

पर्यावरण कार्यकर्ता और पारिस्थितिकी संरक्षण विशेषज्ञ शांतनु द्विवेदी ने कहा, अदालत ने पहले निर्णय में नई परिभाषा को "केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे अरावली क्षेत्र को प्रदूषण और विकिरण से बचाने की उम्मीद की रेखा" के रूप में बताया था।

उन्होंने अरावली को इकोलॉजी का खजाना बताते हुए कहा, "अगर सुप्रीम कोर्ट ने खनन या किन्हीं अन्य 'विकासात्मक' गतिविधियों की अनुमति दी, तो इसका मतलब होगा कि 90 प्रतिशत अरावली समाप्त हो सकती है। बढ़ते वायु प्रदूषण के संदर्भ में, यह निर्णय, जबकि सुप्रीम कोर्ट दीर्घकालिक उपायों की बात करता है, वास्तव में उन प्राकृतिक सुरक्षा उपायों का शोषण करता है, जिन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए।"

अरावली पर्वत वह स्त्रोत हैं, जिससे चंबल, साबरमती और लूनी जैसी नदियाँ निकलती हैं, और उनके वन, घास के मैदान और नम भूमि लुप्तप्राय पौधों और जानवरों को पनपाती है।

इनमें से कई प्रजातियाँ सबसे ऊंचे शिखरों पर निर्भर नहीं होतीं, बल्कि निचले पहाड़ों और घाटियों पर निर्भर होती हैं, जो अब खतरे में हैं।

भाजपा ने मुंबई नगर निगम के लिये प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की

मुंबई, 29 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन तक सीटों के बंटवारे पर बातचीत बेनतीजा रहने के बाद, भाजपा ने सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी।

पार्टी ने 67 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। इनमें से सभी को एबी फॉर्म जारी कर दिये गये हैं, जो जरूरत पड़ने पर पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी का संकेत है। यह कदम मुंबई में दोनों गठबंधन सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर फॉर्मूले की अनिश्चितता के बीच उठाया गया है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह फैसला आखिरी समय की उलझन से बचने और यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि नामांकन की समय सीमा से पहले भाजपा उम्मीदवार दौड़ में शामिल रहें।

बंगाल में महाकाल का मंदिर बनवाएंगी ममता बनर्जी

प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मैं पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष हूँ

कोलकाता, 29 दिसंबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे तुष्टिकरण के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए खुद को सच्चे अर्थों में धर्मनिरपेक्ष बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों और समुदायों को समान सम्मान देती है और यही उनकी राजनीति की मूल विचारधारा है।

कोलकाता में 'दुर्गा आंगन' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, कई लोगों ने कहा है कि मैं तुष्टीकरण कर रही हूं, लेकिन मैं सेक्युलर हूं और सभी धर्मों में विश्वास करती हूं। मुझे बंगाल से प्यार है, मुझे भारत से प्यार है। हम सभी जातियों, सभी धर्मों से प्यार करते हैं। यही हमारी विचारधारा है। हर व्यक्ति को अपना लोकतांत्रिक अधिकार है। धर्म व्यक्तिगत पसंद है, लेकिन त्यौहार सभी के लिए हैं। ममता ने कहा कि मैं सभी धर्मों के कार्यक्रमों में जाती हूं, जब मैं गुरुद्वारे जाती हूं तो किसी को कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन अगर मैं ईद के कार्यक्रम में जाती हूं तो कुछ लोगों को परेशानी होने लगती है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दुर्गा आंगन की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम बंगाल और बंगाल के लोगों को समर्पित है। मैं समाज के अलग-अलग वर्गों से यहां आने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं। आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि दुर्गा आंगन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और हमें उम्मीद है कि काम बहुत जल्द शुरू हो जाएगा। ममता बनर्जी ने बताया कि दुर्गा आंगन के निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन किया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और इसका लाभ राज्य के लोगों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गा आंगन न केवल सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि बंगाल के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

- **उन्होंने कहा, मैं गुरुद्वारे जाती हूँ तो किसी को दिक्कत नहीं होती, पर ईद के कार्यक्रम में जाती हूँ तो कुछ लोगों को परेशानी होती है।**

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908